संसेक्स	~	81,548.73
निफ्टी	~	25,005.50
सोना	~	10,13,000
चांदी	~	1,29,900
डॉलर	~	88.29

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

बालाघाट
शुक्रवार 12 सितम्बर 2025
आश्विन कृष्ण 05 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 349
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in

राष्ट्रपति-राज्यपाल मामले पर सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित रखते हुए बोले सीजेआई गवई-

हाथ पर हाथ धरे बैठे तो नहीं रह सकते...

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा अनुच्छेद 143(1) के तहत भेजे गए संदर्भ पर सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने 10 दिनों तक चली सुनवाई गुरुवार 11 सितंबर को पूरी कर ली और फैसला सुरक्षित रख लिया। यह अहम सवाल अदालत के सामने था कि क्या संवैधानिक अदालतें राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों पर मंजूरी देने की समयसीमा तय कर सकती हैं?

इस मामले पर मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ में जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रमनाथ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदुरकर शामिल थे। सुनवाई 19 अगस्त से शुरू हुई थी, जो गुरुवार को अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी की दलीलों के साथ समाप्त हुई। सुनवाई पूरी करते हुए अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया ।

अंतिम सुनवाई के दौरान सीजेआई गवई ने महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा, मैं शक्तियों के पृथक्करण में विश्वास रखता हूं। न्यायिक सक्रियता होनी चाहिए, लेकिन यह न्यायिक दुस्साहस में नहीं बदलनी चाहिए। फिर भी, यदि लोकतंत्र का एक पक्ष अपने कर्तव्यों का निर्वहन नहीं करता, तो क्या संविधान का संरक्षक न्यायालय हाथ पर हाथ धरे बैठा रह सकता है?

केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इसका विरोध करते हुए कहा कि कार्यपालिका और विधायिका भी संविधान की संरक्षक हैं। उन्होंने तर्क दिया कि यदि न्यायालय राज्यपाल जैसे संवैधानिक पदाधिकारियों के विवेकाधिकार पर समयसीमा थोपेगा, तो यह शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत का उल्लंघन होगा।

गौरतलब है कि राष्ट्रपति ने मई 2024 में यह संदर्भ भेजा था। यह मामला उस समय सामने आया जबकि सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल को कहा था कि राज्यपाल विधेयकों पर उचित समय सीमा में निर्णय लें और संवैधानिक चुप्पी का सहारा लेकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित न करें। इस फैसले पर विवाद खड़ा हुआ था, खासकर तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, पंजाब और हिमाचल प्रदेश जैसे विपक्ष-शासित राज्यों ने इसका समर्थन किया और राज्यपालों के आचरण पर सवाल उठाए।

इसी मामले को लेकर राष्ट्रपति ने अपने पांच पृष्ठों के संदर्भ में कुल 14 सवाल रखे, जिनमें यह जानना चाहा गया कि अनुच्छेद 200 और 201 के तहत राज्यपाल और राष्ट्रपति की शक्तियों का दायरा क्या है और क्या इन पदों पर निर्णय लेने के लिए समयसीमा तय की जा सकती है।

अब सबकी निगाहें सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर हैं, जो न केवल संवैधानिक व्यवस्था को स्पष्ट करेगा बल्कि केंद्र-राज्य संबंधों और राज्यपालों की भूमिका पर भी दूरगामी प्रभाव डालेगा। माना जा रहा है कि इस पर फैसला दो महीने के भीतर आ सकता है, क्योंकि 23 नवंबर को सीजेआई गवई सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

सोनिया गांधी के खिलाफ एफआईआर की मांग खारिज

दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के खिलाफ एक शिकायत को खारिज कर दिया है, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उनकी नागरिकता प्राप्त करने से पहले उनका नाम मतदाता सूची में शामिल किया गया था. इस मामले में एक वकील द्वारा दायर याचिका को कोर्ट ने अस्वीकार कर दिया, जिसमें पुलिस को एफआईआर दर्ज करने और मामले की जांच के लिए निर्देश देने की मांग की गई थी.

शिकायतकर्ता वकील ने दावा किया कि सोनिया गांधी ने 30 अप्रैल 1983 को भारतीय नागरिकता प्राप्त की, लेकिन उनके नाम को 1980 की दिल्ली मतदाता सूची में शामिल था. याचिका में सवाल उठाया कि जब सोनिया गांधी इटली की नागरिक थीं तो उनका नाम 1980 में वोटर लिस्ट में कैसे शामिल हुआ. इसके अलावा याचिकाकर्ता ने ये भी आरोप लगाया कि 1982 में उनका नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया, लेकिन इसके पीछे का कारण भी स्पष्ट नहीं है. शिकायतकर्ता ने ये भी आरोप लगाया कि सोनिया गांधी का नाम नागरिकता प्राप्त करने से पहले मतदाता सूची में शामिल करना एक गंभीर अनियमितता और संभावित जालसाजी का मामला है.

खास खबर

छत्तीसगढ़ में 10 माओवादी ढेर

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में सुरक्षा बलों ने एक मुठभेड़ में केंद्रीय समिति के सदस्य मनोज उर्फ मोडेम बालकृष्ण समेत 10 माओवादियों को मार गिराया। मुठभेड़ गुरुवार दोपहर माटल इलाके के जंगलों में हुई। यह अभियान बुधवार रात को शुरू किया गया था, जिसमें बालकृष्ण और दूसरे हथियारबंद माओवादियों के इलाके में छिपे होने की जानकारी मिली थी। इस जानकारी के बाद गरियाबंद जिले की विशेष एंटी-नक्सल फोर्स एलीट 30, स्पेशल टास्क फोर्स और सीआरपीएफ की स्पेशल यूनिट कोबरा की ज्वाइंट टीम ऑपरेशन पर निकली। पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा ने बताया, मुठभेड़ दोपहर से शुरू हुई। माओवादियों ने हमारी टीम पर अचानक गोलियां बरसाईं, जिसके बाद जवानों ने जवाबी कार्रवाई की। गोलीबारी शाम तक जारी रही। मुठभेड़ खत्म होने के बाद तलाशी अभियान चलाया गया, जिसमें शव बरामद हुए।

वांछित भगौड़े हीरा कारोबारी मेहुल चौकसी जल्द लौटेगा भारत

नई दिल्ली। पंजाब नेशनल बैंक के 13,000 करोड़ के धोखाधड़ी मामले में वांछित भगौड़े हीरा कारोबारी मेहुल चौकसी के खिलाफ प्रत्यर्पण की कार्यवाही बेल्जियम की एक अदालत में शुरू होने की संभावना है। अदालती सुनवाई बेल्जियम के संघीय अभियोजकों द्वारा सीबीआई और भारतीय विदेश मंत्रालय के सहयोग से की जाएगी। भारतीय अधिकारियों ने बताया कि चौकसी 2023 से बेल्जियम में रह रहा है। वह इलाज के लिए एंटीगुआ और बारबुडा से इस यूरोपीय देश में स्थानांतरित हुआ था। उसकी पत्नी बेल्जियम की नागरिक है। उन्होंने बताया कि सीबीआई को जनवरी 2024 में बेल्जियम में उसकी मौजूदगी की सूचना मिली थी, इसके बाद उस यूरोपीय देश को प्रत्यर्पण अनुरोध भेजा गया था जिसके साथ भारत ने 2020 में एक संधि पर हस्ताक्षर किए थे। इस व्यवस्था के तहत यह पहला मामला है।

संजय कपूर की मां ने बहू प्रिया सचदेव पर लगाए संपत्ति बेचने के आरोप

नई दिल्ली। एक्ट्रेस करिश्मा कपूर के एक्स हसबैंड संजय कपूर की मौत के बाद से 30 हजार करोड़ की संपत्ति का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। जहां एक ओर करिश्मा कपूर के बच्चों ने अपना हक मांगने के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है तो वहीं संजय कपूर की मां और बहन द्वारा संजय कपूर की तीसरी पत्नी प्रिया सचदेव पर वसीयत में हेरफेर करने, जबरदस्ती साइन करवाने जैसे कई बड़े इल्जाम लगाए जा रहे हैं।

कुछ ना कहना

इतनी भी क्या जल्दबाजी है? यह तो एक मैच है, होने दीजिए

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को उस जनहित याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया, जिसमें 14 सितंबर को होने वाले एशिया कप टी20 टूर्नामेंट के भारत-पाकिस्तान मैच को रद्द करने की मांग की गई थी। मामला जब जस्टिस जे के माहेश्वरी और जस्टिस विजय बिश्नोई की पीठ के सामने पहुंचा तो कोर्ट ने इसे गंभीरता से लेने से इनकार कर दिया। जस्टिस माहेश्वरी ने साफ कहा कि इतनी भी क्या जल्दबाजी है? यह तो एक मैच है, होने दीजिए। जब वकील ने दलील दी कि रविवार को मैच है और अगर शुक्रवार को सुनवाई नहीं हुई तो याचिका निरर्थक हो जाएगी तो जस्टिस माहेश्वरी ने उन्हें दो टूक जवाब दिया- मैच इस रविवार है? हम इसमें क्या कर सकते हैं? रहने दीजिए, मैच होना चाहिए।

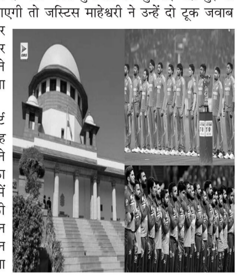

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह याचिका चार लॉ छात्रों ने दाखिल की है। उनका कहना है कि हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान के साथ मैच खेलना राष्ट्रीय हित के खिलाफ है। इससे शहीद हुए जवानों और नागरिकों के बलिदान का अपमान होगा। याचिका के मुताबिक जब हमारे सैनिक अपनी जान दे रहे हैं, उसी देश के साथ क्रिकेट खेलना गलत संदेश देता है और शहीदों के परिवारों की भावनाओं को ठेस पहुंचाता है। याचिका में कहा गया है कि मनोरंजन को राष्ट्र की सुरक्षा और गरिमा से ऊपर नहीं रखा जा सकता।

याचिकाकर्ताओं ने कोर्ट से अपील की है कि केंद्र सरकार राष्ट्रीय खेल शासन अधिनियम, को लागू करे। सीजन बॉल क्रिकेट को मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल महासंघ के दायरे में लाया जाए। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को खेल मंत्रालय के अधीन लाया जाए। याचिका का नेतृत्व कर रही छात्रा ने कहा कि अब समय आ गया है कि बीसीसीआई को खेल मंत्रालय के अधीन लाया जाए। एक बार राष्ट्रीय खेल शासन अधिनियम लागू हो गया तो बोर्ड को राष्ट्रीय खेल बोर्ड के तहत आना ही पड़ेगा।

मेरे खिलाफ पैसे देकर चलाया जा रहा राजनीतिक अभियान

नागपुर। केंद्रीय सडक् परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि ई20 मिश्रित ईंधन के खिलाफ सोशल मीडिया पर चलाया जा रहा अभियान मुझे राजनीतिक रूप से निशाना बनाने के लिए है। इसे पैसे देकर चलाया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री सोसाइटी ऑफ ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के वार्षिक सम्मेलन में सवालों के जवाब दे रहे थे। यहां उनसे पेट्रोल में इथेनॉल के मिश्रण से जुड़ी चिंताओं के बारे में पूछा गया था।

गडकरी ने जवाब दिया कि ऑटोमोबाइल निर्माता और ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई) जैसी संस्थाओं ने पेट्रोल में इथेनॉल के मिश्रण पर अपने निष्कर्ष साझा किए हैं। मंत्री ने कहा, जिस तरह आपका उद्योग काम करता है, उसी तरह राजनीति भी काम करती है। सोशल मीडिया अभियान सशुल्क था। यह मुझे राजनीतिक रूप से निशाना बनाने के लिए था। इसमें कोई तथ्य नहीं है। सब कुछ स्पष्ट है। इथेनॉल मिश्रण आयात का विकल्प, लागत-प्रभावी, प्रदूषण-मुक्त और स्वदेशी है।

गडकरी ने कहा कि भारत जीवाश्म ईंधन के आयात पर भारी रकम खर्च करता है। उन्होंने पूछा कि क्या जीवाश्म ईंधन के आयात को कम करने और बचाई गई राशि को भारतीय अर्थव्यवस्था में लगाने का प्रयास करना आर्थिक रूप से एक अच्छा कदम नहीं है। उन्होंने कहा, हमने मक्का से इथेनॉल बनाया। इस कदम से किसानों को 45,000 करोड़ रुपये का लाभ हुआ है।

सीपी राधाकृष्णन बने उपराष्ट्रपति, आचार्य देवव्रत को महाराष्ट्र के राज्यपाल की अतिरिक्त जिम्मेदारी

नई दिल्ली। सीपी राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति चुने जाने के बाद आचार्य देवव्रत महाराष्ट्र के राज्यपाल की अतिरिक्त जिम्मेदारी निभाएंगे। राधाकृष्णन ने महाराष्ट्र के राज्यपाल पद से इस्तीफा दिया है। इस कारण राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुजरात के राज्यपाल देवव्रत को महाराष्ट्र की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी। इस संबंध में राष्ट्रपति के प्रेस सचिव अजय कुमार सिंह ने आधिकारिक आदेश जारी किया। आदेश में कहा गया है, राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति चुने जाने के कारण महाराष्ट्र के राज्यपाल का पद छोड़ने के फलस्वरूप भारत के राष्ट्रपति ने गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत को उनके अपने कर्तव्यों के अतिरिक्त महाराष्ट्र के राज्यपाल के कार्यों का निर्वहन करने के लिए नियुक्त किया है।

हमले की प्लानिंग के साथ पकड़े गए 5 संदिग्ध आतंकी

नई दिल्ली। देश में एक बड़े आतंकी हमले की साजिश को दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल और केंद्रीय एजेंसियों ने मिलकर नाकाम कर दिया है. छापेमारी कर एक बड़े आतंकी नेटवर्क का पर्दाफाश किया गया है. चार राज्यों मप्र, दिल्ली, मुंबई और झारखंड में एक साथ चलाए गए ऑपरेशन में पांच संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया गया है. यह नेटवर्क आईएसआईएस से प्रेरित था और दिल्ली में केमिकल बमों के जरिए बड़े पैमाने पर हमला करने की योजना बना रहा था. यह जानकारी स्पेशल सेल के एडिशनल सीपी प्रमोद सिंह कुशवाहा ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी।

पुलिस ने बताया, झारखंड से दो, दिल्ली से एक, तेलंगाना से एक और मध्यप्रदेश से एक संदिग्ध को अरेस्ट किया गया है। इन संदिग्ध आतंकियों के पास से सल्फर पाउडर, सल्फ्यूरिक एसिड, नाइट्रिक एसिड, सोडियम बाइकार्बोनेट, बॉल बियरिंगस और सेफ्टी ग्लास, रेस्पिरेट्री मास्क, सर्किट वायर, मदर बोर्ड, लैपटॉप और हथियार मिले हैं। ये सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में थे।

राहुल गांधी की सुरक्षा पर सीआरपीएफ का अलर्ट, खडगे़ को पत्र लिखकर लगाया सिक्योरिटी प्रोटोकॉल तोडऩे का आरोप, कहा

नेता प्रतिपक्ष बिना बताए विदेश जाते हैं, ये चिंता का विषय

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की सुरक्षा को लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के मुताबिक, सीआरपीएफ वीवीआईपी सिक्योरिटी के प्रमुख सुनील जून ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे़ और राहुल गांधी को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में राहुल गांधी के सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन न करने को लेकर गंभीर आपत्ति जताई गई है। जानकारी के अनुसार, यह पत्र 10 सितंबर को भेजा गया था। इसमें कहा गया है कि राहुल गांधी बार-बार जेड प्लस विथ एएसएल सुरक्षा कैटेगरी के नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। सुनील जून ने पत्र में लिखा कि राहुल गांधी सुरक्षा को लेकर गंभीरता नहीं बरतते और कई बार सुरक्षा एजेंसियों की सलाह को नजरअंदाज कर देते हैं इस तरह की चूक वीवीआईपी सिक्योरिटी को कमजोर करती है। उन्हें खतरों का भी सामना करना पड़ सकता है।

सबसे बड़ी शिकायत यह की गई है कि राहुल गांधी ने सीआरपीएफ सिक्योरिटी के 'येलो बुक प्रोटोकॉल' का उल्लंघन करते हुए बिना सूचना विदेश यात्राएं कीं। यह प्रोटोकॉल वीवीआईपी सुरक्षा के लिए बेहद अहम माना जाता है, और इसका पालन करना सुरक्षा एजेंसियों के लिए अनिवार्य होता है। पत्र में कहा गया है कि जेड प्लस विथ एएसएल सिक्योरिटी से लैस वीआईपी को विदेश यात्रा से कम से कम 15 दिन पहले अपनी सुरक्षा एजेंसी को सूचित करना जरूरी होता है। लेकिन राहुल गांधी ऐसा नहीं करते। सीआरपीएफ ने शिकायत की है कि राहुल गांधी देश के उन चुनिंदा वीवीआईपी में से एक हैं जो अति संवेदनशील महत्व रखते हैं, बावजूद इसके वह सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन नहीं करते हैं।

संयुक्त क्रांति पार्टी का जन अभियान

भारत की 140 करोड़ जनता से सवाल

● भारत में मतपत्रों से वोट डालने एवं मतपेटियों में वोट जमा करने की चर्चा के बीच इस पर भी चर्चा होनी चाहिये कि भारत में ई.वी.एम. किसने लाया ? चुनाव संचालन नियम 1961 में किसने संशोधन किया?

● बेरोजगारी पर चर्चा करने से पहले इस बात पर भी चर्चा होनी चाहिये कि भारत में आऊट सोर्स स्कीम किसने एवं कब लाया तथा भारत में संविदा नियुक्ति की शुरूआत किसने की?

● डिजिटल इण्डिया पर चर्चा के बीच भारत में ए.टी.एम. एवं पे.टी.एम. किसने लाया ? इस पर भी चर्चा होनी चाहिये। भारत में खुली अर्थव्यवस्था आर्थिक आपातकाल में कैसे बदल डाली ? चर्चा इस पर क्यों नहीं?

● भारत में यू.पी.एस.सी. से आई.ए.एस. एवं आई.आर.एस. तथा आई.एफ.एम. बनाने की चर्चा के बीच लेटरल भर्ती प्रकिया में आई.ए.एस. बनाने की शुरूआत किसने की? इस पर भी चर्चा होनी चाहिए। भारत में आरक्षण से नौकरी देने की बात को रोक कर बैकलाग भर्ती क्यों एवं किसने बंद की? इस पर भी चर्चा होनी चाहिये।

● भारत में 797 जिलों में रोजगार कार्यालयों से नौकरियां क्यों नही मिल रही है? हरियाणा से म.प्र. तक बेरोजगारी से ठगी क्यों हो रही है ? व्यापम के मुख्य आरोपियों के केस बंद हो गये। 60 हजार बेरोजगारों पर मुकदमें क्यों चलाये जा रहे है? चर्चा इस पर क्यों नहीं?

● भारत में रोजगार एवं गरीबी उन्मुलन मंत्रालय क्या रहा है? इसके बजट से कितने गरीबी एवं बेरोजगारों को रोजगार मिल रहा है ? इस पर चर्चा क्यों नहीं?

● भारत में धर्म के नाम पर अतीत की राजनीति चल रही है। मंदिरो, मस्जिदों, गिरिजाघरों, गुरुद्वारों, बौध्द विहार एवं चचर्चों की संख्या गिनकर वोटों का विभाजन एवं राजनीति हो रही है। चर्चा इस पर क्यों नही ?

● भारत से वर्ण व्यवस्था एवं जाति व्यवस्था को समाप्त करने भारत सरकार एवं राज्य सरकारों को कानून बनाना चाहिये। चर्चा इस पर क्यों नहीं?

● भारत में इंजीनियर, डॉक्टर, साईंटिस्ट के स्थान पर धार्मिक साधु संत, मौलवी एवं पादरीयों की संख्या बढ़ रही है। चर्चा इस पर क्यों नही?

● भारत में किसान एवं उनके अधिन काम करने वाले करोड़ों खेतीहर मजदूरों का जीवन अत्यंत दुःखद एवं गरीबी से भरा है। इस मुद्दे पर देश में चर्चा क्यों नहीं?

● भारतीय लोकतंत्र में आंदोलन लोकतंत्र को जीवित रखने का आधार है। भारत में किसान आंदोलन, मजदूर आंदोलन, छात्र आंदोलन समाप्त हो गये। सरकारें लोगों की आवाज को पुलिस से दमन करवाती है। इस पर चर्चा क्यों नही?

● भारत की आजादी के बाद भी देश में नेहरू, गांधी, जिन्ना, आम्बेडकर भारत की राजनीति में बड़े नेता है। वर्तमान नेता देश में विकास के मुद्दों पर बात नहीं कर रहे, इस पर चर्चा क्यों नही?

● भारत में मोदी के सम्मान, अपमान एवं गांधी परिवार के सम्मान, अपमान पर 140 करोड़ लोग क्यों लड़ रहे है ? सम्मान एवं अपमान तो राजनीति का हिस्सा है। चर्चा इस पर क्यों नहीं?

भारत की 140 करोड़ जनता को राजनीति में नये सिरे से विचार करना चाहिये।

किशोर समरिते
राष्ट्रीय अध्यक्ष
संयुक्त क्रांति पार्टी
एवं
पूर्व विधायक लांजी, तहसील-लांजी
जिला - बालाघाट (मध्यप्रदेश)

अब पंचायत सचिवों को सेल्फ फोटो के साथ ई-अटेंडेंस लगाने का मिला आदेश

जिला पंचायत के आदेशों का सचिवों ने जताया विरोध सौपा ज्ञापन, नेटवर्क समस्या सहित अन्य तकनीकी कारणों का दिया हवाला, मांग पूरी ना होने पर कलम बंद हड़ताल की दी चेतावनी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रदेश शासन द्वारा शिक्षकों के बाद अब पंचायत सचिवों को भी सेल्फ फोटो के साथ मोबाइल ऐप के माध्यम से सुबह शाम अटेंडेंस लगाने के आदेश जारी किए गए हैं। जिला पंचायत के माध्यम से जारी किए गए इन आदेशों में पंचायत पहुंचने के तुरंत बाद सेल्फ फोटो लेकर मोबाइल के एक खास एप के माध्यम से उस सेल्फी फोटो को अपलोड कर ई अटेंडेंस लगाने को कहा गया है। तो वही पंचायत के कार्य के बाद शाम को घर लौटने के पूर्व दोबारा इसी प्रक्रिया को अपनाकर एप के माध्यम से ईअटेंडेंस लगाने के निर्देश जारी किए गए हैं।ताकि पंचायत में सचिवों की उपस्थिति और उनके कार्यों की गणना की जा सके। वही पंचायत के कार्यों में पारदर्शिता आए। लेकिन अब जिला पंचायत द्वारा 04 ब्लाकों के लिए जारी किए गए इन आदेशों का विरोध भी शुरू हो गया है।जहां जिले की चार ब्लाकों की 36 पंचायत के सचिवों ने जनपद पंचायत बिरसा पहुंचकर इस आदेश को तत्काल रद्द किए जाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौपा है।जिला कलेक्टर के नाम सौंपे गए इस ज्ञापन में उन्होंने ग्रामीण अंचलों में नेटवर्क समस्याएं और अन्य तकनीकी समस्याओं व कारणों का हवाला देते हुए 04 ब्लाकों में इस आदेश को अनिवार्य न किए जाने की मांग की है।

योजना के मुताबिक सेल्फ अटेंडेस में दर्ज होंगी लोकेशन व रिकार्ड

बताया गया कि पंचायत सचिव अब अपनी ड्यूटी के दौरान काम के स्थानों पर सेल्फी के ज़रिए अपनी हाजरी दर्ज करेंगे।यह एक नई तकनीक है जो उपस्थिति सुनिश्चित करने और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए इस्तेमाल की जा रही है, ताकि ग्रामीण विकास के काम की प्रगति का बेहतर पता लगाया जा सके।बताया गया कि पंचायत सचिव काम पर पहुंचने के बाद एक सेल्फी अटेंडेंस लेंगे।यह सेल्फी एक विशेष मोबाइल ऐप के माध्यम से अपलोड की जाएगी।इस ऐप में सचिव का स्थान (लोकेशन) और समय रिकॉर्ड होगा। यह तकनीक यह सुनिश्चित करेगी कि सचिव निर्धारित समय पर काम पर मौजूद हुआ या नही।इससे शासन को इस बात का पता लगा जाएगा कि सचिव नियमित रूप से काम कर रहे हैं या नही।सचिवों को काम के प्रति और अधिक जवाबदेह बनाया जाएगा।वही काम पर निश्चित उपस्थिति से ग्रामीण विकास की परियोजनाओं को गति देने की योजना बनाई गई है।शासन का मानना है कि इस प्रकार, सेल्फी अटेंडेंस एक आधुनिक और प्रभावी उपाय है, जिससे पंचायत सचिवों की कार्यप्रणाली को सुधारा जा सकता है।लेकिन नेटवर्क समस्या सहित अन्य कारणों के चलते सचिवों ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया है।

तो की जाएगी कलम बंद हड़ताल

मप्र पंचायत सचिव संगठन द्वारा जनपद पंचायत बिरसा में सौपे गए इस ज्ञापन में इस बात का उल्लेख किया गया कि जिले के 4 ब्लॉकों(बैहर,बिरसा,किरनापुर,लांजी) अत्यंत दुर्गम एवं नक्सल प्रभावित है।जिसके अंतर्गत आने वाली 36 ग्राम पंचायत के सचिवों को गूगल डॉक्यूमेंट के माध्यम से सेल्फी अटेंडेंस लगाकर सुबह व शाम की फोटो अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं, जो कि धरातल पर सम्भव नहीं है, अधिकांश ग्राम पंचायतों मे इन्टरनेट आदि के समस्या है।चुंकि ग्राम पंचायत सचिवों फील्ड का कर्मचारी होने के कारण उसे टीएस एएस जारी करवाने ,एमबी प्राप्त करने, पीएमएवायजी, निरिक्षण, ई केवायसी, सीएम हेल्पलाइन, आयुष्मान कार्ड, बैंक कार्य, संबल आवेदन जांच, श्रमिक आवेदन जांच, आदि अन्य कार्य हेतु जनपद व पंचायत में फील्ड पर जाकर कार्य करना पड़ता है, ऐसी स्थिति दोनों टाइम सुबह-शाम सेल्फी फोटो अपलोड किया जाकर अटेंडेस लगाना सम्भव नहीं है।उन्हें उक्त ज्ञापन के माध्यम से आदेशों को तत्काल निरस्त करने की गुहार लगाई है।जिन्होंने 1सप्ताह के भीतर मांग पूरी ना होने पर जिले के समस्त पंचायत सचिवों द्वारा कलम बंद हड़ताल किए जाने की चेतावनी दी है।

स्कूटी की ठोकर से दो महिला घायल

घायल एक महिला जिला अस्पताल में भर्ती

रामपायली थाने के वारासिवनी रोड पर हुई दुर्घटना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । रामपायली थाना अंतर्गत वारासिवनी रोड पर स्थित ग्राम कोलीवाड़ा के पास स्कूटी की ठोकर से दो महिला घायल हो गई। दोनों घायल महिला को रामपायली के अस्पताल में भर्ती किया गया। जहां से अत्यधिक चोट लगने से घायल महिला उषा बाई पति राजेंद्र मेश्राम 45 वर्ष ग्राम कोलीवाड़ा निवासी को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है। एक अन्य घायल महिला राजवंता पति राजेश मेश्राम 50 वर्ष को मामूली

चोंटे आई। जिसे प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार उषा बाई मेश्राम अपने पति राजेंद्र मेश्राम के साथ में मजदूरी करती है। 11 सितंबर को 10 बजे उषा बाई मेश्राम राजवंता मेश्राम के साथ मजदूरी करने के लिए अपने गांव कोलीवाड़ा से झालीवाड़ा पैदल आ रही थी। तभी कोलीवाड़ा से कुछ ही दूर वारासिवनी रोड पर वारासिवनी की ओर से तेज रफ्तार से आ रही स्कूटी ने उषा बाई मेश्राम और राजवंता मेश्राम को चपेट में ले लिया। स्कूटी की ठोकर दोनों महिला घायल हो गई। घायल दोनों महिला को रामपायली के अस्पताल में भर्ती किया गया था जहां से अत्यधिक चोट लगने से घायल महिला उषा बाई मेश्राम को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है राजवंता मेश्राम को रामपायली के अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। जिससे मामूली चोटे आई थी। इस दुर्घटना की जांच रामपायली पुलिस द्वारा की जा रही है।

सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा अभियान के तहत हेलमेट नही पहनने पर पुलिसकर्मियों के काटे गए चालान

डीएसपी प्रतिष्ठा राठौर ने यातायात नियम पालन करने की कही बात

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । यातायात पुलिस द्वारा इन दिनों सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें डीएसपी प्रतिष्ठा राठौर की उपस्थिति में यातायात पुलिस द्वारा पुलिस कर्मियों के ही हेलमेट नहीं

पहनने पर चालान काटे गए और पुलिस कर्मियों और आमजनों को यातायात के नियम पालन किए जाने की बात कही गई । आपको बता दे की इन दिनों यातायात पुलिस द्वारा 15 दिवसीय सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा अभियान चलाया जा रहा है। इसमें यातायात पुलिस द्वारा अलग-अलग स्कूल, कॉलेज और सार्वजनिक स्थलों में जाकर आम जनों को यातायात नियमों की जानकारी दी जा रही है और जो लोग यातायात नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं , उन पर यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर चालानी कार्रवाई की जा रही है । इसी अभियान के तहत 11 सितंबर को डीएसपी प्रतिष्ठा राठौर की उपस्थिति में यातायात पुलिसकर्मियों द्वारा पुलिस लाइन के गेट के सामने बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले वर्दीधारी पुलिस कर्मियों के भी चालान काटे गए और बिना हेलमेट पुलिस लाइन के अंदर गए, कुछ लोगों के खड़े वाहनों पर लाक लगाये जाने की कार्रवाई यातायात पुलिस के द्वारा की गई। इस कार्रवाई में प्रमुख रूप से डीएसपी प्रतिष्ठा राठौर , थाना प्रभारी दिनेश तिवारी , एएसआई गणेश राउत , संजय भगत, लखन कुशराम, अरविंद गुर्जर, श्रीकांत तिवारी सहित यातायात के अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

सड़क खराब खतरे में डाल रहे 'अनमोल जिंदगी'

सांसद जी, ध्यान दीजिए जान-जोखिम में डालकर पटरियां लांघ रहे विद्यार्थी

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। मेरा नाम शेख शाबिर है मैं वार्ड क्रमांक 12 छतेरा का निवासी हूं. मेरा नाम रोशनी गोड़गे है मैं छात्रावास में रहकर पढ़ाई करती हूं. मेरा नाम भविष्य पटले है और मैं सेलवा गांव का रहने वाला हूं. मेरा नाम विकास घुरसारिया है मैं कटंगी रहता हूं बड़गांव के एक सरकारी स्कूल में पढ़ाने जाता हूं. यह अलग-अलग 4 लोग है. इसमें शिक्षक, छात्र, छात्रा और आम आदमी शामिल है लेकिन इन चारों को हर दिन कटंगी से छतेरा-सेलवा की ओर जाने वाली रेलवे की एप्रोच रोड़ से गुजरने के दौरान एक ही तरह का दर्द होता है. मगर, उनका दर्द सुनने वाला कोई नहीं है. सत्ताधारी दल के सांसद और विधायक जनता के बीच कम और सोशल मीडिया में ज्यादा एक्टिव नजर आते है. यहीं वजह है कि क्षेत्र और जिले की जनता किन समस्याओं से गुजर रही है उसका इन नेताओं का आभास भी नहीं है. अगर, ऐसा ना होता तो शायद जनता को जिन परेशानियों से दो-चार ना होना पढ़ रहा है उनका निराकरण हो चुका होता. सांसद भारती पारधी को शायद यह बात नहीं मालूम होगी कि उनके जिले के कटंगी रेलवे स्टेशन को जोड़ने वाली एप्रोच रोड़ की हालत इतनी खराब है कि दर्जनों विद्यार्थी सड़क से आवागमन करने की बजाए अपनी अनमोल जिंदगी को दांव पर लगाकर मालगाड़ी के नीचे से आवागमन करने को मजबूर है। कटंगी से छतेरा-सेलवा होकर करीब दर्जन भर से अधिक गांवों को तहसील मुख्यालय से जोड़ने वाला रेलवे का एप्रोच मार्ग करीब 05 वर्षों से बदहाल पड़ा है. इस सड़क के निर्माण के लिए एक नहीं बल्कि कई बार दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर डीआरएम को ज्ञापन सौंपा गया और समय-समय पर सांसद को भी अवगत करवाया गया. नेता और अधिकारी एक सुर में जनता को यह आश्वासन देते रहे शीघ्र ही निर्माण होगा किंतु आज तक निर्माण नहीं हो पाया है जबकि रेलवे की एप्रोच सड़क के जिस हिस्से का एक वर्ष पहले ही निर्माण हुआ है. भारी वाहनों की आवाजाही से उसके भी धुर्रे उड़ने लगे है. एप्रोच रोड़ की हालत खराब होने की वजह से सर्वाधिक परेशानी स्कूली विद्यार्थियों को होती है. उन्हें साइकिल चलाने में काफी दिक्कतें होती है वह कई बार सड़क के गड्डों में गिरकर घायल और चोटिल हो चुकी है. ऐसे में बदहाल सड़क से आवागमन करने से बचने के लिए विद्यार्थी अपने नाजुक कंधों पर साइकिल लादकर पटरियां पार करते है. वही जब कभी पटरियों पर मालगाड़ी खड़ी हो जाए तो अपनी अनमोल जिंदगी को दांव पर लगाकर मालगाड़ी के नीचे से आवागमन करते है. ऐसा ही दृश्य गुरुवार को देखने को मिला. बड़ी संख्या में स्कूली विद्यार्थियों, आम राहगीरों को मालगाड़ी के नीचे से गुजरते हुए देखा गया। बता दें बारिश के बाद रेलवे की एप्रोच रोड़ पर सड़क तलाश करना मुश्किल हो गया था. हर जगह गड्डे ही गड्ढे हो गए थे जिससे दोपहिया और चार पहिया वाहनों को आवागमन करने में परेशानी हो रही थी. करीब सप्ताह भर पहले सेलवा निजी मैंगनीज खदान के एक वाहन ने गड्ढों की वजह से करवट ले ली. इस घटना के बाद सेलवा खदान से वेस्ट मटेरियल लाकर गड्डों में डाल दिया गया. बारिश के बाद वेस्ट मटेरियल कीचड़ और फिसलन में तब्दील हो गया है. जिससे समस्या और अधिक बढ़ गई है. सड़क खराब होने से हर दिन कोई ना कोई गिरकर चोटिल हो रहा है. बता दें कि छतेरा, सेलवा सहित अन्य गांवों के लोगों ने काफी लंबे वक्त तक कटंगी छतेरा-सेलवा मार्ग पर ओवरब्रिज बनाने की मांग की. उनकी इस मांग को रेल अधिकारियों ने तकनीकी समस्या का हवाला देते हुए अनसुना कर दिया और करीब 02 किमी. का एप्रोच रोड़ जिसमें एक अंडरब्रिज भी शामिल है उसका निर्माण करवाया गया. जितनी लंबाई में एप्रोच रोड़ बनकर तैयार हुआ उसमें निम्नस्तरीय कार्य होने के कारण उसकी हालत चंद महिनों में ही खराब हो गई और शाम होते ही इस मार्ग पर अंधेरा छा जाता है जिससे राहगीरों के साथ अनहोनी का खतरा बना रहता है। छतेरा निवासी शेख साबिर बताते है कि नैरोगेज के दौरान सिंगल लाइन थी ऐसे में केवल तीन कदम की दूरी में पटरी लांघकर कटंगी से छतेरा की जमीं पर आना-जाना हो जाता था. ब्रॉडगेज के बाद सब कुछ बदल गया. तीन कदम की दूरी तीन किलो की हो गई. अब फेरा लगाकर आना-जाना करना पड़ता है. सड़क की हालत इतनी खराब है कि हादसे का डर बना रहता है. छात्रावास में रहकर पढ़ाई करने वाली छात्रा रोशनी गोड़गे बताती है कि कटंगी स्टेशन में मालगाड़ी के हाल्ट होने के बाद साइकिल और पैदल चलने वाले लोगों को काफी दिक्कत होती है. उन्हें और उनके ही जैसी अन्य छात्राओं को मालगाड़ी के नीचे से आवागमन करना पड़ता है. जान का खतरा तो बना रहता है लेकिन मजबूरी है तो आवागमन करना ही पड़ता है. कुछ इसी तरह की बातें भविष्य पटले भी बताते है. भविष्य का कहना है कि अगर रेलवे ओवरब्रिज बना देता तो किसी को कोई परेशानी नहीं होती आवागमन भी सुलभ होता और कम समय में दूरी भी तय कर ली जाती. शिक्षक विकास घुरसारिया आपबीती बताते है वह कहते है कि हर दिन कटंगी से बड़गांव स्कूल जाते है. इसी साल बारिश के मौसम में रेलवे की एप्रोच रोड़ में करीब 5 से 6 बार गिरकर चोटिल हो गए. एक बाद मोबाइल भी पानी में गिरने की वजह से खराब हो गया. अभी रोड़ सूखी होने पर भी हादसों का खतरा बना रहता है. दरअसल, रेल अधिकारियों से लेकर सांसद की उपेक्षा के चलते कटंगी से छतेरा सेलवा के रास्ते पर ओवरब्रिज नहीं बन पाया और अब यहीं सब मिलकर एप्रोच रोड़ की हालत पर जनता को केवल गुमराह कर रहे है।

विनोबा भावे की जयंती पर एकता परिषद द्वारा विभिन्न मांगों को लेकर निकाली गई पदयात्रा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। वन अधिकार अधिनियम के अनुसार लंबित पट्टे और अन्य समस्याओं को लेकर एकता परिषद द्वारा विनोबा भावे की जयंती के अवसर पर देवटोला से कलेक्टर कार्यालय तक शांतिपूर्वक पैदल यात्रा निकाली गई , जिसके बाद परिषद के पदाधिकारी ने कलेक्टर कार्यालय के गेट पर पहुंचकर कलेक्टर के नाम डिप्टी कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा और बताया कि आज जल, जंगल, जमीन के अधिकार नहीं मिलने की वजह से उन्हें बहुत परेशानी आ रही है। उन्होंने अपनी स्थानीय समस्याओं को ज्ञापन के माध्यम से जिला प्रशासन के सामने रखा । आपको बता दे कि जिले में वनाधिकार पट्टे को लेकर, लगातार आवेदन आ रहे है, बावजूद अब तक प्रशासन ने उन, आवेदनों पर कोई निर्णय नहीं लिया है, इसी बीच गुरूवार को 13 दिसंबर 2005 से काबिज, बैहर और बिरसा के वनग्रामो में वनभूमि पर काबिज, आधा सैकड़ा से ज्यादा आदिवासी, एकता परिषद के बैनर तले कलेक्ट्रेट पहुंचे और कलेक्टर मृणाल मीणा के नाम ज्ञापन सौंपा। आदिवासियों की मांग है कि वनभूमि पर 2005 से काबिज दावेदार, को व्यक्तिगत दावा और निस्तार के लिए सामूहिक दावा के तहत वनाधिकार पट्टा दिया जाए तथा जिन लोगों को भू-अधिकार पत्र मिल चुका है और उनकी मृत्यु हो गई हो कानूनी वारसान को उसी भूमि पर फौती नामांतरण प्रक्रिया के तहत उसका नाम दर्ज किया जाए। 11 सितंबर को भू-दान आंदोलन के जनक विनोबा भावे की जयंती पर एकता परिषद ने वनाधिकार के व्यक्ति और सामूहिक दावो की मांग को लेकर, पैदल यात्रा निकाली थी। जिन्होंने कलेक्ट्रेट गेट पर प्रदर्शन किया। यही कारण रहा कि कलेक्ट्रेट से प्रशासनिक अधिकारी गेट पर पहुंचे और एकता परिषद का मांगपत्र लिया। एकता परिषद प्रतिनिधि सुरक्षालाल भोंडे ने बताया कि वनाधिकार पत्र के व्यक्तिगत और सामूहिक दावे ,आपत्ति का निराकरण करने की मांग को लेकर पहुंचे है। उन्होंने बताया कि 13 दिसंबर 2005 से वनभूमि में काबिज लोगों को उनका दावा मिलना चाहिए। उन्होंने बताया कि वह पैदलयात्रा करते हुए यहां पहुंचकर अपनी समस्या से प्रशासन को अवगत कराए है। यदि मांगो का निराकरण नहीं होता है तो आंदोलन की अग्रिम रणनीति तैयार की जाएगी।

पद्मश्री श्यामलाल गुप्त 'पार्षद' की मनाई गई जयंती

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। कटंगी शहर के वार्ड क्रमांक 14 में झंडा गीत के रचयिता पद्मश्री श्याम लाल गुप्त 'पार्षद' की 129 वीं जयंती मनाई गई. गुरुवार को मनोज गुप्ता के निवास पर श्री दोसर वैश्य शाखा ने जयंती समारोह के मौके पर उनके छायाचित्र पर माल्यार्पण किया. आयोजकों ने कहा कि 'विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा' गीत भारत की गौरव गाथा का प्रतीक है और इस गीत की रचना श्याम लाल गुप्त

ने कारावास में रहते हुए की थी. वह बचपन से ही देशभक्त थे और भारत की आजादी की लड़ाई में सक्रिय भूमिका निभाई थी. उन्होंने अपना गीत विजयी विश्व तिरंगा प्यारा उत्तर प्रदेश के फतेहपुर में आजादी के आंदोलन के दौरान लिखा. स्वाधीनता आंदोलन में भाग लेने के दौरान श्री गुप्त चोटी के राष्ट्रीय नेता मोतीलाल नेहरू, महादेव देसाई, रामनरेश त्रिपाठी और अन्य नेताओं के संपर्क में आए. स्वतंत्रता संघर्ष के साथ ही पार्षद का कविता रचना का कार्य भी चलता रहा. जयंती समारोह के दौरान मनोज गुप्ता, संजय गुप्ता, पंकज गुप्ता, अतुल गुप्ता, राकेश गुप्ता, सोमिल गुप्ता, विनय गुप्ता, मुन्ना गुप्ता, आशीष गुप्ता, गोपाल गुप्ता, वैभव गुप्ता, राजा गुप्ता, प्रतीक गुप्ता प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

पेड़ की डगाली में लटक रहे सांप ने युवक के सिर में काटा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले की बिठली पुलिस चौकी क्षेत्र में आने वाले ग्राम जानियाटोला के जंगल में पेड़ की डगाली में लपटे सांप एक युवक को काट दिया। सर्पदंश से पीडित युवक प्रदीप पिता मोहन यादव 24 वर्ष जानिया टोला निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदीप यादव मजदूरी करता है और अपने घर की भैंस चराने का भी काम करता है। 10 सितंबर को प्रदीप यादव अपने घर की भैंस जंगल में चराने ले गया था और जंगल में भैंस चराते चराते करीब 8 किलोमीटर दूर जंगल चला गया था। शाम 6-30 बजे करीब प्रदीप यादव भैंसों को चराकर वापस घर लौट रहा था। तभी गांव से कुछ दूर तेंदू के पेड़ के नीचे से गुजरते समय पेड़ की डगाली में लटके एक सांप ने प्रदीप यादव के सिर के पीछे काट दिया ।प्रदीप यादव ने फोन करके अपने परिवार वालों को बुलाया। परिवार के लोग जंगल पहुंचे और उसे में रोड पर लाये प्रदीप यादव को प्राइवेट वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

नेपाल के बेकाबू हालात में फंसे पशुपतिनाथ गये बालाघाट के यात्रियों की सांसद भारती पारधी ने की मदद

विदेश मंत्रालय से सम्पर्क कर नेपाल के दूतावास में की बात, सकुशल भारत पहुंचे वारासिवनी के नागरिक

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नेपाल में भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के बाद युवाओं में बढे आक्रोश उग्र हिंसक प्रदर्शन से नेपाल के हालात बेकाबू हैं, उग्र प्रदर्शन और हिंसा की घटना इतनी बयावह है कि युवा प्रदर्शनकारियों ने संसद तथा प्रधानमंत्री एवं राष्ट्र्पति के निजी आवास तक को आग के हवाले कर दिया वहीं मंत्रियों को तक पीटा जा रहा है ऐसे बेकाबू हालात और हिंसक प्रदर्शन के बीच वह श्रद्धालु यात्री भी फंस गये जो अटूट आस्था के केंद्र भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन करने नेपाल की राजधानी काठमांडू गये थे और इस सैकडों दर्शनार्थियों में बालाघाट जिले की वारासिवनी तहसील के 13 लोग भी शामिल थे जो नेपाल की यात्रा में गये थे और भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन कर अपने चैपहिया वाहन से भारत लौट रहे थे जिन्हें नेपाली सेना ने रक्सौल बार्डर पर रोक कर आगे जाने से मना कर दिया।

नेपाल की राजधानी के हिंसक हालात से भयभीत इन श्रद्धालुओं ने क्षेत्र के एक भाजपा कार्यकर्ता के माध्यम से बालाघाट-सिवनी सांसद भारती पारधी से सम्पर्क कर घटना की सारी जानकारी दी और सांसद श्रीमती भारती पारधी ने अचानक उत्पन्न हुए हालातों की गंभीरता को देखते हुए भारतीय विदेश मंत्रालय से सम्पर्क कर नेपाल में भारतीय दूतावास से सम्पर्क साधा और नेपाल बॉर्डर पर फंसे वारासिवनी तहसील के दर्शनार्थियों को नेपाल के रक्सौल बॉर्डर से सुनौली बॉर्डर पर पहुंचाया जहां से वे सकुशल भारत की सीमा के भीतर पहुंचे।

नेपाल के हिंसक कर्फ्यूग्रस्त माहौल में फंसे रहे नागरिक

देखा जाए तो नेपाल में हालात बेकाबू हैं, कर्फ्यूग्रस्त माहौल में भी हिंसक प्रदर्शन जारी है और ऐसे माहौल में वारासिवनी तहसील के 13 श्रद्धालु नागरिक फंसे थे और ऐसी स्थिति में नागरिकों की जानकारी मिलते ही सांसद भारती पारधी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए विदेश मंत्रालय के माध्यम से उन्हें भारतीय सीमा के भीतर पहुंचाया जो उनकी संवेदनशीलता का परिचायक है।

नेपाल में फंसे रहे वारासिवनी तहसील के 13 नागरिक

नेपाल की राजधानी काठमांडू में भगवान पशुपतिनाथ विराजमान है जहां बडी संख्या में भारतीय श्रद्धालु अटूट आस्था और विश्वास के साथ मनोकामना लिए उनके दर्शन करने पहुंचते हैं। इसी क्रम में 8 सितम्बर 2025 को बालाघाट जिले की वारासिवनी तहसील के पदमपुर, लडसडा,

डोंगरमाली, लिंगमारा, दीनी के 13 नागरिक जो कि अपने वाहन एमपी 50 बीसी 1686 से नेपाल के पशुपतिनाथ भगवान शिवजी के दर्शन करने पहुंचे थे और 9 सितम्बर को दर्शन के उपरांत उन्हें ज्ञात हुआ कि काठमांडू में हिंसक प्रदर्शन से हालात बेकाबू हो गए हैं, जब वे अपने वाहन से भारतीय सीमा की ओर आने के लिए निकले तो नेपाली सेना ने उन्हें रक्सौल बार्डर पर ही रोक दिया और आगे बढने नहीं दिया। तब उन्होंने ऐसे मुश्किल हालात में भाजयुमो ग्रामीण मंडल अध्यक्ष सतीश लिल्हारे के माध्यम से सांसद भारती पारधी से सम्पर्क साधा और सांसद ने विदेश मंत्रालय एवं नेपाल के भारतीय दूतावास से त्वरित कार्यवाही कराकर उन्हें 10 सितम्बर 2025 को सुनौली बार्डर पहुंचवाया जहां से वे भारत की सीमा के भीतर पहुंचे।

वारासिवनी के यात्रियों में डोंगरमाली से मनोज लिल्हारे, आनंद बनोटे, सुरेश अनकर, रमेश पटले, हेमराज लिल्हारे, पदमपुर से राजेन्द्र ठकरेले, लिंगमारा के किरेन्द्र डोहरे, संजय धुवारे, सुरेश कटरे, इंद्रकुमार ब्रम्हे, विनय कुमार, लखन डोहरे एवं ग्राम दीनी के दीवान हटवार शामिल हैं। जिन्होंने नेपाल से भारतीय सीमा में पहुंचने पर सांसद भारती पारधी का विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सांसद श्रीमती भारती पारधी के गंभीरता के साथ किए गए त्वरित प्रयास से ऐसे हालातों में ही हम यहां तक पहुंच पाये नहीं तो नेपाल के हिंसक हालातों से बाहर निकलने का कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा था।

विषम परिस्थिति में सांसद ने की मदद: सरपंच मनोज लिल्हारे

वारासिवनी तहसील से नेपाल के काठमांडू में भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन को गये यात्रियों में शामिल डोंगरमाली सरपंच मनोज लिल्हारे ने कहा कि 8 सितम्बर 2025 को सभी श्रद्धालु काठमांडू पहुंचे थे और मनोकामना देवी के दर्शन के बाद 9 सितम्बर की सुबह भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन किए। जिसके बाद जब अपने ठहरने के स्थान पर पहुंचे तो ज्ञात हुआ कि सारा काठमांडू जल उठा है और 9 सितम्बर की रात जैसे-तैसे लॉज में बिताई और 10 सितम्बर की सुबह जब भारतीय सीमा पर पहुंचने अपने वाहन से निकले तो सेना ने आगे जाने से रोक दिया। जिस स्थान पर रोका गया था वहां से कुछ ही दूरी पर प्रदर्शन हो रहा था, तभी यात्री उसी गेट पर पहुंचे जहां से वे नेपाल के भीतर आए थे। लेकिन नेपाली सेना ने भारत से 53 किलोमीटर पहले उन्हें हथौडा शहर में रोक लिया जहां बहुत भयभीत करने वाला माहौल था और वहां 4 घंटे बिताए और फिर भाजपा कार्यकर्ता के माध्यम से सांसद भारती पारधी से सम्पर्क कर सम्पूर्ण हालातों की जानकारी दी। तब सांसद ने भारतीय दूतावास से मदद करवाकर हमें सुनौली बार्डर पर पहुंचवाया और लगातार फोन से सम्पर्क में बनी रही और वहां से बकायदा दस्तावेजी अनुमति दिलाने के बाद हमें भारतीय सीमा में पहुंचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सरपंच मनोज लिल्हारे ने कहा कि हम सभी भारत सकुशल पहुंचे और इस बात के लिए सांसद भारती पारधी को धन्यवाद देते हैं जिन्होंने ऐसी विषम परिस्थिति में अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए साथ दिया।

प्रिंस यादव और स्वप्निल मर्सकोले को 3-3वर्ष की सश्रम कारावास-45 हजार रुपये अर्थदंड

मीत बिसेन को चाकू से मार कर गंभीर चोट पहुंचाने का था आरोप

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। विद्वान सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण की अदालत में दो आरोपी प्रिंस पिता शैलेंद्र यादव 20 वर्ष सिंधी कॉलोनी बालाघाट और स्वप्निल एल पिता वीर सिंह मर्सकोले 29 वर्ष दीनदयाल पुरम कॉलोनी बालाघाट निवासी को आरोपित अपराध में दोषी पाते हुए उन्हें तीन-तीन वर्ष की सश्रम कारावास की सजा सुनाई। दोनों आरोपी के विरुद्ध मीत बिसेन को चाकू से मार कर गंभीर चोट पहुंचाने का आरोप था। विद्वान अदालत ने इस मामले में आरोपी प्रिंस यादव को 25हजार रुपये अर्थदंड और आरोपी स्वप्निल मर्सकोले को 20 हजार रुपये अर्थदंड से भी दंडित किये है। अभियोजन के अनुसार 20 जून 2024 की रात्रि 9ः30 बजे प्रिंस यादव और स्वप्निल मर्सकोले गोंदिया रोड पर खड़े थे। तभी वहां से मीत बिसेन, स्वप्ननील को देखकर पुरानी रिपोर्ट की बात पर गाली देते हुए निकला था।इसी बात से गुस्सा होकर प्रिंस यादव और स्वप्निल मर्सकोले ने मीत बिसेन का पीछा किये और जान से से खत्म करने की योजना बनाई मीत बिसेन जिस गाड़ी में बैठा हुआ था। उसका पीछा करते हुए गुजरी बालाघाट पहुंचे जहां पर प्रिंस यादव और स्वप्निल मर्सकोले ने मीत बिसेन की गाड़ी को रोके, मीत बिसेन गाड़ी से कूद कर भागने लगा तो दोनों आरोपी ने मीत बिसेन को पकड़ लिया और उसे जहां से खत्म करने की नीयत से चाकू से उसके पेट पीठ गर्दन हाथ में वार कर दिए और भाग गए। बीच बचाव के बाद घायल मीत बिसेन को उपचार हेतु जिला चिकित्सालय बालाघाट पहुंचाया गया और जिला अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद उसे गोंदिया रेफर किया गया था। इस मामले में प्रिंस यादव और स्वप्निल मर्सकोले के विरुद्ध धारा 294 307 34 और 25(1-बी)(बी) के तहत अपराध दर्ज किया गया और इस अपराध में दोनों को गिरफ्तार किया गया थी। विवेचना अनुसंधान उपरांत अभियोग पत्र विद्वान अदालत में पेश किया गया । यह मामला विद्वान सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण की अदालत में चला। विद्वान अदालत ने मामले की समस्त परिस्थितियों को देखते हुए आरोपी प्रिंस यादव पिता शैलेंद्र यादव को धारा 325 /34 भादवि के तहत अपराध में 3 वर्ष का सश्रम कारावास 15 हजार रुपये अर्थ दंड, धारा 341 भादवि के तहत अपराध में तीन माह का कारावास 500 रुपये अर्थदंड , धारा 25(1-बी)(बी) आयुष अधिनियम के तहत अपराध मे 6 माह का कारावास और 500 रुपये अर्थदंड ।आरोपी स्वप्ननिल मर्सकोले पिता स्व. वीरसिह मर्सकोले को 325/ 34 भादवि के तहत अपराध में 3 वर्ष का सश्रम कारावास और 15 हजार रुपये अर्थदंड ,धारा 341 भादवि के तहत अपराध में तीन माह का कारावास और 500 रुपये अर्थदंड दंडित किया। इस मामले में शासन की ओर से लोक अभियोजक मदन मोहन द्विवेदी द्वारा पैरवी की गई थी।

स्नातक कक्षाओं की पूरक परीक्षा के फॉर्म 21 सितम्बीर तक भरे जाएंगे

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। राजा शंकर शाह विश्वकविद्यालय छिंदवाड़ा की 09 सितम्बवर को जारी अधिसूचना के अनुसार सत्र-2025 में कक्षा B.A., B.SC., BCOM. I & II YEAR. (NEP) REG.,PRIVATE.,EX, SUPP के परीक्षा फार्म बिना विलंब शुल्क में भरने की अंतिम तारीख 10 से 21 सितम्बद्धर तक घोषित की गयी है। इसके लिए छात्र छात्राओं से अपील की गई है कि वे अनिवार्य रूप से अपना परीक्षा आवेदन पत्र एम.पी.आनलाईन के माध्यम से भरें। निर्धारित तिथि में जो छात्र-छात्रायें परीक्षा आवेदन पत्र नही भरते है तो किसी प्रकार की परेशानी के लिये वे स्वयं जिम्मेदार होगें।

घर के अंदर 5 फिट का अजगर साँप मिलने से मचा हड़कंप

नगर के वार्ड नं 13 बूढ़ी का मामला, वन विभाग ने नही की मदद, डायल 112 की मदद से किया गया रेस्क्यू

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बीती देर रात नगर के वार्ड नं 13 बूढ़ी स्थित एक मकान में अजगर साँप मिलने से हड़कंप मच गया।जहां रात्रि करीब 1 बजे रिहायशी इलाके में, घर के भीतर बेडरूम में अजगर साँप दिखाई देने पर घर पर अकेली महिला घबरा गई और उन्होंने मदद के लिए शोर मचाना शुरू कर दिया।करीब 5 फिट के इस अजगर के रेस्क्यू के लिए वन विभाग को सूचना दी गई, लेकिन समय पर वनकर्मी नहीं पहुंचे पाये। इसपर सहमा हुआ परिवार भयभीत हो गया।तब उन्होंने डायल 112 पर कॉल किया तो नगर निरीक्षक विजयसिंह राजपूत ने इसपर गंभीरता दिखाई और डायल 112 टीम के साथ तुरंत ही मौके पर पहुँचकर अजगर सांप का रेस्क्यू कर उसे जंगल में सुरक्षित वातावरण में ले जाकर छुड़वा दिया।

सोने गई महिला को पलंग के पास दिखा था साँप

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के समता तालाब परिसर बुढ़ी से लगे रिहायशी इलाके में घनी आबादी है और यहां पर निवासरत एक मुस्लिम परिवार में पति-पत्नी और बच्चे है, बताया गया कि महिला अलीशा के पति किसी काम से बाहर गये हुये थे जबकि अलीशा घर में थी।जानकारी के अनुसार रात लगभग 1 बजे के दौरान अलीशा बेडरूम में सोने के लिये जा रही थी। तभी पलंग के पास उन्हें कुछ चमकता हुई दिखाई दिया, जो हरकत नहीं कर रहा था। बाद में देखा तो महिला पूरी तरह से सहम गई।जहा साँप होने का अहसास होते ही वहा बदहवास होकर मकान से बाहर निकली और शोर मचाने लगी।

सूचना मिलने पर भी नही आए वन विभाग के कर्मचारी

बताया गया कि जहरिले जीव जंतुओं का रेस्क्यू किया जाने के लिए वन विभाग में विशेष दस्ता तैनात किया गया है।जिनकी मदद के लिए कई बार लोग कॉल भी करते है लेकिन समय पर मदद ना मिलने से लोगों की जान का जोखिम भी बना रहता है। कुछ ऐसा ही नजारा बीती देर रात समता तालाब परिसर स्थित उक्त मकान में भी देखने को मिला। जहां बेडरूम के अंदर सांप दिखाई देने से घबराई उक्त महिला द्वारा वन विभाग के हेल्पलाईन नंबरों पर फोन कर ,अजगर सांप के बारे में बताया गया।लेकिन काफी देर इंतजार के बाद वन विभाग की टीम रेस्क्यू के नही पहुची।इससे वहां हताश हो गई। इसके बाद उनसे डायल 112 पर कॉल कर मामले की जानकारी दी गई।उधर कंट्रोल रूम से सूचना मिलने पर कोतवाली थाना प्रभारी विजयसिंह राजपूत ने टीम को मौके पर पहुंचने को कहा और यहां आकर उन्होंने अजगर सांप का रेस्क्यू करते हुए बोरी में बंद किया। तब जाकर महिला और आसपास के लोगों ने राहत की सांस ली। इधर रेस्क्यू करने के उपरांत नगर निरीक्षक ने उसे शहर के रिहायशी इलाके से बाहर जंगल में सुरक्षित तरीके से विचरण के लिये उक्त अजगर सांप को छोड़ दिया।

वन विभाग वाले नही आए तो डायल 112 से माँगी मदद- अलीशा

घटना को लेकर वार्ड नं.13 बुढ़ी निवासी अलीशा खान ने बताया कि उनका मकान समता तालाब के पास स्थित है और यहीं से ही अजगर सांप उनके घर में आ गया था। बेडरूम में साँप होने पर वह घबरा गई और मदद के लिये वन विभाग के हेल्पलाईन नंबरों पर कॉल कर उन्हें बेडरूम में साँप होने की जानकारी दी।लेकिन वन विभाग का कोई भी कर्मचारी साँप का रेस्क्यू करने नही आया।फिर डायल 112 की टीम से कहा तो उन्होंने हमारे यहां पहुंचकर सांप का रेस्क्यू किया है।जिसे पकड़कर बोरी में बंद कर ले गये।

साँप का रेस्क्यू कर जंगल मे छोड़ा गया है- किशोर बिसेन

डायल 112 में ड्यूटी कर रहे प्रधान आरक्षक किशोर बिसेन ने बताया कि महिला का फोन आने के बाद हम वहां पहुंचे थे और सुरक्षित तरीके से साँप का रेस्क्यू किया है।जिसे जंगल मे ले जाकर सुरक्षित छोड़ा गया है।

वन विभाग के कर्मचारी नही आए तो पुलिस टीम ने किया रेस्क्यू- विजय राजपूत

थाना प्रभारी विजय राजपुत ने बताया कि थाना कोतवाली 112 पर कॉल आया था कि बुढ़ी निवासी महिला के घर में अजगर सांप घर में घुस गया है, टीम मौके पर पहुंची यहां वन विभाग की टीम ना आने पर प्रधान आरक्षक एवं टीम ने हिम्मत दिखाते हुए सांप का रेस्क्यू किया और उसे जंगल में ले जाकर छोड़ा है।

आवारा मवेशियों की धरपकड़ के लिए सड़कों पर उतरी नपा की हांका गैंग

पिछले 03 दिनों में 23 आवारा मवेशियों को पकड़कर भेजा गया गौशाला, नगर में खल रही कांजीहाउस की कमी, वारासिवनी के कांजीहाउस भेजे जा रहे मवेशी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नगर में कांजीहाउस ना होने के चलते पिछले कुछ दिनों से नपा की सड़कों पर आवारा मवेशियों की संख्या काफी बढ़ गई है।जिससे राहगीरों को सड़क से आवागमन करने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। तो वही मवेशियो के झुंड और उनकी धमा चौकड़ी के चलते नगर की यातायात व्यवस्था रोजाना बिगड़ रही थी। जिसका संज्ञान लेते हुए नगर पालिका की हांका गैंग द्वारा आवारा मवेशियो की धरपकड़ शुरू कर दी गई है। जहां नपा की हांका गैंग द्वारा पिछले 03 दिनों से नगर की सड़कों पर घूम रहे आवारा मवेशियों को पकड़कर उन्हें वारासिवनी की गौशाला भेजने का कार्य शुरू कर दिया गया है।बताया गया कि आवारा मवेशियों के कारण रोजाना नगर की बिगड़ रही यातायात व्यवस्था को पटरी पर लाने और मवेशियों की धमा चौकड़ी से राहगीरों को राहत पहुंचाने के लिए नपा द्वारा यह कदम उठाया गया है।जिसमें 9 सितंबर से 11 सितंबर तक इन 03 दिनों में करीब 23 मवेशियो को पकड़कर वारासिवनी गौशाला पहुंचाया गया है।वही आगे भी यह कार्यवाही जारी रखने की बात कही गई है।

कार्यवाही के बावजूद भी, सड़कों पर बेखौफ छोड़े जा रहे मवेशी

नगर में पिछले 3 दिनों से आवारा मवेशियों के खिलाफ रोजाना कार्यवाही की जा रही है।जहां नगर में बिगड़ती यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए नगर पालिका की हांका गैंग, सड़क पर बेखौफ होकर घूम रहे आवारा मवेशियों को पकड़कर उन्हें गौशाला भेजने का काम कर रही है।हालांकि यह कार्रवाई रोजाना शुरू है बावजूद इसके भी पशु पालक अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं और वह रोजाना ही अपने मवेशियों को चरने के लिए आवारा सड़कों पर छोड़ रहे हैं।

इन मार्गों को मवेशियों ने बनाया अपना अड्डा

वैसे तो नगर के सभी मार्गो में आप इन आवारा मवेशियों को आराम फरमाते देख सकते हैं लेकिन शहर के बस स्टैंड, काली पुतली चौक ,मेन रोड, गुजरी, जय स्तंभ चौक, अम्बेडकर चौक,अस्पताल रोड, भटेरा चौकी, बूढ़ी मार्ग, वारासिवनी रोड,हनुमान चौक,सब्जी मंडी, सरेखा बायपास, व गोदिया रोड सहित नगर के विभिन्न चौक चौराहों व मार्गों पर इन दिनों आवारा मवेशियों का झुंड यातायात व्यवस्था को बाधित करता अक्सर नजर आता है जिससे राहगीर काफी परेशान है।

चालानी कार्यवाही करने पर आ सकता है सुधार

बताया गया कि यूं तो इन आवारा पशुओं ने सड़कों को ही अपना ठिकाना बना रखा है लेकिन पशुओं के इन ठिकानों ने वाहन चालकों की मुश्किलें काफी बढ़ा दी हैं ।कई जगह यह आवारा पशु वाहन के एकाएक सामने आ जाते हैं इस कारण वाहन चालक को अचानक ब्रेक लगाना पड़ता है जिससे दुर्घटनाओं की आशंका और अधिक बढ़ जाती है।आवारा पशुओं के जमघट के कारण शहर के विभिन्न चौक चौराहों व अन्य मार्गों पर यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो रही है।जिसे देखते हुए हांका गैंग ने सड़को पर उतरकर आवारा मवेशियो की धरपकड़ शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार नगर पालिका हाकागैंग प्रभारी ओम प्रकाश सेन एवं सुपरवाइजरो द्वारा शहर के मुख्य चौराहों - अंबेडकर चौक, हनुमान चौंक,काली पुतली चौक, जयस्तंभ चौक,कलेक्ट्रेट रोड आदि स्थान से रोजाना मवेशियो को पकड़कर गौशाला पहुँचाया जा रहा है।जहां 9 से 11 सितंबर तक इन 03 दिनों में 23 आवारा पशुओं को पकड़कर उन्हें वारासिवनी गौशालाओं में भेजा गया।बताया गया कि पशु मालिको पर चालानी कार्यवाही करने से इस अव्यवस्था में सुधार लाया जा सकता है।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र के युवाओं को रोजगार मुहैया करवाने पुलिस ने आयोजित करवाया रोजगार मेला

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नक्सल प्रभावित क्षेत्र के युवाओं को रोजगार मुहैया करवाने के उद्देश्य से बालाघाट पुलिस द्वारा एकल सुविधा केंद्र की पहल के तहत स्थानीय कनकी परिसर स्थित 36वी बटालियन में रोजगार मेले का आयोजन किया गया था । यहाँ 9 से 11 सितंबर तक तीन दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया । जिसमें पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा द्वारा बताया गया कि नक्सल प्रभावित क्षेत्र के युवाओं को

रोजगार मुहैया करवाने के उद्देश्य से इस मेले का आयोजन करवाया गया है। आपको बता दे की बालाघाट पुलिस शासन की मंशा अनुसार 2026 तक नक्सल समस्या और विचारधारा को खत्म करने में लगी है । जिसमें जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में युवाओं को रोजगार सहित उनकी प्राथमिक समस्या को पुलिस द्वारा सुना और समझ कर हल किए जाने का प्रयास किया जा रहा है । इसी क्रम में बालाघाट पुलिस द्वारा स्थानीय कनकी स्थिति 36 वी बटालियन के परिसर में 9 से 11 सितंबर तक रोजगार मेले का आयोजन किया गया था । मेले को लेकर पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने बताया कि बालाघाट पुलिस द्वारा एकल सुविधा केंद्र की पहल से इस रोजगार मेले का आयोजन किया गया है । इसमें नक्सल प्रभावित क्षेत्र के युवाओं को सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास करवाने के लिए इस मेले का आयोजन कराया गया है, ताकि आज नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बेरोजगार रूप से रह रहे , युवाओं को उनकी शैक्षणिक योग्यता के अनुसार काम दिया जाएगा । वह भी देश दुनिया में अपनी मेहनत से अच्छी नौकरी करेंगे , अपने घर परिवार के लिए सहायक साबित होगें । उन्होंने बताया कि इसके पहले भी कुछ युवाओं को बाहर की कंपनियां अपने साथ रोजगार देने लेकर गई थी एवं ऐसे बहुत से युवा है, जो आज बाहर नौकरी कर अपने घर और अपने माता-पिता का सपना पूरा कर रहे हैं। जिसमें प्रशिक्षण ले रहे कुछ युवक और उनके माता-पिता भी इस रोजगार मेले में पहुंचे, जहां अन्य युवकों को रोजगार मुहैया कराने के लिए प्रेरित किया गया ।

बोट्टा (बांदरी) की महिलाओं ने कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

शराब विक्रय करने वालों पर कार्यवाही एवं ग्राम को नशा मुक्त बनाने में सहयोग करने की मांग की

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 12 किमी. दूर ग्राम पंचायत बांदरी के अंतर्गत आने वाली ग्राम बोट्टा की नशा मुक्ति अभियान समिति के बैनर तले एक दर्जन से अधिक महिलाएं गुरूवार को तहसील कार्यालय पहुंचकर तहसीलदार को कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक के नाम ज्ञापन सौंपकर ग्राम में अवैध रूप से पक्की एवं कच्ची शराब विक्रय करने वालों पर कठोर कार्यवाही कर ग्राम को नशा मुक्त बनाने में सहयोग करने की मांग की है। आपकों बता दे कि बोट्टा (बांदरी) में कुछ लोग अवैध रूप से पक्की एवं क'ची शराब का विक्रय करते है। जिसके कारण ग्राम के युवा पीढ़ी के साथ ही बड़े लोग शराब पीने के आदि होते जा रहे है, जिससे ग्राम का माहौल खराब हो रहा है एवं परिवार के लोग बेहद परेशान है। वहीं जिस परिवार के लोग शराब का सेवन अधिक कर रहे है उनकी आर्थिक स्थिति भी खराब हो रही है। गत दिवस ग्राम को नक्शा मुक्त बनाने के लिए महिलाओं के द्वारा नशा मुक्ति अभियान समिति का गठन कर ग्राम में रैली निकालकर लोगों को नशा के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही जो व्यक्ति अवैध रूप से पक्की एवं कच्ची शराब का विक्रय करते है उनके घरों तक पहुंचकर उन्हे समझाईश दी गई है कि शराब का विक्रय न करें, नही तो कानूनी कार्यवाही की जायेगी। गांव में ही शराब विक्रय होने से युवा, बड़े लोग शराब पीने के आदि होते जा रहे है और दिनभर की कमाई करने के बाद शराब में पूरा रूपये खर्च कर देते है और नशे की हालत में परिवार के लोगों के साथ लड़ाई झगड़े करते है इसलिए शराब विक्रय बंद करें। वहीं समिति की महिलाओं की समझाईश के बाद भी 4 से 5 लोग अवैध रूप से शराब का विक्रय कर रहे है, जिससे परेशान नशा मुक्ति अभियान समिति की महिलाएं गुरूवार को तहसील कार्यालय पहुंचकर कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर शराब बेचने वालों पर कठोर कार्यवाही कर ग्राम को नशा मुक्त बनाने में सहयोग करने की मांग की हैं। वहीं शराब बेचने वालों पर कार्यवाही नही होने पर कठोर कदम उठाने की चेतावनी भी प्रशासन को दी है।

ग्राम को नशा मुक्त बनाना है - सुनिता

नशा मुक्ति अभियान समिति बोट्टा बांदरी की श्रीमती सुनिता नगपुरे ने बताया कि ग्राम में कुछ लोग अवैध रूप से शराब का विक्रय कर रहे है जिससे ग्राम का माहौल खराब हो रहा है। साथ ही युवा और ग्रामीणजन शराब पीकर लड़ाई झगड़े करते है, मना करने पर परिवार के लोगों को गंदी गाली-गलौच करते है जिससे उनके परिवार के लोग खासा परेशान है एवं समाज पर बुरा असर पड़ रहा है। श्रीमती नगपुरे ने बताया कि समिति के माध्यम से जो लोग अवैध रूप से पक्की एवं कच्ची शराब का विक्रय करते है उन्हे समझाईश दिये है कि शराब न बेचे। लेकिन वे हमारी बात नही मान रहे है और विवाद की स्थिति निर्मित करते है। अगर ग्राम में शराब विक्रय होते रहेगा तो पुरा ग्राम का माहौल खराब हो जायेगा इसलिए प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर शराब बेचने वालों पर कठोर कार्यवाही करने की मांग की है ताकि ग्राम को नशा मुक्त बना सके।

प्रशासन महिला समिति को करें सहयोग - व्यंकटराव

बांदरी सरपंच व्यंकटराव रहांगडाले ने बताया कि ग्राम बोट्टा में अवैध शराब विक्रय होने से बड़े, बुजुर्ग के साथ ही अब युवा वर्ग भी शराब का सेवन करने लगे है जिससे सबसे अधिक परेशान महिलाएं, बच्चें एवं उनके परिजन परेशान है। इसलिए ग्राम की महिलाओं ने गत दिवस नशा मुक्ति अभियान समिति का गठन कर ग्राम को नशा मुक्त बनाने का संकल्प के साथ काम कर रही है जिन्हे हमारा पुरा सहयोग मिलेगा। श्री रहांगडाले ने बताया कि गुरूवार को कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, सडीएम, तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर ग्राम को नशा मुक्त बनाने में महिला समिति को सहयोग करने एवं अवैध शराब विक्रय पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है और ग्रामीणजनों से भी अपील है कि नशा का सेवन न करें।

इन्होने की मांग

शराब बेचने वालों पर कार्यवाही एवं ग्राम को नशा मुक्त बनाने में सहयोग करने की शासन-प्रशासन से मांग करने वालों में ग्राम सरपंच व्यंकटराव रहांगडाले, सुनिता नगपुरे, शांता बाई, करिना मानेश्वर, पार्वती नागेश्वर, संगीता नागेश्वर, सुनीता नागेश्वर, वर्षा कावरे, कमला मानेश्वर, चंद्रकला पंचेश्वर, सकुन पंचेश्वर, गणेशी नागेश्वर, चंद्रकला नागेश्वर, योगिता पंचेश्वर, मालती नागेश्वर, कला पंचेश्वर, पलक पंचेश्वर, सरिता मानेश्वर, रोशनी नागेश्वर, मीरा डेहरे, ममता उइके, प्रभावंती नगिने, आशा नगपुरे, सुगन पंचेश्वर, शीला नागेश्वर, ज्ञानताबाई, प्रेमबत्ती नगपुरे, किरण माते, सोमबती उपवंशी, डुलेश्वरी पंचेश्वर, रीता कावरे सहित अन्य महिला व ग्रामीणजन शामिल है।

विराट त्रिशुल दीक्षा एवं शौर्य संचलन कार्यक्रम 14 को

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित राजाभोज जैविक प्राकृतिक कृषि उपज मंडी काम्पलेक्स परिसर में विश्व हिन्दु परिषद, बजरंग दल के तत्वाधान में 14 सितंबर को दोपहर 12 बजे से विराट त्रिशुल दीक्षा एवं शौर्य संचलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। तत्संबंध में जानकारी देते हुए बजरंग दल जिला सहसंयोजक निलेश चौधरी ने बताया कि महाकौशल प्रांत अंतर्गत विश्व हिंदु परिषद जिला बालाघाट के प्रखंड लालबर्रा में 14 सितंबर को बजरंग दल के तत्वाधान में विराट त्रिशुल दीक्षा एवं शौर्य संचलन कार्यक्रम का भव्य आयोजन गया है। कार्यक्रम के एक दिन पूर्व 13 सितंबर को विशाल बाईक रैली के माध्यम से नगर भ्रमण किया जायेगा एवं 14 सितंबर को दोपहर 12 बजे से राजाभोज जैविक प्राकृतिक कृषि उपज मंडी परिसर में सभी एकत्रित होगें तत्पश्चात पुरोहित जी के माध्यम से स्वस्तिवाचन एवं इस भव्य कार्यक्रम में पधारे क्षेत्र, प्रांत, विभाग, जिला पदाधिकारियों की उपस्थिति में त्रिशूल वितरण, सामूहिक संकल्प, उद्बोधन के माध्यम से दीक्षांत सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित किये जायेगें। इस अवसर पर विश्व हिन्दु परिषद, बजरंग दल के पदाधिकारी, सदस्य एवं क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील बजरंग दल जिला सहसंयोजक निलेश चौधरी ने की है।

माँ सतबहनी मंदिर में बैठक आज

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित माँ सतबहनी मंदिर में 12 सितंबर की रात 9 बजे से मंदिर समिति की बैठक आहुत की गई है। चर्चा में माँ सतबहनी मंदिर लालबर्रा के पदाधिकारी पवन नामदेव ने बताया कि आयोजित बैठक में शारदेय नवरात्र पर्व मनाने, कौन-कौन से कार्यक्रम आयोजित करना है, पर्व की तैयारी सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की जायेगी। इस अवसर पर माँ सतबहनी मंदिर समिति के पदाधिकारी, सदस्यगण, नवयुवक भंडारा समिति के सभी सदस्यों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील श्री नामदेव ने की है।

अमोली में सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति की हुई बैठक

बैठक में नवीन कार्यकारिणी का गठन कर कार्यक्रम की रूपरेखा पर की गई चर्चा

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली स्थित बजरंग मंदिर समिति में गत दिवस सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति की बैठक संपन्न हुई। यह बैठक समिति के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में नवीन कार्यकारिणी का गठन करने, पर्व पर कौन-कौन से कार्यक्रम आयोजित किये जायेगें सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा कर सर्वसम्मति से बालकरण पंचेश्वर को सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति अमोली का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसी तरह श्यामू यादव, विजय रजक को उपाध्यक्ष, जितेन्द्र पंचेश्वर को सचिव, ब्रजेश यादव को कोषाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया है। साथ ही बैठक में दुर्गोत्सव पर्व भक्तिभाव एवं धूमधाम से मनाया जायेगा और पर्व के दौरान विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये जाने का भी निर्णय लिया गया है। चर्चा में सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति अमोली के पदाधिकारियों ने बताया कि आगामी 22 सितंबर से शारदेय नवरात्र पर्व प्रारंभ होने वाला है, गत दिवस बैठक आयोजित कर नवीन कार्यकारिणी का गठन कर शारदेय नवरात्र पर्व की तैयारी, पर्व के दौरान होने वाले धार्मिक, सांस्कृतिक कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई है। साथ ही यह भी बताया कि शारदेय नवरात्र पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया जायेगा जिसकी तैयारी शुरू हो चुकी है और 22 सितंबर से शारेदय नवरात्र पर्व शुरू होने वाला है जिसके साथ ही नौ दिनों तक माता-रानी की आराधना की जायेगी। इस अवसर पर सचिन कुर्वे, रामकिशोर पंचेश्वर, बस्ता माते, दिलीप पंचेश्वर, परम मानेश्वर, दिनेश यादव, धन्नु फाये, किशोर फाये, जीतू फाये, राजेश सराठे, विजय सराठे सहित ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जिज्ञासु कीट पर शिक्षकों का एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित जनपद शिक्षा केन्द्र के सभाकक्ष में गुरूवार को जिज्ञासु कीट पर शासकीय माध्यमिक स्कूल में गणित एवं विज्ञान विषय पढ़ाने वाले शिक्षकों का एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न हुआ। यह कार्यशाला बीआरसी श्रीराम तुरकर एवं मास्टर ट्रेनरों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर मास्टर ट्रेनरों के द्वारा शासकीय माध्यमिक स्कूल में गणित एवं विज्ञान पढ़ाने वाले शिक्षकों को जिज्ञासु कीट के उद्देश्य के बारे में जानकारी देते हुए भौतिक शास्त्र के 30, गणित के 14, रसायन शास्त्र के 9 प्रयोगों का प्रदर्शन कर पाठयपुस्तक के अलावा प्रयोगों के माध्यम से बच्चों को पढ़ाने की विधि बताई गई और इस जिज्ञासु कीट के माध्यम से बच्चों को पढ़ाने पर बच्चों में प्रयोगों (प्रदर्शन) के माध्यम से उनमें पढ़ाई के प्रति नई सोच के साथ नया नवाचार होगा और उनका मनो विकास बढ़ेगा। इस तरह से अब स्कूलों में पाठ्यपुस्तक के अलावा जिज्ञासु कीट यानि की बच्चें के मन में किसी कार्य को करने के लिए जिज्ञासा उत्पन्न करने के लिए विषयवार प्रयोग का प्रदर्शन कर पढ़ाया जायेगा जिससे बच्चों में पढ़ाई के प्रति मन भी लगेगा और उनका बौध्दिक विकास भी होगा। इस एक दिवसीय कार्यशाला में लालबर्रा विकासखण्ड स्थित शासकीय माध्यमिक स्कूलों में गणित एवं विज्ञान विषय पढ़ाने वाले शिक्षकों को जिज्ञासु कीट के तहत किस तरह से दोनों विषय में बच्चों को पढ़ाना है उसके बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। जिसका प्रयोग कर शिक्षकगण स्कूलों में बच्चों को पढ़ायेगें ताकि उनके मन पाठयपुस्तक के कोर्स की पढ़ाई के साथ ही कुछ नया खोज करने की जिज्ञासा जाग्रत हो सके। यानि की जिज्ञासु कीट छात्र-छात्राओं को व्यावहारिक और इंटरएक्टिव तरीके से गणित, विज्ञान से जोड़ती है। जिससे सीखने की प्रक्रिया अधिक आनंददायक और प्रभावी होगी एवं उनमें अन्वेषण की भावना जाग्रत होगी। मास्टर ट्रेनर जितेन्द्रकुमार डहारे ने बताया कि जिज्ञासु कीट के तहत शासकीय माध्यमिक स्कूल में गणित, विज्ञान विषय पढ़ाने वाले शिक्षकों का एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित किया गया। जिसमें प्रयोगात्मक (प्रदर्शन) के माध्यम से ब'चों की जिज्ञासा को जाग्रत करने के लिए किस तरह से पढ़ाना है। उसके बारे में बताया गया है ताकि वे पाठ्यपुस्तक के अलावा ब'चों में नया नवाचार पढ़ाई के प्रति हो सके। इस अवसर पर शासकीय माध्यमिक स्कूल के विज्ञान, गणित विषय पढ़ाने वाले शिक्षक-शिक्षिकाएं, मास्टर ट्रेनर उपस्थित रहे।

सांदीपनी स्कूल में मेधावी विद्यार्थी हुए सम्मानित

ई-स्कूटी वितरण कार्यक्रम का दिखाया गया लाईव प्रसारण

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। मुख्यमंत्री ई-स्कूटी योजना के तहत नगर मुख्यालय स्थित सांदीपनी स्कूल लालबर्रा में 11 सितंबर को विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम शिक्षा समिति सभापति किशोर पालीवाल, समाजसेवी गिरीश पाठक, भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया, विधायक प्रतिनिधि शैलेष केकती, सुमित स्वामी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के प्रमुख आतिथ्य एवं स्कूल प्रभारी प्राचार्य सनत दुबे की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। आयोजित मुख्यमंत्री ई-स्कूटी योजना के तहत स्कूटी वितरण मुख्य समारोह कार्यक्रम भोपाल का लाईव प्रसारण प्रोजेक्टर के माध्यम से छात्र-छात्राओं एवं अतिथियों को दिखाया गया। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मेधावी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शासकीय हायर सेकेन्डरी स्कूलों की 12 वीं कक्षा में प्रथम स्थान अर्जित करने वाले छात्र-छात्राओं को नि:शुल्क स्कूटी प्रदाय योजना के तहत राशि प्रदाय की जाती है। इसी कड़ी में आज प्रदेशभर में स्थित शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल में कक्षा 12 वीं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले बालक-बालिकाओं को स्कूटी हेतु उनके खाते में राशि डाली गई है, सभी विद्यार्थी राशि का उपयोग कर स्कूटी खरीदी कर आगे की पढ़ाई कर अपने भविष्य को बेहतर बनाये। वहीं स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने सांदीपनी स्कूल लालबर्रा के मेधावी छात्र कृष्णा अजीत, छात्रा फिजा खान को स्कूटी योजना से लाभांवित होने पर प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपस्थित अतिथियों ने कहा कि प्रदेश सरकार छात्र-छात्राओं के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है और मुख्यमंत्री ई-स्कूटी योजना एक महत्वकांक्षी योजना है। जिसके माध्यम से शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल कक्षा 12 वीं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी बालक-बालिकाओं को स्कूटी प्रदाय की जाती है और आज लालबर्रा के सांदीपनी स्कूल के छात्र कृष्णा अजीत, फिजा खान के खाते में ई-स्कूटी के लिए उनके खाते में राशि आ चुकी है। उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते है और विद्यार्थियों से अपील है कि मन लगाकर पढ़ाई कर अपने लक्ष्य को प्राप्त करें। प्रभारी प्राचार्य सनत दुबे ने बताया कि प्रदेश सरकार के द्वारा कक्षा 12 वीं में स्कूल में टापर बालक-बालिकाओं को ई-स्कूटी योजना के तहत आज स्कूटी के लिए उनके खाते में राशि हस्तांरित की गई है। जिसका कार्यक्रम आयोजित कर भोपाल में आयोजित कार्यक्रम का लाईव प्रसारण छात्र-छात्राओं को दिखाया गया। श्री दुबे ने बताया कि हमारे विद्यालय से फिजा खान ने कृषि संकाय में प्रदेश के प्रावीण्य सूची में चौथा स्थान प्राप्त की थी जिसे एवं छात्र कृष्णा अजीत को प्रमाण पत्र देकर सम्मान किया गया है एवं शासन से स्कूटी के लिए उनके खाते में राशि डाली गई है। छात्र-छात्राएं आगे अच्छी पढ़ाई कर अपना भविष्य बेहतर बनाये। इस अवसर पर इस अवसर पर संजीव अवधिया, मुस्ताक खान, रामनाथ सोनी सहित शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नहर में डाली जा रही गंदगी से किसानों में आक्रोश

डाली जा रही गंदगी से किसानों को फलसो में होगा नुकसान

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी नगर के मध्य से गुजरने वाली ढूटी नहर में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। जिसके दोनों तरफ निवासरत लोगों के द्वारा घरों और दुकानों का कचरा नहर के किनारे डाला जा रहा है। तो वहीं घरों से निकलने वाले विभिन्न प्रकार के कचरा भी डाले जा रहे है जिसके कारण नहर में गंदगी बनी हुई है। इस गंदगी के कारण किसान काफी चिंतित नजर आ रहे है,क्योंकि नहर के पानी के साथ यह गंदगी उनके खेतों तक पहुंच रही हैं जो उनकी फसलो पर असर डालने के साथ पानी निकासी में रुकावट भी बनेगी। जिसको लेकर किसानों में आक्रोश है कि वर्तमान में खरीफ का सीजन चल रहा है जिसमें लोगों के द्वारा धान की फसल अपने खेतों में लगाई जा रही है। जिसके लिए पानी की आवश्यकता हर किसानो को हैं अधिकांश लोग नहर के ऊपर निर्भर रहते हैं। जिसको देखते हुए किसानों के द्वारा सिंचाई विभाग एवं नगर पालिका से गंदगी की सफाई कर गंदगी डालने के विषय पर प्रतिबंध लगाने की मांग की जा रही है। ताकि सब स्वच्छ पानी किसानों के खेतों तक पहुंच सके। यह माइनर वारासिवनी के लिए निकलती है जो आगे खैरलांजी तक जाती है। इस नहर के माध्यम से सैकड़ो एकड़ जमीन की सिंचाई की जाती है। जो नगर के वार्ड नंबर चार से होते हुए नगर के मध्य से सीधा मेहंदीवाड़ा के लिए गुजरती है। इस दौरान वार्ड नंबर चार से पीडब्ल्यूडी ऑफिस तक नहर में निवासरत लोगों के द्वारा घरों का कचरा खाली पॉलिथीन या सब्जी के छिलके सहित अन्य सामग्रियां डाली जाती है। वहीं दीप मोबाइल से लालकिवाडी तक नहर किनारे निवासरत मकान के कचरे तो डाले ही जाते हैं परंतु दुकानों से बड़ी संख्या में पॉलिथीन ,प्लास्टिक सहित अन्य खाद्य सामग्रियां डाली जाती है। जिसे नहर के दोनों छोर पर आसानी से देखा जा सकता है जबकि नगर पालिका के द्वारा कचरा गाड़ी आती हैं पर कचरा गाड़ी में कचरा ना डालते हुए या अपने प्रतिष्ठानों व घरों में कचरा एकत्रित नहीं किया जा रहा है। जिसके कारण नहर में गंदगी का स्तर बढ़ता ही जा रहा है। उक्त नहर की स्थिति सिंचाई विभाग से छुपी हुई नहीं है नहर से महज २०० मीटर की दूरी पर सिंचाई विभाग एसडीओ कार्यालय बना हुआ है। यह नहर दीनदयाल चौक से करीब ५० मीटर की दूरी पर बहती है। ऐसे में किसी भी कार्य के लिए उक्त विभाग के अधिकारी कर्मचारी यहीं से आना जाना प्रतिदिन करते हैं। उसके बाद भी उनके द्वारा उक्त स्थिति को नजर अंदाज करते हुए व्यवस्था बनाने पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जिसके लिए कई बार किसानों एवं नगर वासियों के द्वारा विभाग में शिकायत और अधिकारियों से मुलाकात भी की गई है। हालांकि वर्तमान तक इस ओर किसी के द्वारा ध्यान नहीं दिया गया है जो किसानों के लिए काफी चिंता का विषय बना हुआ है। जिनके द्वारा विभाग से उक्त गंदगी की सफाई कर गंदगी डालने पर प्रतिबंध लगाने की मांग की जा रही है।

सिचांई विभाग के द्वारा सफाई कर कचरा डालने में रोकथाम करना चाहिए- अमरदास गजभिये

अमरदास गजभिये ने बताया कि नहर की जो स्थिति है यहां पर सब्जी प्लास्टिक कागज पन्नी थर्माकोल जैसे विभिन्न प्रकार के कचरे डाल दिए गए है। यह नहर के पानी के साथ किसानों के खेतों तक निश्चित रूप से जाना है जिससे फसलों को नुकसान होगा और इस कारण लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रभाव पड़ेगा। सिंचाई विभाग को इस व्यवस्था में जल्द सुधार करना चाहिए वहीं नगर पालिका को लोगों को जागरूक करना चाहिए। वहीं ठोस कदम भी उठाने चाहिए जिस प्रकार हम अपने घर की सफाई करते हैं वैसे ही नहर को भी स्वच्छ रखना हमारा काम है। डिपार्टमेंट भी सही समय में काम नहीं करता हैं ,उन्हें पूरी व्यवस्था को दुरुस्त करना चाहिए वरना समस्या होगी। क्योंकि सिंचाई विभाग हर बार कहता है कि बारिश चालू हो गई है अगली बार देखेंगे । मेरे द्वारा यह स्थिति को देखा गया है हम लंबे समय से विभाग के कार्य को देखते आ रहे हैं,बस यही चाहते हैं की व्यवस्था दुरुस्त होनी चाहिए और कचरा डालने में रोकथाम की जानी चाहिए।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि नगर के मध्य से गुजरने वाली नहर के आसपास लोगों को पूर्व में भी समझाइए दी गई थी। किंतु यदि यही स्थिति है तो मौका निरीक्षण कर उक्त व्यक्तियों पर चालानी कार्रवाई की जाएगी और उन्हें कचरा गाड़ी में ही कचरा डालने के लिए समझाइस भी दी जाएगी।

सूर्यप्रकाश उके
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
वारासिवनी

नेशनल लोक अदालत का आयोजन १३ सितंबर को

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरण, बालाघाट प्रणेश कुमार प्राण के कुशल मार्गदर्शन एवं सतीश शर्मा सचिव ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट एवं विशेष न्यायाधीश वारासिवनी श्रीमती कविता इवनाती के निर्देशन में आगामी १३ सितंबर २०२५ को नेशनल लोक अदालत का आयोजन व्यवहार न्यायालय वारासिवनी में किया जा रहा है। नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में लंबित प्रकरण जैसे आपराधिक शमनीय प्रकरण, चेक बाउंस प्रकरण, बैंक रिकवरी प्रकरण, मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा प्रकरण, वैवाहिक प्रकरण, श्रम प्रकरण, भूमि अधिग्रहण के प्रकरण, विद्युत एवं जलकर, संपत्तिकर संबंधी प्रकरण एवं दीवानी मामले, राजस्व मामले एवं अन्य प्रीलिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण आपसी राजीनामा के माध्यम से किया जावेगा। नगर पालिका, नगर पंचायतों के प्रकरणों में आपसी राजीनामा के आधार पर एकमुश्त राशि पर अधिभार में नियमानुसार छूट प्रदान की जाती है। इसी प्रकार विद्युत विभाग के प्रकरणों के निराकरण पर भी एकमुश्त भुगतान पर अधिभार की राशि में नियमानुसार छूट प्रदान की जाती है। आपसी राजीनामा से प्रकरणों के निराकरण पर किसी पक्ष की हार नहीं होती, बल्कि दोनों पक्षों में आपसी भाईचारा बढ़ता है। मुकदमेबाजी पर हो रहे समय, श्रम व धन के व्यय की बचत होती है और व्यक्ति तनावमुक्त जीवन का आनंद प्राप्त करता है। अत: ऐसे इच्छुक पक्षकार जो अपने मामले का निराकरण लोक अदालत के माध्यम से कराना चाहते हैं, वह अपने अधिवक्ता के माध्यम से आपसी सुलह से संबंधित न्यायालय के प्रकरण का निराकरण करवाकर नेशनल लोक अदालत का लाभ उठाएं। अधिक जानकारी के लिए जिला स्तर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं तहसील स्तर पर तहसील विधिक सेवा समिति, के कार्यालय में कार्यालयीन समय पर उपस्थित होकर या मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के टोल फ्री नंबर १५१०० पर नि:शुल्क कॉल कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

भाजपा कार्यालय में सेवा पखवाडे के कार्यक्रमो के लिये आयोजित हुई कार्यशाला

जिले का दायित्व मिलने पर किशोर अमूले व रेखा गोखले का किया सम्मान

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। भाजपा नगर मंडल वारासिवनी के द्वारा जिले से निर्देशित तिथि अनुसार कार्यशाला का आयोजन स्थानीय भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में किया गया। जिसमें पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल , जिला उपाध्यक्ष किशोर अमूले ,जिला मंत्री श्रीमती रेखा गोखले की विशिष्ट उपस्थिति में कार्यशाला संपन्न हुई। जिसमें नगर मंडल की पूरी कार्यकारणी उपस्थित रही। कार्यक्रम के प्रारंभ में नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष किशोर अमूले एवं जिला मंत्री श्रीमती रेखा गोखले का सम्मान पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल के साथ भाजपा नगर मंडल की ओर से किया गया। पश्चात प्रदीप जायसवाल ने कार्यशाला को पार्टी के द्वारा दिये गये निर्देशो के अनुसार विस्तार से निर्देशित कर समस्त कार्यक्रमों को सफल बनाने की निति भी तैयार की। गौरतलब है की सेवा पखवाडे में भाजपा नगर मंडल के द्वारा रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, नमो मेराथन,विकसित भारत चित्रकला प्रतियोगिता, सांसद खेलकूद प्रतियोगिता सहित अन्य कार्यक्रम विशाल स्तर पर आयोजित किये जा रहे है। इस कार्यशाला में १७ सितंबर से २ अक्टूबर २५ तक सेवा पखवाडे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस से लेकर महात्मा गांधी की जयंती एवं लाल बहादुर शास्त्री, पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर विभिन्न कार्यक्रम करने की रूपरेखा बनायी गयी है। इस सेवा पखवाडे में विभिन्न कार्यक्रम किए जाने हैं। इस हेतु १४ सदस्य टोली एवं कार्यक्रम के प्रभारी, संयोजक, सहसंयोजक की नियुक्ति भी की गयी है। साथ ही जो बूथ अध्यक्ष सक्रिय नही थे उनके स्थान पर अन्य कार्यकर्ताओं की नियुक्ति की गयी है। इसी तरह बी एल ए की नियुक्ति के साथ बूथ स्तर पर टोली के गठन के लिए महत्वपूर्ण कार्यशाला संपन्न हुई। जिसमें अपेक्षित सदस्य शत प्रतिशत संख्या में उपस्थित हुए। नगर मंडल के समस्त पदाधिकारी एवं पार्षदों का सक्रिय सहयोग भी इस कार्यशाला को सफल बनाने में देखा गया। कार्यशाला में महामंत्री सुनील पिपरेवार एवं मंडल अध्यक्ष संदीप मिश्रा के द्वारा जिला कार्यालय बालाघाट में संपन्न हुई कार्यशाला के अनुसार विस्तृत एवं सारगर्भित जानकारियां प्रदान कर कार्यक्रम को संपादित किया गया।

ग्राम पंचायत डोंगरगांव में विधिक जागरूकता शिविर सम्पन्न

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। तहसील विधिक सेवा समिति वारासिवनी के तत्वाधान में ग्राम पंचायत डोंगरगांव में न्यायाधीश सुश्री नेहा बाथरी न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की अध्यक्षता में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त जागरूकता शिविर में उपस्थित ग्रामीणजन को विधिक सहायता से संबंधित नि:शुल्क अधिवक्ता योजना के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया। बताया कि कानूनी जागरूकता शिविरों को आयोजित करने का एकमात्र उद्येश्य कानूनी अधिकारों, संवैधानिक दायित्वों, कानूनी सहायता के लाभों पर सूचना प्राप्त करने का अधिकार और कानूनी सेवा प्राधिकरणों/समितियों के माध्यम से कानूनी सहायता तक पहुंचने की प्रणाली पर शिक्षा देना है। बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लगभग ७० प्रतिशत लोग शिक्षा से वंचित हैं, और इससे भी अधिक प्रतिशत लोग कानून के द्वारा प्रदत्त अधिकारों के बारे में जागरूक नहीं हैं। यहां तक कि साक्षर लोग भी नहीं जानते कि कानून के तहत उनके अधिकार और हक़ क्या हैं। कानूनी जागरूकता का यही अभाव इस देश में गरीब तबके के लोगों के साथ होने वाले धोखे, शोषण और अधिकारों और लाभों से वंचित रहने के लिये ज़िम्मेदार है, और जनता में जागरूकता पैदा करने के लिये ही कानूनी जागरूकता शिविर को एक उपयुक्त कदम बनाया गया है। उक्त जागरूकता शिविर में उपस्थित ग्रामीणजन को महिलाओं से संबंधित अधिनियमों, ग्रामीण क्षेत्र में विशेष तौर पर छोटी बच्चियों के साथ आए दिन होने वाली अनैतिक घटनाओं के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी देकर बनाए गए अधिनियम के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। उक्त जागरूकता शिविर में सरपंच श्रीमती दिव्या भगत, दीपक भगत प्रतिनिधि सहित समस्त ग्रामवासियों ने उपस्थित रहकर शिविर का लाभ उठाया।

सुपर १०० योजना अंतर्गत सांदीपनि विद्यालय के ३ विद्यार्थियों का हुआ चयन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। स्कूल शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश में प्रतिभाशाली बच्चों को श्रेष्ठ संस्थानों में प्रवेश की कोचिंग के लिए सुपर १०० योजना संचालित कर रहा हैं। कोचिंग के लिए चयनित बच्चों को स्कूल शिक्षा विभाग शासकीय सुभाष उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भोपाल और शासकीय मल्हार आश्रम उ.मा.वि.इंदौर में नि:शुल्क कोचिंग के साथ आवासीय सुविधा भी उपलब्ध करा रहा हैं। इस योजना के माध्यम से प्रदेश के अनेक बच्चों को देश के चयनित इंजिनियरिंग, मेडिकल, लॉ और मैनेजमेंट से जुड़े कॉलेजों में प्रवेश मिला है। इस योजना में प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में कक्षा १० वीं में अध्ययनरत् विद्यार्थियों का परीक्षा के माध्यम से चयन किया जाता है। चयनित बच्चों को नि:शुल्क छात्रावास सुविधा, आधुनिक प्रयोगशाला, स्मार्ट एवं वर्चुअल क्लासेंस और बच्चों को कैरियर काउंसलर की बेहतर व्यवस्था रहती है। सांदीपनि टिहली बाई शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय वारासिवनी से सत्र २०२५-२६ में विद्यालय के ३ प्रतिभावान छात्र/छात्राओं का चयन सुपर १०० योजना के अंतर्गत हुआ है। जिसमें कुशल पचौरी पिता रोहित पचौरी, कु. त्रिशा डहरवाल पिता झनकारसिंह डहरवाल एवं कु. पलक सेवईवार पिता खेमराज सेवईवार के चयन पर विद्यालय परिवार में उत्साह का वातावरण समाहित है। विद्यालय परिवार की ओर से चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की गई। जिसमें लखन रिनायत परीक्षा प्रभारी, श्रीमती वंदना शर्मा, विजय कुमार गजभिये, डेलेन्द्र मेश्राम, प्रवीण राणा, कमल टेंभरे , अमित डोंगरे एवं हिमांशु कटरे के द्वारा पुष्प गुच्छ देकर अभिनंदन किया गया।

TRISHA DAHARWAL
Dt. 02.07.2024

PALAK SEWAIWAR 11.06.2024

भारत का लोकतंत्र- चुनौतियों के बावजूद मजबूत

पिछले कुछ सालो में दक्षिण एशिया के देशों में भी जनता में गहरा असंतोष देखने को मिला है.. एक साल पहले श्रीलंका की जनता ने प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति को देश छोड़ कर भाग जाने के लिए मजबूर कर दिया था, और राष्ट्रपति भवन में क़ब्ज़ा जमा लिया था... यही बांग्लादेश में घटित हुआ, ऐसे ही पाकिस्तान में भी राजनीतिक अस्थिरता देखने को मिलती रहती है... कुछ ही साल पहले म्यांमार में भी तख्तापलट कर दिया गया था... अभी बीते कुछ दिनों से नेपाल के युवाओं में गहरा असंतोष देखने को मिला, वहाँ की सरकार ने इन्टरनेट बंद करके युवाओं के आंदोलन को कुचलने की नाकाम कोशिशे की लेकिन युवाओं ने नेपाल की संसद भवन को ही फूंक दिया.. एक ही दिन में प्रधानमंत्री को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ गया। नेपाल की सडकों में मंत्रियों को दौड़ा - दौड़ा कर पीटा.. सर्वदलीय बैठक में सामूहिक इस्तीफ़े देने के बाद देश को सुचारू रूप से चलाने की बात प्रधानमंत्री ने की.... सोचिए अगर नेपाल के प्रधानमंत्री इतने लोकतांत्रिक होते तो क्या नेपाल में ये स्थिति पैदा होती? बिल्कुल भी नहीं। नेपाल के प्रधानमंत्री के लिए ये कहावत फिट बैठती है कि जब चिड़िया चुग गईं खेत तो अब पछताए होत का पिछले एक दशक से देश में भाजपा की सरकार है, जिसे कांग्रेस सहित देश की अन्य पार्टियां तानाशाही सरकार कहकर संबोधित करती हैं। जब भी किसी देश में जनता के द्वारा या सैन्य तख्तापलट होता है तो हमारे देश में एक बहस चलने लगती है कि हमारे देश में ऐसे तख्तापलट हो सकता है क्या.. जिसका सीधा सा जवाब है कि भारतीय लोकतंत्र में ऐसा होना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है। नेपाल, अफ़गानिस्तान, श्रीलंका, जैसे देशों की तुलना भारत के लोकतंत्र के साथ नहीं हो सकती.... ये छोटे - छोटे मुल्क हैं, वहाँ ये सब हो जाना बहुत बड़ी बात नहीं है। वहाँ का क्षेत्रफल, जनसंख्या, समस्याएं भारत से बिल्कुल ही अलग हैं। छोटे - छोटे देशों में व्यवस्था परिवर्तन, सत्ता परिवर्तन जितना आसान होता है भारत जैसे देश में इतना आसान नहीं होता। नेपाल, बांग्लादेश जैसे देशों में भारत जैसे बहुराज्य नहीं है, हालांकि भारत में बहुत से राज्यों में विपक्ष की सरकारें हैं, जिससे ये नहीं कहा जा सकता कि पूरा देश सत्ता के हाथ में है दूसरा ये कि अन्य राज्य चुनावो में भाजपा हारती भी है, यही कारण है कि ऐसे मुद्दे हवा हो जाते हैं। भारत में सभी की अपनी अलग - अलग समस्याएं हैं। भारत में जहां अधिकांश लोगों को सरकार फ्री की रेवड़ी बांटकर पाल रही है, वहाँ जनता के पास सड़क पर उतरने का माद्दा नहीं है। भारत एक विशाल विविधता वाला देश है, इसलिए यहां कुछ संगठन सत्ता पर कब्जा नहीं जमा सकते... दूसरी बात यहां मार्शल लॉ की भी गुंजाइश नहीं है, पढ़िए नेहरू जी ने 1952 में ही इन्तजाम कर दिया था। भारतीय लोकतंत्र की प्राचीर बहुत मजबूत है वो झोंकों से कमज़ोर नहीं होगी...एक बात और ये जो आपको संविधान बदलने वाली बात कही जाती है वो सिर्फ़ एक जुमला है, भी एक जुमला है....विपक्ष जहां जीत जाता है,वहीँ द्द1द्ध का बहाना ध्वस्त हो जाता है..अभी कुछ दिनों पहले राहुल गांधी ने वोट चोरी कैसे होता है उसे समझाया था, की प्रेस कांफ्रेंस वाला मुद्दा अगर लोगों तक पहुंच गया तो जनता समझ पाएगी। इसी मुद्दे पर सरकार बैकफुट पर आ गई थी.. अभी कुछ दिनों पहले राहुल गांधी ने प्रेस कांफ्रेंस की थी वो ही सत्य है, दूसरी बात संविधान बदलने चुनाव न कराने जैसी गलतियां भारत में कभी नहीं हो सकतीं... वर्तमान सरकारी चला रहे लोगों को पता चल गया है कि व्यवस्था का फ़ायदा कैसे उठाते हैं... अगर आपको लगता है कि नेपाल जैसा भारत में होगा तो आप राजनीतिक रूप से अपरिपक्व हैं...हाँ इससे इंकार नहीं किया जा सकता कि भारत की सरकार मनमानी कर रही है, परंतु भारत की स्थिति नेपाल बांग्लादेश जैसे हो सकती है ये भारत में मुमकिन नहीं है। भारत का मीडिया सबसे ज्यादा भृष्ट है, यही कारण है कि देश के लोगों की राजनीतिक चेतना दिन प्रति दिन कम होती जा रही है... जिस वक़्त में देश की मीडिया के सशक्त होने की आवश्यकता थी, तब भारत का मीडिया सरकार एवं कार्पोरेट के सामने बिक गया है। सरकार से तमाम असहमति के बावजूद भी भारत के लोकतंत्र में निरंतर सुधार की कामना करना चाहिए, न कि तख्तापलट की कामना करना चाहिए।

नेपाल में भ्रष्टाचार व परिवारवाद के खिलाफ युवाओं के जबरदस्त आक्रोश को दुनियाँ के हर देश को संज्ञान में लेना जरूरी

नेपाल में पिछले कुछ दिनों में घटित राजनीतिक घटनाक्रम ने पूरे दक्षिण एशिया को हिला दिया है। भ्रष्टाचार और परिवारवाद से त्रस्त जनता, खासकर युवाओं के जबरदस्त आक्रोश ने मात्र 36 घंटे में सत्ता की गद्दी हिला दी। पाँच पूर्व प्रधानमंत्रियों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों ने स्थिति को और अधिक उग्र बना दिया। सत्ता पलट की इस तेज़ी ने यह संकेत दिया है कि नेपाल की जनता अब किसी भी कीमत पर अपारदर्शी शासन स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। जिस प्रकार आम लोग और युवा सड़कों पर उतरे, उसने यह साफ कर दिया कि दक्षिण एशिया में लोकतंत्र तभी जीवित रह सकता है जब वह जनता के विश्वास पर आधारित हो.नेपाल की कुल जनसंख्या का लगभग 20 प्रतिशत यानी 62 लाख लोग युवा हैं, और यही वर्ग देश की राजनीति का भविष्य तय करने वाला है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि वैश्विक स्तर पर भी यह बात स्पष्ट है कि, किसी भी देश का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी के हाथों में होता है। नेपाल के युवाओं ने इस बार भ्रष्टाचार और पारिवारिक राजनीति के खिलाफ अपनी ताकत दिखाकर पूरे विश्व को एक सशक्त संदेश दिया है कि अब युवा पीढ़ी नेपो बेबीस यानी नेताओं के बच्चों और वंशवाद की राजनीति को बर्दाश्त नहीं करेगी। युवाओं की इस ऊर्जा ने नेपाल की राजनीति को हिला कर रख दिया है और यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या जनरेशन-ज़ेड (गेन जेड) अब नेपाल का नया इतिहास लिखने जा रही है?

साथियों बात अगर हम नेपाल में हालात इस कदर हद तक बिगड़ बिगड़ने की करें तो, तीनों बड़ी पार्टियों,नेपाली कांग्रेस, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी और माओवादी सेंटर,के नेताओं के घरों मेंघुसकर लोगों ने मारपीट की, घरों को आग के हवाले कर दिया और वित्तमंत्री को सड़कों पर घसीटा गया। एक पूर्व प्रधानमंत्री के घर में आगजनी के दौरान उनकी पत्नी की मौत हुई तो उधर जनाक्रोश को और अधिक भड़का दिया। यह दृश्य केवल राजनीतिक विद्रोह का नहीं बल्कि व्यवस्था के खिलाफ पूर्ण असंतोष का प्रतीक है। युवाओं का यह क्रोध इस बात का संकेत है कि अब पारंपरिक राजनीति को बदलने का समय आ चुका है। साथियों बात अगर हम नेपाल की स्थिति की तुलना श्रीलंका और बांग्लादेश से करने की करें तो,जहाँ हाल के वर्षों में आर्थिक संकट और राजनीतिकअस्थिरता ने जनता को सड़कों पर ला दिया था। श्रीलंका में राष्ट्रपति भवन तक जनता का कब्जा, बांग्लादेश में चुनावी धांधली के खिलाफ आंदोलन और म्यांमार में सैन्य तख्तापलट ने दक्षिण एशिया की राजनीति को लगातार अस्थिर बना रखा है। अब नेपाल भी उसी राह पर चलते हुए सत्ता पलट की कगार पर पहुंच गया है। इसका सीधा संकेत है कि भ्रष्टाचार और परिवारवाद से जूझ रहे समाजों में युवा अब चुप बिल्कुल नहीं बैठेंगे। साथियों बात अगर हम नेपाल के इस पूरे घटनाक्रम में सोशल मीडिया की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होने की करें तो, नेपाल की लगभग 87 प्रतिशत आबादी मोबाइल इंटरनेट का उपयोग करती है, जबकि 62 प्रतिशत लोग सक्रिय रूप से फेसबुक का इस्तेमाल करते हैं। ट्विटर और यूट्यूब पर भी युवा लगातार अपने विचार साझा कर रहे हैं। नेताओं के बच्चों द्वारा सोशल मीडिया पर अपने आलीशान जीवन और लग्ज़री छुट्टियों की तस्वीरें पोस्ट करना आग में घी का काम साबित हुआ। जब देश की जनता महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से जूझ रही हो और नेता तथा उनके परिवार ऐशो- आराम की तस्वीरें साझा करें, तो यह जनता के लिए असहनीय हो जाता है। यही वजह है कि सोशल मीडिया ने जनाक्रोश को संगठित आंदोलन में बदल दिया।

साथियों बात अगर हम भारत के पड़ोस में यहराजनीतिक उथल- पुथल चिंता का विषय होने की करें तो,नेपाल बांग्लादेश,श्रीलंका म्यांमार और पाकिस्तान सभी वर्तमान में या तो राजनीतिक अस्थिरता से गुजर रहे हैं या सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया में हैं। म्यांमार में सेना का शासन है, पाकिस्तान में सरकार और सेना के बीच टकराव है, श्रीलंका अब भी आर्थिक संकट से जूझ रहा है, और बांग्लादेश में युवाओं के विद्रोह ने लोकतंत्र को झकझोर दिया है इन सबके बीच नेपाल का यह आंदोलन दक्षिण एशिया में एक नई लहर पैदा कर सकता है इतिहास की दृष्टि से देखें तो श्रीलंका,पाकिस्तान और म्यांमार कभी अखंड भारत का हिस्सा रहे थे। आज वे दक्षिण एशिया का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और सभी देशों में एक जैसी राजनीतिक चुनौतियाँ दिखाई दे रही हैं, भ्रष्टाचार बेरोजगारी, परिवारवाद, लोकतांत्रिक संस्थाओं की कमजोरी और युवा असंतोष। यही वजह है कि नेपाल की घटनाएँ केवल एक देश की समस्या नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र की राजनीति के लिए चेतावनी हैं।

साथियों बात अगर हम नेपाल के घटनाक्रम नेपाल में सत्ता पलट का भारत पर सीधा प्रभाव पड़ना स्वाभाविक होने की करें तो,भारत और नेपाल के बीच गहरे सांस्कृतिक, आर्थिक और भौगोलिक संबंध हैं। दोनों देशों की खुली सीमा, व्यापार, पानी और ऊर्जा परियोजनाएँ भारत को नेपाल के साथ मजबूती से जोड़ती हैं।यदि नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता बढ़ती है तो इसका असर भारत की सुरक्षा, सीमावर्ती क्षेत्रों की शांति और आर्थिक हितों पर अवश्य पड़ेगा। चीन और पाकिस्तान जैसे देश नेपाल में बढ़ती अस्थिरता का फायदा उठाकर भारत विरोधी गतिविधियों को प्रोत्साहित कर सकते हैं। इसलिए भारत के लिए यह आवश्यक है कि वह नेपाल की स्थिरता और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को समर्थन दे।

साथियों बात अगर हम युवाओं के जागरूकता की करें तो नेपाल का यह विद्रोह यह भी दर्शाता है कि दक्षिण एशिया के युवाओं में अब जागरूकता का स्तर काफी बढ़ चुका है। वे केवल भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र को पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए आगे आ रहे हैं। नेपो बेबीस और पारिवारिक राजनीति के खिलाफ उठी यह आवाज़ अब केवल नेपाल तक सीमित नहीं रहेगी,बल्कि बांग्लादेश,श्रीलंका, पाकिस्तान और यहाँ तक कि भारत में भी राजनीतिक वंशवाद के खिलाफ नई बहस को जन्म देगी।आगे चलकर नेपाल के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि यह जनआंदोलन केवल सत्ता पलट तक सीमित न रह जाए, बल्कि एक स्थायी और पारदर्शी व्यवस्था में बदल सके। यदि यह आंदोलन केवल भावनाओं के आधार पर चला और संस्थागत सुधारों तक नहीं पहुँचा, तो नेपाल बार-बार उसी राजनीतिक अस्थिरता का शिकार होगा जो पिछले तीन दशकों से जारी है। लेकिन यदि युवा इस ऊर्जा को सही दिशा देते हैं, तो नेपाल न केवल खुद को बदल सकता है बल्कि पूरे दक्षिण एशिया के लिए प्रेरणा बन सकता है।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि नेपाल में युवाओं का आक्रोश, सत्ता पलट और दक्षिण एशिया की राजनीति-एक अंतरराष्ट्रीय विश्लेषणविश्व मेँ युवा पीढ़ी ही अपनें देश की राजनीति का भविष्य तय करने वाली है नेपाल में भ्रष्टाचार व परिवारवाद के खिलाफ युवाओं के जबरदस्त आक्रोश को दुनियाँ के हर देश को संज्ञान में लेना जरूरी हैँ।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

पंजाब - बाढ़ के समय बांध से पानी छोड़ा जाना काल बन गया

भारत में बांधों को सिंचाई, बिजली और बाढ़ नियंत्रण का जरिया माना जाता है, लेकिन हालिया अनुभवों ने उनकी सीमाएँ उजागर कर दी हैं। हिमाचल और जम्मू-कश्मीर की बारिश से भाखड़ा, पौंग और रंजीत सागर बांधों से छोड़े गए पानी ने पंजाब को डुबो दिया। गलत संचालन और अनियोजित विकास ने बाढ़ आपदा को और गहरा कर दिया है। भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा बांध निर्माण करने वाला देश है, जिसमें 6000 से अधिक पूर्ण बड़े बांध हैं जो सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण, जलविद्युत उत्पादन, पेयजल आपूर्ति और मछली उत्पादन सहित कई उद्देश्यों की पूर्ति के लिए बांधों पर अत्यधिक निर्भर करता है। अध्ययनों से पता चलता है कि बांधों ने भारतीय नदी घाटियों में बाढ़ को कम भी किया और शुरू भी किया है। लेकिन वर्तमान और भविष्य की जलवायु परिवर्तन के दौर में बाढ़ को कम करने में बांध कितना प्रभावी होगा यह संदिग्ध है।हर बांध निचले इलाकों में बाढ़ को कुछ हद तक कम करने में मददगार साबित हो सकता है। यह तभी संभव है जब बांध का संचालन इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर किया जाए। हालांकि, जब बांध का संचालन इस उद्देश्य से नहीं किया जाता और पानी उपलब्ध होते ही उसे भर दिया जाता है, तो वही बांध निचले इलाकों में बाढ़ की ऐसी आपदा ला सकता है जिससे बचा जा सकता है। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में भारी मानसूनी बारिश ने रावी, सतलुज और ब्यास नदियों के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में पानी का सैलाब ला दिया। परिणामस्वरूप, रंजीत सागर, भाखड़ा और पोंग बांधों से भारी मात्रा में पानी छोड़ा गया, जिसने पंजाब के मैदानों को जलमग्न कर दिया। इन नदियों में आए उफान ने पंजाब के गुरदासपुर, अमृतसर, पठानकोट, तरनतारन, फिरोजपुर, फाजिल्का, कपूरथला और अन्य जिलों में तबाही मचाई। भाखड़ा, पोंग और रणजीत सागर बांधों का अगस्तङ्कसितंबर 2025 के दौरान संचालन के विश्लेषण से पता चलता है कि गलत संचालन और इन बांधों से कम जल विद्युत उत्पादन ने पंजाब में बाढ़ आपदा को और गंभीर बनाने में अहम भूमिका निभाई है। 2025 के दक्षिण-पश्चिमी मानसून के दौरान पंजाब में एक बार फिर यही हुआ है। ऐसा पहले भी कई बार हो चुका है, उदाहरण के लिए 1978, 1988 और 2023 में। साऊथ एशिया नेटवर्क ऑन डेम,रिवर एंड पीपुल्स के प्रमुख हिमांशु ठक्कर के विश्लेषण अनुसार 1 अगस्त तक, भाखड़ा बांध पहले से ही 53त्न भरा हुआ था। 19 अगस्त तक बांध में जल स्तर पहले से ही 1666 फीट पर था, जो पूर्ण जलाशय स्तर (एफआरएल) से सिर्फ 14 फीट दूर था और बांध पहले से ही 80प्रति. भर गया था। 3 सितम्बर की शाम तक 1678.45 फीट (बांध 93प्रति. भरा हुआ) तक पहुंच गया।1 अगस्त तक, पौंग बांध 60प्रति.से ज़्यादा भर चुका था और 18 अगस्त तक 85प्रति. भर गया था। पौंग बांध के गेट 3 अगस्त को या उसके बाद खोले जा सकते थे, जब बांध में जल स्तर 1365 फीट को पार कर गया था। अंततः, 29 अगस्त से 1 लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोडना पड़ा, जिससे हिमाचल प्रदेश और पंजाब के निचले इलाकों में भारी बाढ़ आ गई, क्योंकि तब तक 26 अगस्त को जल स्तर 1393 फीट को पार कर चुका था, जो कि पूर्ण जलाशय जल स्तर 1390 फीट से अधिक था। इस प्रकार पौंग बांध पंजाब में बाढ़ लेकर आया, जबकि पंजाब में भारी वर्षा हो रही थी। पंजाब में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है, जहां मरने वालों की संख्या बढ़कर 43 हो गई है।1,948 गांव जलमग्न हैं, जिससे 3.84 लाख लोग प्रभावित हैं। इनमें से 21,929 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है, जबकि 1.72 लाख हेक्टेयर (4.32 लाख एकड़) की फसलें नष्ट हो गई हैं। पंजाब पुनर्गठन अधिनियम 1966) की धाराएं (78, 79) गैर- रिपेरियन राज्यों जैसे हरियाणा और राजस्थान को भी पानी का हिस्सा देती हैं, जिससे भाखड़ा और पोंग बांधों में पानी पहले से ही जमा रहता है। इस वजह से ये बांध भारी बारिश आने पर फिर संतुलन खो देते हैं। पंजाब के सिंचाई मंत्री ने 24 अगस्त से रंजीत सागर बांध के संचालन के बारे में कहा कि जो हुआ वह बिल्कुल अप्रत्याशित था। किसी ने सोचा भी नहीं था कि यह ऐसा होगा। सारे आकलन उलट गए, हिमाचल की ऊपरी नदियों के साथ-साथ पठानकोट की ओर से भी पानी आ रहा था। इसलिए, जब ऊपरी इलाकों से बाढ़ का पानी नीचे आया, तो बांध से कम पानी छोड़े जाने पर भी, नीचे की ओर का सब कुछ वैसे भी डूब जाता। इसके अलावा, अगर बांध को कोई खतरा है, तो पानी छोड़ना ही होगा। बांध को खतरे में नहीं डाला जा सकता। यह पंजाब सरकार की स्पष्ट स्वीकारोक्ति है कि उन्होंने हिमाचल प्रदेश के ऊपरी इलाकों और पंजाब के पठानकोट में पहले से हो रही बारिश को ध्यान में नहीं रखा, जिसके कारण 27 अगस्त को अचानक बांध के गेट खोलने पड़े, जिससे पंजाब में बड़ी बाढ़ आपदा आई। तकनीकी समिति के सभी सदस्य, जिनमें केंद्रीय जल आयोग और संबंधित राज्य पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश (कभी-कभी भारतीय मौसम विज्ञान विभाग और पंजाब कृषि विभाग के व्यक्ति भी आमंत्रित किए जाते हैं) शामिल हैं, जो भाखड़ा और पौंग बांधों से पानी छोड़ने के बारे में निर्णय ले रहे थे, स्पष्ट रूप से भाखड़ा और पौंग बांधों के संचालन के लिए जिम्मेदार हैं। ये स्पष्ट है कि भारतीय मानसून असमान और अप्रत्याशित होता है। बांध प्रबंधन को यह तय करना मुश्किल हो जाता है कि कब पानी रोककर रखना है और कब छोड़ना है। गलत अनुमान बाढ़ का खतरा बढ़ा देता है।अगर मानसून की शुरुआत में जलाशय को पहले से लगभग भर दिया जाए, तो अचानक भारी बारिश के समय पानी रोकने की क्षमता नहीं बचती और ज़बरदस्ती बड़ी मात्रा में पानी छोड़ना पड़ता है, जिससे नीचे के इलाकों में बाढ़ और भी बढ़ जाती है।जब कई बांध एक ही नदी प्रणाली पर हों (जैसे सतलुज,ब्यास,रावी में), तो उनके संचालन में बेहतर तालमेल की ज़रूरत होती है। अक्सर यह समन्वय ठीक से नहीं हो पाता है। जहां ङ्क जहां बांध के दरवाजे खोले जा रहे हैं या फिर ज्यादा पानी जमा करने के लालच में खोले नहीं जा रहे, वहां - वहां पानी बस्तियों में घुस रहा है। इससे हुई संपत्ति का नुक़सान और लोगों की मौत का आकलन करें तो पाएंगे कि बांध महंगा सौदा साबित हो रहा है। एशियाई विकास बैंक के अनुसार भारत में प्राकृतिक आपदाओं में बाढ़ सबसे ज्यादा कहर बरपाती है। देश में प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले कुल नुकसान का 50 प्रतिशत केवल बाढ़ से होता है। मौजूदा हालात में बाढ़ महज़ एक प्राकृतिक आपदा नहीं रह गई है, बल्कि मानवजनित साधनों की त्रासदी बन गई है। पंजाब में अचानक आई बाढ़ का मुख्य कारण हिमाचल प्रदेश और पंजाब दोनों में अनियोजित आर्थिक विकास है। आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई इस वृद्धि ने पहाड़ी और मैदानी इलाकों में अंधाधुंध वनों की कटाई, नदियों पर बड़े बांधों का निर्माण, नदी तल, मौसमी नालों, जल निकासी चैनलों, तालाबों और अन्य जल निकायों पर अतिक्रमण और जल संसाधनों के रखरखाव में लापरवाही को बढ़ावा दिया है। इन सभी कारकों ने वर्तमान संकट को बढ़ावा दिया है, जो सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करता है। पंजाब में 2025 की बाढ़ ने साफ़ दिखा दिया कि बड़े बांध, जिन्हें अक्सर बाढ़ नियंत्रण के उपाय के रूप में प्रचारित किया जाता है, असलियत में इस भूमिका में ज़्यादातर असफल साबित होते हैं।

-राज कुमार सिन्हा

नोबेल पुरस्कार विजेता-महान वैज्ञानिक ,आइरीन जोलियट-क्यूरी

रेडियोकेमिस्ट आइरीन जूलियो-क्यूरी एक रेडियोलॉजिस्ट, राजनीतिज्ञ और दो प्रसिद्ध वैज्ञानिकों, मैरी और पियरे क्यूरी की पुत्री थीं। अपने पति, फ्रेडरिक के साथ, उन्होंने दुनिया के पहले कृत्रिम रूप से निर्मित रेडियोधर्मी परमाणु की खोज की, जिसने कई चिकित्सा प्रगति, विशेष रूप से कैंसर के उपचार में, का मार्ग प्रशस्त किया। उनके माता-पिता को भौतिकी का नोबेल पुरस्कार मिला था। आइरीन जोलियट-क्यूरी (12 सितंबर 1897 - 17 मार्च 1956) एक फ्रांसीसी रसायनज्ञ और भौतिक विज्ञानी थीं। 12 सितंबर 1897 को पेरिस में जन्मी इरेने, पियरे और मैरी क्यूरी की बेटी थीं और उन्होंने 1926 में फ्रेडरिक जोलियट से विवाह किया था। पेरिस में विज्ञान संकाय में अपनी पढ़ाई शुरू करने के बाद, उन्होंने प्रथम विश्व युद्ध के दौरान एक नर्स रेडियोग्राफर के रूप में काम किया। 1925 में, उन्होंने पोलोनियम की अल्फा किरणों पर एक थीसिस के साथ विज्ञान में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने प्राकृतिक और कृत्रिम रेडियोधर्मिता, तत्व रूपांतरण और नाभिकीय भौतिकी पर—या तो अकेले या अपने पति के साथ—महत्वपूर्ण कार्य किया। उनके संयुक्त शोधपत्र, जिसका शीर्षक था रेडियोधर्मी तत्वों का कृत्रिम उत्पादन। तत्वों के रूपांतरण की रासायनिक परीक्षा (1934), ने उनके अग्रणी शोध का सारांश प्रस्तुत किया जिसके परिणामस्वरूप उन्हें नोबेल पुरस्कार मिला। जोलियट-क्यूरी ने अपनी वैज्ञानिक पढ़ाई जारी रखी और 1927 में विज्ञान में डिग्री हासिल की। 1928 से उन्होंने अपने वैज्ञानिक प्रकाशनों पर संयुक्त रूप से हस्ताक्षर किए। अपने शोध के दौरान, उन्होंने बोरॉन, एल्युमिनियम और मैग्नीशियम पर अल्फा कणों की बौछार की, जिसके परिणामस्वरूप नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और एल्युमिनियम जैसे तत्वों के रेडियोधर्मी समस्थानिकों का निर्माण हुआ, जो सामान्यत: रेडियोधर्मी नहीं होते। इन खोजों ने प्रदर्शित किया कि कृत्रिम रूप से उत्पादित रेडियोधर्मी समस्थानिकों का उपयोग रासायनिक परिवर्तनों और शारीरिक प्रक्रियाओं का पता लगाने के लिए किया जा सकता है, जिससे सफल अनुप्रयोग संभव हो सके। उदाहरण के लिए, थायरॉयड ग्रंथि द्वारा रेडियोआयोडीन के अवशोषण की खोज की गई, और जीवों के चयापचय में रेडियोफॉस्फोरस (फॉस्फेट के रूप में) की पहचान की गई। इन अस्थिर परमाणु नाभिकों के निर्माण ने परमाणुओं के भीतर परिवर्तनों के अवलोकन की एक नई विधि प्रदान की। जोलियट-क्यूरी ने अपने अध्ययनों में न्यूट्रॉन और पॉजिट्रॉन के उत्पादन का भी अवलोकन किया; कृत्रिम रेडियोधर्मी समस्थानिकों की उनकी खोज ने परमाणु ऊर्जा के दोहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम चिह्नित किया। एनरिको फर्मी की विधि, जिसमें यूरेनियम विखंडन को प्रेरित करने के लिए अल्फा कणों के बजाय न्यूट्रॉन का उपयोग किया गया था, रेडियोधर्मी तत्वों को कृत्रिम रूप से बनाने के लिए जोलियट-क्यूरी द्वारा विकसित तकनीक का विस्तार थी। चूँकि वे अक्सर रेडियोधर्मी तत्वों को अलग करने के लिए लंबे समय तक काम करते थे, इसलिए वे अक्सर घर से अनुपस्थित रहते थे। परिणामस्वरूप, नन्ही आइरीन जूलियो-क्यूरी का पालन-पोषण उनके दादा यूजीन ने किया, जो एक सेवानिवृत्त चिकित्सक थे और जिन्होंने उनमें प्रकृति, कविता और क्रांतिकारी राजनीति के प्रति प्रेम का संचार किया। उनकी शिक्षा कुछ हद तक अपरंपरागत थी- एक छोटी लड़की के रूप में, उन्होंने अपनी माँ द्वारा संचालित एक सहकारी स्कूल में भाग लिया, जहाँ छह प्रोफेसर अपने बच्चों को भौतिकी और गणित से लेकर जर्मन और कला तक के विषय पढ़ाते थे। क्यूरी परिवार ने 1903 में प्रसिद्धि प्राप्त की, लेकिन उनका उत्थान जल्द ही त्रासदी में डूब गया। 1906 में, जब आइरीन आठ साल की थीं, पियरे क्यूरी की एक दुर्घटना में मृत्यु हो गई। इसके बाद मैरी क्यूरी ने अपनी बेटियों के साथ ज़्यादा समय बिताया—आइरीन की बहन ईव का जन्म पियरे की मृत्यु से 16 महीने पहले हुआ था—और समय के साथ, आइरीन अपनी माँ की विश्वासपात्र और समर्थक बन गईं। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान, जूलियो-क्यूरी ने प्रत्यक्ष रूप से देखा कि विज्ञान कैसे जीवन बचा सकता है। उन्होंने तुरंत अपनी माँ की सहायता करना शुरू कर दिया, जिनका मिशन घायल सैनिकों के शरीर में एक्स-रे का उपयोग करके छर्रे ढूँढ़ने में फील्ड सर्जनों की मदद करना था। 18 साल की उम्र में, जूलियो-क्यूरी ने मोबाइल फील्ड अस्पतालों में रेडियोलॉजी इकाइयों का प्रबंधन किया, नर्सों को एक्स-रे मशीन चलाने का प्रशिक्षण दिया और बेल्जियम में खुद भी एक एक्स-रे मशीन चलाई।1935 में, फ्रेडरिक और इरीन जोलियट-क्यूरी को नए रेडियोधर्मी समस्थानिकों के संश्लेषण के लिए रसायन विज्ञान का नोबेल पुरस्कार दिया गया। इसके बाद जोलियट-क्यूरी परिवार पार्क डी स्को के किनारे स्थित एक घर में रहने चला गया। वे केवल ब्रिटनी के पोएंटे डे लार्केट स्थित अपने घर जाते थे, जहाँ मैरी क्यूरी के समय से ही विश्वविद्यालय के परिवार एकत्रित होते रहे थे। 1950 के दशक में, इरीन के फेफड़ों के स्वास्थ्य के लिए, वे कोर्टशेवेल की पहाडियों में चले गए। 1937 में कॉलेज डी फ्रांस में प्रोफेसर नियुक्त हुए फ्रेडरिक ने अपने काम का एक हिस्सा विकिरण के नए स्रोतों को विकसित करने में समर्पित किया। उन्होंने

आर्कुइल-काचन और इवरी में इलेक्ट्रोस्टैटिक एक्सेलरेटर के निर्माण की देखरेख की, साथ ही कॉलेज डी फ्रांस में सात मिलियन इलेक्ट्रॉन-वोल्ट साइक्लोट्रॉन के निर्माण की भी देखरेख की—सोवियत संघ के बाद यूरोप में अपनी तरह का यह दूसरा साइक्लोट्रॉन था। इरेन ने अपना ज़्यादातर समय अपने बच्चों, हेलेन और पियरे, की परवरिश में लगाया। हालाँकि, वह और फ़्रेडरिक अपनी सामाजिक और मानवीय ज़िम्मेदारियों को लेकर भी ऊँचे आदर्श रखते थे। वे 1934 में सोशलिस्ट पार्टी में शामिल हुए और 1935 में कोमिटे डे विजिलेंस डेस इंटेलेक्चुअल्स एंटीफासिस्टेस (फासीवाद विरोधी बुद्धिजीवियों की सतर्कता समिति) में शामिल हो गए। उन्होंने 1936 में स्पेन में रिपब्लिकन कारण का समर्थन किया। इरेने 1936 की पॉपुलर फ्रंट सरकार में तीन महिलाओं में से एक थीं। वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए राज्य के उप सचिव के रूप में, उन्होंने जीन पेरिन के साथ मिलकर उस संस्था की स्थापना में मदद की जिसे बाद में राष्ट्रीय वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र (सेंटर नेशनल डे ला रीचेर्चे साइंटिफिक) बना। पियरे और मैरी क्यूरी ने उनके सभी कार्यों को प्रकाशित करने का वचन दिया था। जोलियट-क्यूरी ने कृत्रिम रेडियोधर्मी समस्थानिकों की खोज के लिए भी इस पद्धति का उपयोग किया। हालांकि, नाजीवाद के उदय और श्रृंखला प्रतिक्रियाओं से जुड़े खतरों के बारे में चिंताओं के कारण उन्होंने प्रकाशन बंद कर दिया उन्होंने चार्लोट स्कूल ऑफ इंडस्ट्रियल इलेक्ट्रिसिटी एंड लर्निंग लेबोरेटरी टेक्निक्स में अपने अध्यापन का खर्च अपने खर्च पर उठाया। उन्हें और उनके पति, फ्रेडरिक जोलियट-क्यूरी को कृत्रिम रेडियोधर्मिता की खोज के लिए 1935 में रसायन विज्ञान का नोबेल पुरस्कार दिया गया था। वे अपने माता-पिता के पदचिन्हों पर चलते हुए नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाले दूसरे विवाहित जोड़े थे, इस प्रकार क्यूरी परिवार की पाँच नोबेल पुरस्कार विजेताओं की परंपरा जारी रही। 1934 में, जोलियट-क्यूरी दंपत्ति ने एक अभूतपूर्व खोज की जिसने वैज्ञानिक इतिहास में उनका स्थान सुनिश्चित कर दिया। मैरी और पियरे क्यूरी द्वारा पृथक किए गए प्राकृतिक रेडियोधर्मी तत्वों के आधार पर, उन्होंने एक तत्व को दूसरे में रूपांतरित करने के कीमियागर के स्वप्न को साकार किया- उन्होंने बोरॉन से रेडियोधर्मी नाइट्रोजन, एल्युमिनियम से फॉस्फोरस के रेडियोधर्मी समस्थानिक और मैग्नीशियम से सिलिकॉन का उत्पादन किया। विशेष रूप से, उन्होंने w|Al + yHe ? x®P + vn अभिक्रिया के अनुसार, एल्युमीनियम के एक स्थिर, प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले समस्थानिक को अल्फा कणों (हीलियम नाभिक) से विकिरणित करके फॉस्फोरस का एक अस्थिर समस्थानिक बनाया। फॉस्फोरस का यह समस्थानिक प्राकृतिक रूप से नहीं पाया जाता है और एक पॉजिट्रॉन उत्सर्जित करके क्षय होता है। इस प्रक्रिया को पॉजिट्रॉन उत्सर्जन या बीटा क्षय के रूप में जाना जाता है, जहाँ एक रेडियोधर्मी नाभिक में एक प्रोटॉन न्यूट्रॉन में विघटित होकर एक पॉजिट्रॉन और एक इलेक्ट्रॉन न्यूट्रिनो मुक्त करता है। उस समय तक, चिकित्सा में रेडियोधर्मी पदार्थों का उपयोग बढ़ रहा था, और इस खोज ने रेडियोधर्मी पदार्थों के शीघ्र, सस्ते और बड़ी मात्रा में उत्पादन को संभव बनाया। 1932 में लेक्चरर नियुक्त होने के बाद, 1936 में इरेन जोलियो-क्यूरी को वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए राज्य के उप-सचिव के पद पर नियुक्त किया गया। वह कई विदेशी अकादमियों और कई वैज्ञानिक संस्थाओं की सदस्य थीं, कई विश्वविद्यालयों से उन्हें मानद डॉक्टरेट की उपाधि मिली थी और उन्हें लेजियन ऑफ ऑनर का अधिकारी भी बनाया गया था। वह 1937 में पेरिस में विज्ञान संकाय की प्रोफेसर बनीं और 1946 में रेडियम इंस्टीट्यूट की निदेशक। छह साल तक परमाणु ऊर्जा की कमिश्नर रहने के दौरान, इरेन ने इसके गठन और पहले फ्रेंच परमाणु रिएक्टर (1948) के निर्माण में हिस्सा लिया। उन्होंने ऑर्से में परमाणु भौतिकी के बड़े केंद्र की स्थापना में भी योगदान दिया, जिसके लिए उन्होंने योजना बनाई थी। इस केंद्र में 160 स्द्गद्ग का एक सिंक्रो-साइक्लोट्रॉन था, और इसके निर्माण का काम उनकी मृत्यु के बाद एफ. जोलियोट ने जारी रखा। 1935 में रसायन विज्ञान में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित होने पर उन्हें वैज्ञानिक समुदाय में प्रसिद्धि और पहचान मिली, और जोलियट-क्यूरी को विज्ञान संकाय में प्रोफेसर नियुक्त किया गया। 1948 में, परमाणु विखंडन पर काम करते हुए, जोलियट-क्यूरी और अन्य वैज्ञानिकों ने फ्रांस का पहला परमाणु रिएक्टर बनाया। जोलियट-क्यूरी दंपत्ति इस परियोजना के लिए ज़िम्मेदार संगठन, कमिसारीट ए लएनर्जी एटॉमिक (सीईए) का हिस्सा थे। इरेने सीईए की आयुक्त थीं और उनके पति, फ्रेडरिक, निदेशक थे। ज़ोए (ज़ीरो एनर्जी ऑक्सीडे एट औ लॉर्ड) नामक इस रिएक्टर में परमाणु विखंडन से पाँच किलोवाट बिजली पैदा की जाती थी, जिसने फ्रांस में परमाणु ऊर्जा के एक ऊर्जा स्रोत के रूप में शुरुआत की। वह महिलाओं की सामाजिक और बौद्धिक उन्नति में गहरी रुचि रखती थीं; वह कमिटी नेशनल डे लयूनियन डेस फेम फ्रेंच और वर्ल्ड पीस काउंसिल की सदस्य थीं। उनकी मृत्यु 1956 में पेरिस में हुई। रेडियोआइसोटोप तेजी से बायोमेडिकल रिसर्च और कैंसर के इलाज में एक बेहद उपयोगी उपकरण बन गया और लोग आज भी उन्हे कृत्रिम रेडियोधर्मी तत्व के आविष्कारक रूप में उनको याद करते हैं ऐसे ही उनकी माँ मैडम क्यूरी जैसी थी ।

-संजय गोस्वामी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। त्यौहारी मॉंग के मद्देनजर गुरूवार को किराना जिंसों में काजू बाजार तेजी के रहे। शक्कर सुस्त रही। खाद्य तेलों में सुस्ती कायम रही। दलहनों में लेवाली से उड़द बाजार मजबूत रहे। चना पूर्वस्तर पर रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार काजू में पूछपरख से बाजार तेजी के देखे गये। शक्कर सुस्ती पर रही। खाद्य तेलों में व्यापार की मात्रा कम ही रही। तिलहनों में सोयाबीन बाजार मजबूती बनाये रहे। दलहनों में लेवाली से उड़द में मजबूती देखी गयी। चना पूर्वस्तर पर रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4220-4240, खोपरा गोला 325-375, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-260, ऊंझा हल्का 270-275, मीडियम 280-290, बेस्ट 290-320, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारिक 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-770, गरबल 711-715, मटरदाना 830-835, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-780, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2600-2700, विरूद्ध नगर 2700-2800, मीडियम 2800-2900, बोल्ड 2900-3000, एक्ट्रा बोल्ड 3100-3200, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1750, बेस्ट1800-1900, तरबूज मगज 665-690, काजू (240) 950-980, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 870-900, काजू एस. डब्ल्यू 825-850, एस.एस. डब्ल्यू 800-825, जे.एच. 840-860, टुकड़ी 780-850, बादाम मगज 845-870, अमेरिकन 750-780, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3600-3700, (160) 4000-4100, (200) 4500-4700, (250) 4800-4900

तेल- सींगदाना 1340-1360, मुम्बई 1370, राजकोट तेलिया 2150, सोया साल्वेंट 1170-1175, सोया रिफाइंड 1235-1240, कपास्या 1290, धूलिया 1295, कड़ी 1290,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1320-1325, मुम्बई पाम 1270, मुम्बई सोया 1270,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2400, देवास-उज्जैन 2400, खंडवा-बुरहानपुर 2375, अकोला 3800 (प्रति क्विटल)

तिलहन- सरसो 7000-7100, रायडा 6600-6800, सोयाबीन 4500, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6100-6125, एवरेज 5800-5900, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशियन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6100-6150, एवरेज 6000-6050, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7700-8300, बोल्ड 8600-8800, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9000-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 320 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में चाँदी नरमी रही, जबकि सोने में तेजी देखी गयी। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 126400, चाँदी (99) 126300, टंच 125600, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 112000,

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गुरुवार को 31 पैसे की गिरावट के साथ ही 88.31 पर बंद हुआ। आज सुबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पांच पैसे कमजोर होकर 88.16 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। कारोबार की शुरुआत 88.11 पर हुई, लेकिन जल्द ही यह गिरकर 88.16 पर कारोबार करने लगा। बुधवार को रुपया चार पैसे की मजबूती के साथ 88.11 पर बंद हुआ था। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर पुन: बातचीत की उम्मीदें रुपये को सीमित दायरे में बनाए हुए हैं। निकट भविष्य में रुपया 87.50 से 88.40 के बीच रह सकता है। हालांकि, अमेरिकी डॉलर की वैश्विक मजबूती भी रुपये पर दबाव बना रही है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए सुखमय रहने वाला है। जीवनसाथी का आपको पूरा सहयोग मिलेगा और आप उनकी खूब केयर करेंगे। आप अपनी आय बढ़ाने के सोर्सो का कोई मौका हाथ से जाने नहीं देंगे, लेकिन निवेश आपको थोड़ा समझदारी से करना होगा। प्रॉपर्टी को लेकर कोई वाद विवाद चल रहा था, तो वह भी दूर होगा और फैसला आपके पक्ष में आ सकता है। परिवार में किसी सदस्य के विवाह प्रस्ताव पर मोहर लग सकती है।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए परोपकार के कार्यों से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। कार्यक्षेत्र में यदि कोई वाद विवाद की स्थिति उत्पन्न होगी, तो आप उसे अपने विचारों से सामान्य बनाने में कामयाब रहेंगे। आपके साथी से रिश्ते भी बेहतर रहेंगे। आप शौक मौज की चीजों पर अच्छा खासा खर्चा करेंगे। आपको इधर-उधर की बातों में पड़ने से बचना होगा। आप अपनी मेहनत से एक अच्छा मुकाम हासिल करेंगे, जिससे आपको खुशी होगी।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहने वाला है। आप अपनी मेहनत से एक अच्छा मुकाम हासिल करेंगे। संतान को पढ़ाई-लिखाई के लिए आप कहीं बाहर भेज सकते हैं। विदेशों से व्यापार कर रहे लोगों की कोई बड़ी डील मिल सकती है, जिससे उन्हें अपने व्यापार में कुछ नए लोगों को शामिल भी करना पड़ सकता है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए उन्नति की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। परिवार में छोटे बच्चे आपसे किसी चीज की फरमाइश कर सकते हैं। आपको जीवनसाथी की सेहत को लेकर थोड़ा सा सतर्क रहना होगा। आपका कोई विरोधी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकता है। आपको अपने पिताजी की कोई बात बुरी लगने से आपका मन परेशान रहेगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए नुकसानदायक रहने वाला है। आपको कोई काम बहुत ही संभालकर करना होगा। दूसरों के मामले में बोलने से आपको कोई टेंशन मिल सकती है। आप मित्रों के साथ किसी पार्टी आदि को करने की योजना बना सकते हैं। ससुराल पक्ष का कोई व्यक्ति आपसे मेल मुलाकात करने आ सकता है। आपको किसी से किए हुए बातें को पूरा करना होगा और आप अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति पर अच्छा खासा धन व्यय करेंगे।

कन्या- आज का दिन आपके लिए बेफिजूल के खर्चों पर रोक लगाने के लिए रहेगा। रोजगार को लेकर परेशान चल रहे किसी अच्छे अवसर को पाकर काफी खुश होंगे। परिवार में किसी नये मेहमान का आगमन हो सकता है, जो लोग किसी को पसंद करते हैं, वह उनसे अपने प्रेम का इजहार कर सकते हैं। आपकी वाणी की सौम्यता आपको मान सम्मान दिलवाएगी, लेकिन आपको किसी से मांगकर वाहन चलाने से बचना होगा।

तुला- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपके सहयोगी आपको कोई जिम्मेदारी दे सकते हैं। सरकारी नौकरी की तैयारी में लगे लोग किसी परीक्षा को देने जाएंगे। आपकी व्यवसाय में मन मुताबिक लाभ मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा, लेकिन आप अपनी आय और व्यय में संतुलन बनाकर चले, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। आपकी पद और प्रतिष्ठा बढ़ने से खुशी होगी। वाहनों का प्रयोग आप थोड़ा सावधान रहकर करें।

वृश्चिक- आज का दिन व्यापार में वृद्धि लेकर आने वाला है। कारोबार में आपको पार्टनरशिप में कोई काम करने से बचना होगा। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है, जिसके बाद आप अपने घर किसी तरह का पूजा पाठ का आयोजन कर सकते हैं। आपको किसी अनुभवी व्यक्ति का सहयोग मिलेगा। आपकी सोच समझ से काम पूरे होंगे। आपको अपनी कामों को लेकर योजना बनाकर चलना होगा और आपकी आय बढ़ने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

धनु- आज का दिन आपके लिए खर्चो से भरा रहने वाला है। सामाजिक कार्यों में आप बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। आपको किसी काम की वजह से अचानक अपने कामों में बदलाव करना पड़ सकता है। जिससे आपका डेली रूटीन बिगड़ेगा। आपको यदि कोई दिल से संबंधित समस्या हो, तो उसको लेकर आप किसी अच्छे डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें।

मकर- आज का दिन आपके लिए सफलता दिलाने वाला रहेगा। पारिवारिक जीवन में आपसी प्रेम और सहयोग आप पर बना रहेगा। भाई- बहनों से आपकी खूब पटेगी। जीवनसाथी के लिए आप कोई उपहार लेकर जा सकते हैं। आपके बिजनेस में धन को लेकर कोई काम रुका हुआ था, तो वह भी पूरा हो सकता है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आपकी सुख-सुविधाओं में वृद्धि होने से आपका मन काफी खुश रहेगा। आपके रहन-सहन के स्तर में भी सुधार आएगा। आप वैवाहिक जीवन में आप तालमेल बनाकर चलेंगे, जिससे आपकी साथी के साथ बॉन्डिंग अच्छी रहेगी। आपको यदि संतान के करियर को लेकर कोई टेंशन थी, तो वह भी दूर होते दिख रही है।

मीन- आज का दिन आपके लिए कुछ नई चुनौतियां लेकर आएगा, लेकिन आपको उनसे घबराने की आवश्यकता नहीं है। आप अपने बिजनेस में किसी के साथ पार्टनरशिप ना करें और अपनी आंख और कान खुले रखकर कामों को करें। जीवनसाथी को नौकरी में यदि समस्या आ रही थी, तो वह भी दूर होगी। आप अपने पुराने कार्यों को भी उतारने की पूरी कोशिश करेंगे और सेहत में उतार-चढ़ाव लगा रहेगा, जिसमें आपको लापरवाही नहीं करनी है।

शब्दजाल - 8018

ग	हु	मे	रि	सो	म	ना	थ	च	ट	र्जी
णे	खु	कु	प	इं	जी	ने	शि	या	ड़	नी
श	पी	जा	म	र	ग	बा	द	ह	प	ल
मा	ग	ए	पा	सिं	दू	स	ल	ह	लि	म
व	र	अ	सं	न	ह	ला	कि	यो	प	सं
ल	इ	वि	मो	ग	प	वा	शी	ह	गी	जी
न	जी	ल	रा	व	मा	जो	न	व	प	व
क	रि	भा	र	य	र	स	रा	ल	वि	रे
र	या	बा	तें	ह	न	ज	जी	शा	जू	ड्डी
र	ग	ल	नो	शि	व	रा	ज	पा	टि	ल
बां	स	म	प	ब	लि	रा	म	भ	ग	त

शब्द जाल में निर्वाचित 10 लोकसभा अध्यक्षों के नाम ढूंढिए.नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं.

गणेश मावलनकर, हुकुम सिंह, नीलम संजीव रेड्डी, बलिराम भगत, रवि राय, पी.ए. संगमा, शिवराज पाटिल, जी. बालयोगी, मनोहर जोशी, सोमनाथ चटर्जी

शब्दजाल - 8017 का हल

स	रा	जें	द्र	कु	मा	री	वा	ज	पे	यी
द	स	ल	प्रे	व	जी	स	द	ह	कां	रा
वि	स	रो	म	र	ज	नी	पा	ल	ख	म
शा	स	स	जि	दि	वा	स	ध	चं	श	दु
र	आ	र	ग	नी	ज	ना	तू	द्रा	झ	ला
दा	ल	ला	र	दि	ना	उ	ती	व	घ	री
मु	व	ग्रे	मी	या	प	य	ज	ती	व	सि
ख	एं	वा	ई	द	ब	क	डू	ए	श	न्हा
र्जी	ड	ल	कु	म	द	बे	न	जो	शी	आ
क	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द
वि	ज	य	ल	क्ष्मी	पं	डि	त	ब	प	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 6962

ऊपर से नीचे:-

१. अजय देवगन, आयशा जुल्का, करिश्मा कपूर की 'बेशक तुम मेरी मुहब्बत हो' गीत वाली फिल्म-३
२. 'मेरी छतरी के नीचे आजा' गीत वाली धर्मेन्द्र, आदित्य, नसीरूद्दीन शाह, सोनू वालिया, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
४. अशोक, प्रदीप, मीना कुमारी की 'दिल जो कह न सका' गीत वाली फिल्म-२,२
६. 'एक तो ये बैरी सावन' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
११. विश्वजीत, माला की 'रोकना है अगर रोक लीजे मगर' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'मुर्गी ने झूठ बोला' गीत वाली किशोरकुमार, साधना की फिल्म-४
१४. कंवलजीत, वहीदा की 'तुम अपना रंजोगम' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'गुरू' में नायक कौन था-३
१७. मनोजकुमार, नंदा, जया की 'पानी रे पानी तेरा रंग कैसा' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'सावन बरसता है तुझसे मिलने को' गीत वाली मिथुन, मीनाक्षी की फिल्म-४
२०. जीतेंद्र, रीना राय की 'तेरे हाथों में पहनाके चूड़ियां' गीत वाली फिल्म-२,३
२१. आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी की फिल्म-३
२४. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'हो जाता है प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'पानी पानी रे खारे पानी रे' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३

बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, माधुरी की 'सात सुरों के तार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चांदी की साइकल' गीत वाली गोविंदा, जूही चावला की फिल्म-२
५. अक्षय, करिश्मा की 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली फिल्म-३
७. नसीरूद्दीनशाह, जैकी, नगमा, शिल्पा की एक फिल्म-२
८. फिल्म 'जाल' की नायिका कौन थी-२
९. 'आयेगा आनेवाला' गीत वाली अशोककुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१०. फिल्म 'हीरा पन्ना' में देव आनंद के किरदार का नाम क्या था-२
११. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुलराय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१३. जैकी श्राफ, डिम्पल की 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
१५. दक्षिण की फिल्म 'थेवर मगन' किस भाषा में बनी थी?-३
१७. 'वीरू' 'जय' और 'बसंती' आदि किस सुपर हिट फिल्म के पात्र हैं-२
१८. 'दिल है प्यारे जरा' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'अनकही' के गीत 'आँखों में अनजाने' का गायक कौन है-२
२०. 'आते आते तेरी याद' गीत वाली संजयदत्त, अनिता की फिल्म-२,१,२
२२. अमिताभ, जीनत की 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली फिल्म-२
२३. फिल्म 'सलाखें' में नायक कौन था-२
२५. 'क्यूं ऑचल हमारा गिरा' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-२
२६. गीत 'दिल के अरमां आँसुओं में' की गायिका कौन है-३
२८. 'काट दिये नाम सब' गीत वाली फिल्म-३
२९. फिल्म 'रॉकी' की नायिका कौन थी-२
३०. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़ें' गीत वाली फिल्म-१
३१. 'सजना के सामने मैं तो गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 6961

अ	मृ	त		गु	म		दी		घा
क्ष		ह	म	ला		अ	दा	ल	त
	खे	ल		म	न		र		क
सं		का	का		गी	ता		जू	
घ	र		ज	मा	ना		श	ही	द
र्ष		मि	ल	न			र्मि		ट्रे
	ज्वा	ला		अ	ल	बे	ला		न
झु		प		भि		टा		औ	
म	र्द			मा	ला			जा	न
रू		अ	र्जु	न		पु	का	र	

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

12 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

६ मंगल, शुक्र ४, ३ गुरु, केतु सूर्य बुध ५, ७, ८, २, ११, राहु, चंद्र, ९, १ , १० , शनि १२

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.10 बजे से
चंद्र	मेष में	तुला	08.20 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	10.35 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	12.51 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	14.56 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	16.43 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.16 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.46 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.26 बजे से
		मिथुन	23.24 बजे से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		कर्क	01.38 बजे से
		सिंह	03.54 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 255 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण
तिथि पंचमी 09.59 बजे को समाप्त।
नक्षत्र भरणी 11.59 बजे को समाप्त।
योग व्याघात 13.44 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 09.59 बजे तदनन्तर गर 20.40 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 19.8 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 04° 09'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872465
जूलियन दिन 2460930.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रवि उलावल **तारीख** 19
विशेष षष्ठी श्राद्ध, मासिक कार्तिगाई।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: दार्शनिक का साहस

यह घटना उस समय की है, जब तैमूरलंग लोगों को पकड़कर अपना गुलाम बनाता फिरता था। वह उन्हें बेचने के लिए खुद ही मोलभाव भी करता था। लोग तैमूरलंग के अत्याचारों से परेशान थे और उससे बचने के लिए इधर-उधर भागते रहते थे। जैसे ही तैमूरलंग बाहर निकलता वैसे ही लोगों में भगदड़ मच जाती। ऐसे ही एक दिन वह लोगों को पकड़कर गुलाम बनाने के लिए निकला। उसे देखते ही हर ओर शोर मच गया। लोग इधर-उधर भागने लगे। तैमूरलंग के सैनिकों ने लूटपाट शुरू कर दी। इसी दौरान उसके सैनिकों ने अनेक लोगों को दबोच लिया और पकड़कर अपने साथ ले आए। उन्हीं लोगों में तुर्किस्तान के दार्शनिक अहमदी भी थे। तैमूरलंग ने दार्शनिक अहमदी की तरफदेखते हुए एक व्यक्ति की ओर इशारा किया और कहा, 'बताओ, पास में खड़े इस व्यक्ति की क्या कीमत होगी?' दार्शनिक अहमदी ने व्यक्ति को देखा और निर्भीकता से तैमूरलंग से बोले, 'यह शख्स काफी समझदार व शिक्षित मालूम पड़ता है, इसलिए इसकी कीमत चार हजार अशर्फी से कम नहीं हो सकती।' यह सुनकर तैमूरलंग ने और भी व्यक्तियों की कीमत अहमदी से पूछी। वे अपने अनुसार व्यक्ति को देखकर उनकी कीमत बताते रहे। तैमूरलंग को तभी न जाने क्या सूझा। उसने अहमदी से पूछा, 'अच्छा बताओ, मेरी कीमत क्या होगी?' तैमूरलंग का यह प्रश्न सुनकर उसके सभी सैनिक चौंक गए। वह सोचने लगे कि आखिर तैमूरलंग ने ऐसा क्यों पूछा। कहीं वह विक्षिप्त तो नहीं हो गया। दार्शनिक अहमदी ने प्रश्न सुनकर तैमूरलंग की ओर देखा और निर्भीकता से बोले, 'दो अशर्फी।' यह सुनकर गुस्से में गरजता हुआ तैमूर बोला, 'मेरी इतनी बेइज्जती। इतने पैसों की तो मेरी चादर है।' इस पर अहमदी बोले, 'बिल्कुल ठीक। यह कीमत मैंने तुम्हारी चादर की ही बताई है । तुम्हारे जैसे अत्याचारी शासक के लिए कोई एक धेला भी खर्च नहीं करेगा।' तैमूरलंग दार्शनिक अहमदी की निर्भीकता देखकर दंग रह गया और उसने उसी क्षण उन्हें बंधन मुक्त कर दिया।

सूडोकु नवताल- 7271

★★★✯✩ मध्यम

6	3	7		1	5	4		9
	8						2	
		1		4	8			6
	6			9	7	1		
7	2						5	3
		5	6	3			9	
5			8	2		3		
	4						7	
1		3	7	5		2	6	8

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7270 का हल

5	9	4	1	7	2	6	3	8
6	8	1	4	3	5	2	7	9
2	3	7	8	9	6	1	4	5
9	2	3	7	5	1	4	8	6
4	7	6	9	2	8	5	1	3
1	5	8	3	6	4	9	2	7
8	6	2	5	4	3	7	9	1
7	1	5	2	8	9	3	6	4
3	4	9	6	1	7	8	5	2

शब्द पहेली - 8486

बाएँ से दाएँ

1.इच्छा,मन्नत-2
3.आश्रय,शरण-3
6.ठाठ-बाट-2
8.प्रकार-3
10.आवरण-3
12.तीर्थ,धार्मिक यात्रा-3
14.ख्वाब,स्वप्न-3
17.घर,आवास-3
19.लोच-3
21.भस्म,खाक-2
23.निगाह,दृष्टि-3
25.संबोधन-2
26.देवर्षि-3
28.तिजोरी-3
30.तरंग,हिलोर-3
32.गुंडा,बदमाश-3
35.अनुकृति-3
37.नाप करना-3
39.थोड़ा-2
40.उल्टी,कै-3
41.मां के पिता-2

ऊपर से नीचे

1.सप्तम,सातवां-2
2.पृथ्वी,वसुंधरा-3
4.घ्राणेद्रिय-2
5.वासना,लालसा-3
7.खुमार,सरूर-2
9.रनिवास (उर्दू-3)
11.चतुर,तेज-3
13.थकावट-3
15.नृत्य करना-3
16.कुल,खानदान,वंश-3
18.पुराना जुकाम-3
20.कटि,शरीर का मध्यांग-3
22.ईमामदस्ता-3
24.नकद राशि,रोकड़-3
27.जलने की क्रिया-3
29.रवानगी,विदा होना-3
31.राशि,धन-3
33.आलेप करना, पोतना-3
34.रहस्य-2
36.बुरी आदत-2
38.अनेक प्रकार-2

शब्द पहेली -8485 का हल

श	ब		ता		य		लों	क
रा		ला	ल		श	ह		हा
ब	से	रा		सा		क	स	र
	ना		आ	स	रा		र	
अ	ना	मि	का		श	रा	फ	त
	य		र	ह	न		रो	
म	क	र		र		प्रे	श	र
लि		ज	मा		आ	स		स
न	र		न		म		आ	ना

Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को हल्की बढ़त के साथ ही बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों मिले-जुले संकेतों के बाद भी बैंकिंग और उर्जा शेयरों में खरीदारी हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 123.58 अंक बढ़कर 548.73 जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 32.40 अंक ऊपर आकर 25,005.50 पर बंद हुआ। निफ्टी पीएसयू बैंक 0.74 फीसदी और निफ्टी एनर्जी 0.88 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। निफ्टी फार्मा 0.46 फीसदी , निफ्टी मीडिया 1.02 फीसदी , निफ्टी पीएसई 0.98 फीसदी और निफ्टी मेटल 0.34 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। वहीं वाहन और आईटी शेयरों से भी बाजार पर दबाव बना। निफ्टी ऑटो 0.33 फीसदी और निफ्टी आईटी 0.50 फीसदी बढ़कर बंद हुए। आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप शेयरों भी उछला रहा। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 44 अंक बढ़कर 58,043.55 बंद हुआ। हालांकि, निफ्टी स्मॉलकैप 17,875.20 पर करीब सपाट रहा। सेंसेक्स पैक में एनटीपीसी, एक्सिस बैंक, पावर ग्रिड, भारती एयरटेल,

इटरनल (जोमैटो), सन फार्मा, एसबीआई, एशियन पेंट्स, टीसीएस, आईटीसी, अदाणी पोर्ट्स, टीसीएस और आईटीसी के शेयर लाभ में रहे। वहीं इन्फोसिस, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचयूएल, बीईएल, ट्रेंट और टाटा मोटर्स के शेयरों में गिरावट रही। बीएसई सेंसेक्स 200 से अधिक अंकों की गिरावट के साथ 81,217.30 पर खुला, लेकिन खुलने के बाद यह 135.96 अंक की बढ़त लेकर 81,561.11 पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी50 भी 24,945 पर खुला और जल्द ही 23.15 अंकों की तेजी के साथ 24,996 पर पहुंच गया। बाजार में सुधार की एक बड़ी वजह भारत और अमेरिका के बीच फिर से शुरू हुई व्यापार वार्ता रही। वहीं एशियाई बाजार में मिलाजुला रुख देखने को मिला। निवेशक चीन के अगस्त महीने के महंगाई आंकड़ों का आकलन कर रहे थे। चीन मेनलैंड का सीएसआई 300 इंडेक्स 0.13 फीसदी बढ़ा। जबकि हांगकांग का हैंगसेंग इंडेक्स 1 फीसदी गिर गया। दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 0.57 फीसदी बढ़ा जबकि जापान का निक्केई इंडेक्स 0.61 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। अमे ?रिकी बाजार- अमेरिकी बाजारों में एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.3 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड उच्च स्तर पर बंद हुआ। वहीं नैस्डैक मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ जबकि डॉव जोन्स में 0.48 फीसदी की गिरावट रही।

रूस से भारत को कच्चे तेल की आपूर्ति में इजाफा

नई दिल्ली। पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के दबाव के बावजूद रूस से भारत को कच्चे तेल की आपूर्ति नियमित और बढ़ती हुई बनी हुई है। केप्लर के वैश्विक शिपिंग डेटा के मुताबिक सितंबर के शुरुआती नौ दिनों में भारत को रूस से प्रतिदिन 15.5 लाख बैरल कच्चा तेल मिला, जो अगस्त के 14.9 लाख बैरल प्रति दिन से अधिक है। यह

स्पष्ट संकेत है कि भारत रूस से रियायती दरों पर तेल खरीदने में रुचि रखता है। भारत की प्रमुख सरकारी तेल रिफाइनर कंपनियां जैसे इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) रूस से कच्चे तेल की खरीद जारी रखे हुए हैं। इन कंपनियों का तर्क है कि रूस के तेल पर सीधे कोई प्रतिबंध नहीं लगे हैं, इसलिए वे इसका लाभ उठा रही हैं। केप्लर के रिफाइनिंग एंड मॉडलिंग के एक प्रमुख अधिकारी के अनुसार स भारत का सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता है, जो कुल आयात का एक तिहाई से अधिक हिस्सा देता है। यह प्रतिबंधों के बीच भारत की रूस से अधिकतम रियायती तेल हासिल करने की रणनीति को दर्शाता है। जुलाई में हुए सौदों के तहत तेल की आपूर्ति सितंबर की शुरुआत में हुई है, जबकि नए प्रतिबंधों का असर सितंबर के अंत या अक्टूबर से ज्यादा साफ नजर आएगा।

चीन के आश्वासन के बावजूद भारत को खनिज और मैग्नेट की आपूर्ति नहीं मिली

नई दिल्ली। भारत के वाहन और अन्य उद्योगों के लिए आवश्यक महत्त्वपूर्ण खनिजों और मैग्नेट की चीन से आपूर्ति अभी तक नहीं हो पाई है। चीन ने भारत को निर्यात प्रतिबंधों में ढील देने का आश्वासन दिया था, लेकिन घरेलू कंपनियों को अभी तक कोई सप्लाई नहीं मिली है। विदेश मंत्री वांग यी ने हाल ही में भारत दौरे के दौरान इस मामले में

सकारात्मक संकेत दिए थे कि ये खनिज वाहन, इलेक्ट्रॉनिक्स, मेडिकल और रक्षा उद्योगों के लिए अत्यंत जरूरी हैं। चीन ने 4 अप्रैल के बाद से इन सामग्रियों के निर्यात पर कड़े नियम लागू किए हैं। इन नियमों के तहत विक्रेताओं को निर्यात के लिए विशेष लाइसेंस लेना होता है, जिससे निर्यात प्रक्रिया जटिल और लंबी हो गई है। नए नियमों के अनुसार आयातकों को यह गारंटी देनी होती है कि सामग्री का दोहरा उपयोग या रक्षा से संबंधित उद्देश्य के लिए उपयोग नहीं होगा। इस प्रक्रिया में देरी के कारण सप्लाई में बाधाएं आई हैं, जिससे भारतीय उद्योग प्रभावित हुए हैं। चीन से आवश्यक खनिजों की सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए भारत राजनयिक स्तर पर वार्ता कर रहा है। जून में वाहन उद्योग ने सरकार के समक्ष चिंता जताई थी कि इन कच्चे माल की आपूर्ति में देरी से इलेक्ट्रिक वाहनों सहित वाहन निर्माण प्रभावित हो रहा है। सरकार और उद्योग इस मुद्दे के समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

विधायक राजकुमार कर्राहे ने ली विभागीय समीक्षा बैठक

सभी ग्रामों में निर्मित पानी टंकियों की सप्ताह भर में की जाएगी जांच

लांजी (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लांजी के सभाकक्ष में 11 सितंबर को विधायक राजकुमार कर्राहे, जिला पंचायत सदस्य दुलीचंद राजनीरे, जनपद सदस्य महेंद्र पटले, एसडीएम कमलचंद सिंहसार, सीईओ जनपद रामगोपाल यादव की प्रमुख उपस्थिति में विभागीय समीक्षा बैठक ली गई एवं विभिन्न कार्यो को लेकर दिशा निर्देश भी दिए गए। बैठक में प्रमुख रूप से पीएचई विभाग का मुद्दा छाया रहा। विगत दिनों थानेगांव की घटना को देखते हुए विधायक राजकुमार कर्राहे द्वारा सभी ग्रामों में निर्मित पानी टंकियों की जांच सप्ताह भर किए जाने के निर्देश दिए गए, साथ ही गुणवत्ताहीन पानी टंकियों की जानकारी उपलब्ध कराई जाने, नवीन टंकी का निर्माण जहां भी हो रहा है उनकी सतत मानिटरिंग किए जाने, जिस ठेकेदार द्वारा निर्माण किया जा रहा है यदि गुणवत्ता के आधार पर निर्माण नहीं होने पर तत्काल इसकी सूचना दी जाकर कार्य को बंद कराया जावे एवं ठेकेदार के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराएं। इसके साथ ही सभी ग्रामों में पाइप लाइन का कार्य पूर्ण करवाकर घर घर नल कनेक्शन प्रारंभ करवाने का कार्य किया जावे, तभी योजना को पूर्ण माना जावें। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के द्वारा आगामी 17 सितंबर से भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्म दिवस से लेकर 2 अक्टूबर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती तक एक विशेष अभियान स्वस्थ नारी संशक्त नारी अभियान चलाया जायेगा जिसके संबंध में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में लोक निर्माण विभाग को रजेगांव से लांजी एवं लांजी से आमगांव फोरलेन एवं लांजी से गाथापार तक फोरलेन का प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत किया जाने, कोटेश्वर मंदिर से चिलोरा तक सड़क मार्ग का प्राकलन तैयार किया जाने कहां गया। जल संसाधन विभाग को खराड़ी जलाशय एवं बाघ नहरों का जिर्णोद्धार का प्राकलन तैयार किये जाने एवं सिंचाई तालाब में झाड़ियां एवं नहर की साफ सफाई का भी प्राकलन तैयार किया जाकर कार्य कराने के निर्देश दिए गए। कृषि विभाग से कहा गया कि सोसायटियों में पर्याप्त मात्रा में रासायनिक खाद उपलब्ध हो, जिससे किसानों को खाद की कमी ना हो तथा उन्हें अधिक दामों पर खाद ना खरीदना पड़े। बैठक में उद्यानिकी विभाग, पशु चिकित्सा विभाग, शिक्षा विभाग, सहकारिता विभाग, वन विभाग, महिला बाल विकास विभाग सहित अन्य विभागों के कार्यो की समीक्षा की गई। बैठक में कैलाश पुरी गोस्वामी, सोहन उपराड़े, गौरव बैस, बीएमओ डॉ अक्षय उपराड़े, बीईओ प्रमोद भिमटे, पशु चिकित्सा विभाग डॉ प्रियांश वासनिक, एसडीओ पीडब्ल्यूडी सुखराम नेवारे, एसडीओ कृषि विभाग खुदीराम सनोडिया, एसडीओ पीएचई रविन्द्र हट्टेवार, आईटीआई पालडोंगरी प्राचार्य सेवकराम कुसराम, एसडीओ तारेन्द्र परते, लेखापाल शरणागत सहित विभिन्न विभागीय अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

स्वस्थ नारी संशक्त नारी अभियान अंतर्गत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर

लांजी (पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश शासन चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के द्वारा आगामी 17 सितंबर भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्म दिवस से लेकर 2 अक्टूबर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती तक एक विशेष अभियान स्वस्थ नारी संशक्त नारी अभियान चलाया जायेगा, जिसका शुभारंभ 17 सितंबर को लांजी विकासखण्ड के समस्त प्राथमिक, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं सिविल अस्पताल लांजी में शिविर लगाकार किया जायेगा। इसी कार्यक्रम के सफल संचालन एवं क्रियान्वयन हेतु 11 सितंबर को क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे की प्रमुख उपस्थिती तथा एसडीएम कमलचंद सिंहसार, सीईओ रामगोपाल यादव, बीएमओ अक्षय उपराड़े की उपस्थिती में बैठक का आयोजन किया गया है। बैठक मे विधायक कर्राहे के द्वारा इस अभियान को सफल बनाने के लिये सभी विभागों के आपसी समन्वय एवं व्यापक प्रचार प्रसार हेतु निर्देशित किया गया है। विधायक श्री कर्राहे के द्वारा समस्त हितग्राहियों को स्वास्थ्य जांच एवं उपचार हेतु स्वास्थ्य केन्द्रों में पंहुचाने के लिये एनआरएलएम, आंगनवाड़ी, स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमलो को जवाबदारी सौंपी गई है।

समस्त बालिकाऐं एवं महिलाऐं शिविर का लाभ अवश्य लेवे- अक्षय उपराडे

खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ अक्षय उपराड़े के द्वारा उक्त अभियान के विषय में जानकारी देते हुये बताया कि 17 सितंबर से विकासखण्ड के समस्त उपस्वाथ्य, प्राथमिक स्वास्थ्य एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सहित सिविल अस्पताल लांजी में स्वस्थ नारी सशक्त नारी अभियान के तहत शिविर का आयोजन किया गया है। इस शिविर में समस्त बच्चों का टीकाकरण, किशोरी बालिका की काउंसलिंग कर स्वास्थ्य जांच, एनीमिया जांच, गर्भवती महिलाओ की जांच एवं उपचार, उच्च जोखिम वाली महिलाओं की जांच एवं उपचार, प्रसुता महिलाओं की जांच एवं उपचार, बीपी सुगर, सिकल सेल एनीमिया, क्षय रोग, स्तन केंसर, ओरल केंसर जांच, सर्वाइकल जांच, आंखो की जांच, मोतियाबिंद की जांच व ऑपरेशन एवं सभी प्रकार के जांच एवं उपचार प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में किया जायेगा। बीएमओ अक्षय उपराड़े ने अपील की है सभी बालिकाऐ, महिलाऐं आवश्यक रूप से नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में पंहुचकर जांच एवं उपचार कराकर उक्त अभियान का लाभ अवश्य लेवे।

बहेला थानांतर्गत कटंगी के जंगल में मिला मानव कंकाल

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी पुलिस अनुभाग के बहेला थाना अन्तर्गत ग्राम कटंगी में 11 सितंबर को दोपहर करीब 12 बजे एक कंकाल दिखाई देने की

सूचना ग्रामीणों के द्वारा बहेला पुलिस को दी गई। बताया गया कि कुछ कुत्ते जंगल की ओर से एक कंकाल को खींचते हुये दिखाई दिये, जिससे कि क्षेत्र में सनसनी फैल गई, कुत्ते यह किस मानव का कंकाल खींच रहे है। जैसे ही यह खबर ग्राम में पसरी एवं इसकी सूचना बहेला पुलिस को दी गई एवं कुत्तों के कब्जे से उक्त कंकाल को छुडाया गया। बहेला पुलिस के द्वारा मौके पर पंहुचकर कंकाल को अपने कब्जे मे लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बहेला पीएम हेतु लाया गया तथा संभवतः विष्रा प्रीजर्व किया गया होगा। यह भी ज्ञात हुआ कि बालाघाट एफ एसएल टीम भी मौके पर पंहुची थी जिनके द्वारा फोरेंसिक जांच की गई है। बताया जा रहा है यह मानव कंकाल किसी महिला का है जिस पर बहेला पुलिस जांच कर रही है।

क्या किसी महिला की गई हत्या

महिला का कंकाल मिलने के पश्चात यह जांच का विषय बन गया है कि आखिर यह कंकाल किस महिला का है क्या वह बहेला थाना अन्तर्गत निवासी है या आस पास के अन्य ग्राम या पडोसी राज्य की कोई निवासी है। पुलिस सभी बिन्दूओं पर जांच करेगी तथा आस पास के थानो में गुमशुदगी की भी जांच पुलिस के द्वारा की जावेगी। यह भी हो सकता है कि विगत दिनो बहेला थाना क्षेत्र अन्तर्गत बाढ़ आई थी आस पास में कही श्मशान घाट से पानी की बाढ़ के चलते उक्त कंकाल बहकर आया होगा सभी तरह की कवायदे लगाई जा सकती है। लेकिन पुलिस जांच के उपरांत ही सच्चाई ज्ञात हो पायेगी की आखिर कंकाल किस महिला का है और कैसे ग्राम कटंगी जंगल में आया। बहेला पुलिस मर्ग कायम कर सभी पहलुओ पर जांच कर रही है।

नवनिर्मित कारंजा पुल की सड़क में धंसा मालवाहक ट्रक

बड़ी दुर्घटना टली, निर्माण की गुणवत्ता पर सवालिया निशान

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी आमगांव मार्ग पर ग्राम कारंजा में हाल ही में निर्मित पुल की सड़क पर एक गंभीर हादसा होते-होते बच गया। एक मालवाहक ट्रक सड़क की कमजोर संरचना के कारण बुरी तरह फंस गया, जिससे पुल के निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब बारिश का मौसम शुरू होते ही पुल और उससे जुड़ी सड़क की कमियां उजागर होने लगी हैं। स्थानीय निवासियों और यातायात उपयोगकर्ताओं ने इस मामले में प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में कोई बड़ी अनहोनी न हो। घटना 10 सितंबर की शाम करीब 7 बजे की है, जब लांजी से आमगांव की ओर कुकस ले जा रहा एक मालवाहक ट्रक क्रमांक सीजी 04 जेडी 3908 नवनिर्मित पुल से जुड़ी सड़क पर फंस गया। ट्रक का एक तरफ का हिस्सा सड़क की साइड में धंस गया, जिसमें चार पहिए पूरी तरह से मुरूम (मिट्टी-बजरी मिश्रित सामग्री) में फंस गए। सड़क का यह हिस्सा डामर और गिट्टी से बना हुआ था, लेकिन बारिश के कारण इसमें कमजोरी आ गई थी। ट्रक चालक की सूझबूझ और उस समय कम यातायात होने के कारण कोई बड़ा हादसा टल गया। चालक सुरक्षित बच गया, लेकिन ट्रक को निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटनास्थल के ठीक सामने एक सूखा पेड़ खड़ा था, जिससे ट्रक की दूरी मात्र कुछ फीट थी। यदि ट्रक की गति तेज होती या कोई अन्य वाहन आ जाता, तो स्थिति और भी विकट हो सकती थी। ट्रक को निकालने के लिए स्थानीय लोगों की मदद ली गई, और 11

सितंबर की दोपहर 2 बजे तक ट्रक से सारा माल खाली कर लिया गया। अब ट्रक को सड़क से हटाने का कार्य जारी है, लेकिन इस घटना ने क्षेत्र के यातायात को प्रभावित किया है।

पुल का निर्माण और गुणवत्ता

कारंजा पुल का निर्माण हाल ही में पूरा हुआ है, लेकिन अभी तक इसका आधिकारिक लोकार्पण नहीं हुआ है। पुल पर न तो कोई लोकार्पण पट्टिका लगी है और न ही कोई सूचना बोर्ड, जो निर्माण की तिथि, ठेकेदार या जिम्मेदार विभाग की जानकारी देता हो। पुल को सड़क से जोड़ने वाला हिस्सा %पैच वर्क% के रूप में बनाया गया था, जिसमें गड्ढों को गिट्टी और अन्य सामग्री से भरा गया। हालांकि, बारिश शुरू होते ही इसकी कमजोरी सामने आ गई। सड़क में जगह-जगह गड्ढे बनने लगे, और सामग्री बहने से सड़क की मजबूती कम हो गई। स्थानीय निवासियों का कहना है कि पुल का निर्माण कार्य ठेकेदार द्वारा किया गया था, लेकिन लोक निर्माण विभाग द्वारा गुणवत्ता जांच में लापरवाही बरती गई। पहली ही बारिश में सड़क धंसने लगी, यह स्पष्ट संकेत है कि निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग किया गया। ऐसी घटना के पीछे मुख्य कारण निर्माण में उपयोग की गई घटिया सामग्री, अपर्याप्त डिजाइन और बारिश से पहले की गई अपूर्ण तैयारी हो सकती है। लांजी-आमगांव मार्ग एक महत्वपूर्ण ग्रामीण सड़क है, जिससे रोजाना सैकड़ों वाहन गुजरते हैं, जिसमें मालवाहक ट्रक, बसें और निजी वाहन शामिल हैं। यदि समय रहते मरम्मत नहीं की गई, तो यह मार्ग दुर्घटनाओं का केंद्र बन सकता है इस मामले ने स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। लांजी तहसीलदार और जिला प्रशासन को इसकी सूचना दे दी गई है, लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक जांच या मरम्मत कार्य शुरू नहीं हुआ है। स्थानीय निवासियों ने मांग की है कि प्रशासन तत्काल पुल और सड़क की गुणवत्ता की जांच कराए और जिम्मेदार अधिकारियों व ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई करे।

मनेरी संकुल शाला में व्याख्याता भोजराज लिल्हारे की सेवानिवृत्ति पर हुआ भावपूर्ण सम्मान समारोह

लांजी (पद्मेश न्यूज)। शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मनेरी में व्याख्याता भोजराज लिल्हारे की सेवानिवृत्ति (31 अगस्त 2025) के अवसर पर जनशिक्षा केंद्र एवं संकुल शाला द्वारा एक भावपूर्ण सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संकुल प्राचार्य रामेश्वर घोरमारे ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में सम्मानित होने वाले स्वयं भोजराज लिल्हारे उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में प्राचार्य लीलाराम धनोले, प्रधानपाठक दुलीचंद घोरमारे, श्रीमती विमला नारनौरे, चुन्नीराम धारने, कोमलचंद गुरदे, राजेंद्र मुरकुटे, कृष्णा कावड़े, योगेंद्र भंडारकर, सुशील कुमार बोरकर, सुनील रामटेक्कर, महेश लिल्हारे, दयाराम डहारे, श्रीमती मीरावती लिल्हारे एवं पूर्व सरपंच श्रीमती यमुना डहारे शामिल हुए। संकुल परिवार के समस्त सदस्यों ने भोजराज लिल्हारे को शॉल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह, अभिनंदन पत्र, डायरी-पेन एवं गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया। उद्बोधन सत्र में कार्यक्रम अध्यक्ष एवं विशिष्ट अतिथियों ने लिल्हारे के जीवन परिचय पर प्रकाश डालते हुए उनके कर्मठ व्यक्तित्व, मार्गदर्शक एवं

प्रेरणास्त्रोत भूमिका की सराहना की। उन्होंने बताया कि लिल्हारे ने अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर शिक्षा विभाग में 36 वर्ष 5 माह की उत्कृष्ट सेवा दी, जो अत्यंत सराहनीय रही। उनका मिलनसार, सरल स्वभाव, मृदुभाषी गुण एवं सबके प्रति शुभचिंतक दृष्टिकोण हमेशा यादगार रहेगा। सेवानिवृत्ति के बाद भी वे समाज सेवा एवं सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहेंगे, ऐसी अपेक्षा जताई गई। साथ ही, स्वस्थ, मस्त एवं दीर्घायु जीवन की हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम में विशेष सहयोग के लिए संकुल परिवार के सदस्यों - ज्ञानचंद घोरमारे, जगदीश हनोते, वीरेंद्र हुमने, जगदीश ढोक, रूपलाल कटरे, टेकचंद पांचे, नितिन रणदिवे, रविंद्र धामड़े, हीरालाल चिखले, नेहा साहू, दीपलता वाकड़े, लक्ष्मी ढोक, सुरेश किरेकार, चंद्रशेखर बनोठे, डेविड मेश्राम, दुर्गाप्रसाद नंदनवार, शांतनु उपराड़े, गौरीशंकर आसटकर (लेखापाल), गगनसिंह बैस, ध्रुव गजभिये, जनशिक्षक राधेश्याम सोनवाने, विजय दशरिया, अतिथि शिक्षक तिलक माहुले, डिलेश्वर लिल्हारे, बसोने सर, गोले सर, देशमुख सर, नगपुरे सर, गजभिये सर, धामड़े सर, श्रीमती प्रीति पिछड़े, रजनी मोहारे, मीना पंचेश्वर, सचिन वाकड़े एवं निलेश सहारे - ने भी मंगल शुभकामनाएं प्रेषित कीं। आभार प्रदर्शन जनशिक्षक राधेश्याम सोनवाने ने किया। मंच संचालन पूर्व जनशिक्षक महेश नगपुरे ने कुशलतापूर्वक किया। समारोह में सभी ने लिल्हारे के योगदान को याद करते

लांजी न्यायालय में कल नेशनल लोक अदालत

लांजी (पद्मेश न्यूज)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं म0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्राणेश कुमार प्राण प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला न्यायालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट व सतीश शर्मा न्यायाधीश / सचिव के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय बालाघाट एवं प्रीतम शाह, व्यवहार न्यायालय कनिष्ठ खंड, लांजी न्यायालय में 13 सितंबर 2025 दिन शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जावेगा। नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु जिला न्यायालय व अधीनस्थ तहसील न्यायालयों के कुल 21 खंडपीठों का गठन किया गया है, जिसमें व्यवहार न्यायालय लांजी के न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी लांजी की खंठपीठ कमांक 15 है। नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में लंबित आपराधिक शमनीय प्रकरण, दिवानी मामले, बैंक रिकवरी प्रकरण, मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा प्रकरण, सिविल, विद्युत अधिनियम, निगोशिएबल इस्टूमेंट एक्ट के अंतर्गत चेक बाउन्स प्रकरण, वैवाहिक प्रकरण, श्रम प्रकरण, राजस्व मामले के प्रकरणों तथा प्रीलिटिगेशन के अंतर्गत बैंक, विद्युत, नगरपालिका के जल/सम्पत्ति कर वसूली प्रकरणों व चेक बाउन्स प्रीलिटिगेशन प्रकरण आदि का आपसी राजीनामा के माध्यम से निराकरण किया जावेगा। तहसील विधिक सेवा समिति व्यवहार न्यायालय लांजी द्वारा अपील की जाती है कि आप अपने न्यायालयीन प्रकरण या प्रीलिटिगेशन प्रकरण जैसे- जलकर, सम्पत्तिकर, विद्युत बिल, बैंक रिकवरी संबंधी प्रकरणों का निराकरण लोक अदालत के माध्यम से करवाना चाहते है, तो वह अपने अधिवक्ता / वकील के माध्यम से आपसी सुलह द्वारा दिनांक 13 सितंबर, 2025 की जिला न्यायालय/तहसील न्यायालय में उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ उठाये। अधिक जानकारी के लिये जिला स्तर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट एवं तहसील स्तर पर तहसील विधिक सेवा समिति व्यवहार न्यायालय लांजी के कार्यालय में कार्यालयीन समय पर उपस्थित होकर या म0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के टोल फ्री नंबर 15100 पर निःशुल्क कॉल कर जानकारी प्राप्त कर सकते है।

लांजी में ''पद्मेश''

इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें

Mo. 8319969927

श्रीमती ग्यारसी देवी अग्रवाल जी का निधन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी निवासी प्रतिष्ठित व्यापारी रमेश चन्द्र अग्रवाल जी की धर्म पत्नि श्रीमती ग्यारसी देवी अग्रवाल जी का 78 वर्ष की आयु में गोंदिया स्थित निज निवास में 11 सितंबर को दोपहर 1 बजे निधन हो गया। आप अपने पीछे चार पुत्रो जिनमें ललित अग्रवाल, गिरीश अग्रवाल, रूपेश अग्रवाल, प्रकाश अग्रवाल सहित नाती पोतो से भरा पूरा परिवार छोड स्वर्ग सिधार गई। आपकी अंतिम यात्रा आज सुबह 10 बजे गोंदिया स्थित निज निवास गजानन कालोनी रेनबो हास्पिटल के पास अंगुर बगीचे से निकाली जाकर स्थानीय मोक्षधाम में अंतिम संस्कार किया जायेगा। आपके निधन पर नाते रिश्तेदार सहित समस्त अग्रवाल एवं गोयल परिवार के द्वारा शोक श्रृद्धांजलि अर्पित करते हुये परमपिता परमेश्वर से मृत आत्मा को अपने श्री चरणो में स्थान देने तथा इस दुख की घड़ी में परिजनो को संबल प्रदान करने हेतु प्रार्थना की गई है।

सीएम डॉ. मोहन ने 12वीं के टॉपर्स को सौंपी स्कूटी की चाबी- बोले-

नौकरी करने वाले नहीं, देने वाले बनें

भोपाल । बच्चों आप खूब पढ़ो, आगे बढ़ो। पढ़ाई के लिए विदेश जाने की इच्छा है, तो फिक्र मत करो। विदेश जाने के लिए सारा पैसा सरकार देगी। आपको आगे बढ़ते देखकर हमे सुकून आता है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कही। वे गुरुवार को भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में मेधावी बच्चों को स्कूटी वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे युवाओं को नौकरी मांगने वाले नहीं नौकरी देने वाले बनना चाहिए। इसका अभियान सरकार के माध्यम से चल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने वर्ष 1923 में आईसीएस की परीक्षा में शीर्ष स्थान प्राप्त किया था। लेकिन, उन्होंने नौकरी नहीं की। वे अंग्रेजों को मुंहतोड़ जवाब देकर देश की आजादी के लिए लड़ाई लड़े। आज भारत में लोकतंत्र की खूबसूरती ये है कि कोई भी व्यक्ति देश और राज्य का सर्वोच्च पद प्राप्त कर सकता है। मैं भी प्रधानमंत्री मोदी की तरह गरीब परिवार और मुश्किल वक्त से निकला हूं। सरकार बच्चों को इस स्कूटी पर बैठ कर आगे

बढ़ते देखना चाहती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज 7832 विद्यार्थियों को स्कूटी दे रहे हैं। सच में स्कूटी तो क्या मिल रही है यह वर्तमान के समय में प्रतिभावान विद्यार्थियों की ऊंचाई हासिल करने के लिए एक गति वाहन है, जो आपके भाग्य के साथ जुड़ रहा है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने 12वीं के टॉपर कोमल पाठक सहित अन्य विद्यार्थियों को स्कूटी की चाबी सौंपी। वहीं सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल गुनगा की छात्रा हर्षिता यादव के साथ स्कूटी पर बैठे। सीएम ने छात्रा से पूछा गिरा तो नहीं दोगी। इस दौरान मध्यप्रदेश में 12वीं के टॉपर 7,832 विद्यार्थियों के बैंक खातों में स्कूटी खरीदने के लिए राशि जमा कराई गई। 20 लाख से ज्यादा छात्रों को सैनिटरी पैड के लिए 61 करोड़ रुपए दिए गए। ये प्रति छात्राओं को 300 देने की शुरुआत है। इसके अलावा 20 लाख 37 हजार 439 बालिकाओं को स्वच्छता और हाइजीन के लिए लगभग 61 करोड़ रुपए दिए गए। यह राशि उनके बैंक खातों में जमा कराई गई है। कार्यक्रम में मंच पर सीएम डॉ. मोहन यादव के साथ भोपाल मेयर मालती राय, स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह, जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह और खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग समेत विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

लाइसेंस बनवा लें, हेलमेट जरूर लगाएं

स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि ये बच्चे कॉलेज में पढने जाएंगे, तब बेहतर शिक्षा में यह स्कूटी पंख लगाने का काम करेगी। मेरा आग्रह है कि स्कूटी चलाने से पहले अपना लर्निंग लाइसेंस जरूर बनवा लें। हेलमेट का इस्तेमाल करें और निर्धारित गति पर ही चलाएं। उन्होंने कहा कि हमारे लिए गर्व की बात है कि स्कूल के बच्चों को एक महीने में तीसरी बार मुख्यमंत्री का आशीर्वाद मिल रहा है।

एक-एक टॉपर होंगे लाभांवित

योजना शैक्षणिक सत्र 2022-23 से शुरू हुई है। इसमें उन छात्र-छात्राओं को स्कूटी राशि दी जाती है, जिन्होंने शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल में पढ़ते हुए 12वीं कक्षा में टॉप किया हो। नियम के अनुसार बालिका स्कूल से एक टॉपर छात्रा, बालक स्कूल से एक टॉपर छात्र और को-एड स्कूल से एक-एक छात्र-छात्रा इस योजना के तहत लाभांवित होते हैं। इस वर्ष 7,832 टॉपर विद्यार्थियों को योजना का लाभ मिलेगा।

बालिकाओं के खाते में सीधे 300 रुपए पहुंचेंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस अवसर पर 20 लाख 37 हजार 439 बालिकाओं को स्वच्छता और हाइजीन के लिए लगभग 61 करोड़ रुपए का देंगे। यह राशि उनके बैंक खातों में ट्रांसफर की जाएगी। इस योजना के तहत कक्षा 7वीं से 12वीं तक की बालिकाओं को प्रतिवर्ष 300 रुपए की राशि सीधे बैंक खाते में दी जाती है।

बालिकाओं को स्टायपेंड

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री 20,100 बालिकाओं को लगभग 7 करोड़ रुपए की स्टायपेंड राशि भी देंगे। यह राशि कस्तूरबा गांधी बालिका स्कूल टाइप-चार योजना के अंतर्गत छात्रावासों में रहने वाली बालिकाओं को टीएलएम और अन्य खर्चों के लिए दी जाती है।

मप्र में पर्यटकों के लिए मोहन यादव सरकार का खास इंतजाम

करोड़ों की लागत से बनेंगे 10 आयुर्वेदिक लग्जरी टूरिस्ट सेंटर्स

भोपाल । मप्र में पर्यटकों को लुभाने के लिए लगातार नए टूरिस्ट डेस्टिनेशन के साथ सुविधाओं की बढ़ोत्तरी की जा रही है। एमपी के 10 पर्यटन स्थलों पर जल्द ही देश-विदेश के पर्यटकों को फाइव स्टार वेलनेस सेंटर की सुविधा भी मिलने जा रही है। पर्यटन और आयुष विभाग मिलकर इन सेंटर में पर्यटकों को तमाम आधुनिक सुविधाओं के अलावा केरल की तरह पंचकर्म और दूसरी आयुर्वेदिक सुविधाएं उपलब्ध कराएंगे। एक सेंटर को साढ़े 7 करोड़ की लागत से तैयार किया जाएगा।

मप्र में सबसे पहले भोपाल के पंडित खुशीलाल आयुर्वेदिक कॉलेज में पंचकर्म सेंटर खोला गया था। इसकी सफलता के बाद अब केन्द्र सरकार से प्रदेश में 10 और वेलनेस सेंटर खोलने की अनुमति मिल गई है। प्रदेश में यह वेलनेस सेंटर ओरछा, ओंकारेश्वर, मंदसौर, चित्रकूट, चंदेरी, दतिया, पचमढ़ी, अलीराजपुर, सिंगरौली और आगर मालवा में खोले जाएंगे। पर्यटन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक प्रदेश में पर्यटकों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है। खासतौर से धार्मिक पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की संख्या में जबरदस्त बढ़ोत्तरी हुई है। पर्यटकों को पर्यटन स्थलों पर बेहतर सुविधाएं मिल सके। इसके लिए वेलनेस सेंटर शुरू किए जा रहे हैं।

एक सेंटर पर खर्च होंगे साढ़े 7 करोड़

प्रदेश के 10 पर्यटन स्थलों पर शुरू होने वाले वेलनेस सेंटर के लिए एक सेंटर के लिए करीबन साढ़े 7 करोड़ रुपए का बजट निर्धारित किया जा रहा है। इससे यहां पर्यटकों के लिए पांच सितारा सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसमें पर्यटकों के लिए पंचकर्म, सोना बाथ, जकूजी, स्टीम चैंबर जैसी तमाम सुविधाएं उपलब्ध होंगी। पर्यटकों के रुकने के लिए यहां कई रूम तैयार किए जाएंगे। साथ ही अलग-अलग कॉटेज भी बनाए जाएंगे। इसमें तमाम आधुनिक सुविधाएं होंगी। इसमें डीलक्स रूम की सुविधा के अलावा पंचकर्म चिकित्सा, कस्टमाइज डाइट, फीजियोथेरेपी, योग के अलावा दूसरी थेरेपी की सुविधा भी उपलब्ध होगी। पर्यटक परिवार के साथ यहां रुक कर पर्यटन स्थलों में घूमने के साथ आयुर्वेदिक पद्धति से शरीर को डिटॉक्स भी करा सकेगा।

वेलनेस वेकेशन में बदलेगा टूरिज्म

पर्यटन विभाग के अपर मुख्य सचिव शिवशेखर शुक्ला कहते हैं कि प्रदेश में पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। साल 2024 में मप्र में 13 करोड़ 41 लाख पर्यटक एमपी पहुंचे हैं। विदेशी पर्यटकों की संख्या भी बढ़ी है। हमारी कोशिश है कि आने वाले पर्यटक एक पर्यटन स्थल पर ज्यादा से ज्यादा रुके और आराम से आसपास के स्थलों को घूमे। बेलनेस सेंटर्स मप्र के प्रमुख पर्यटन स्थल पर स्थापित होने से पर्यटकों का ट्रिप वेलनेस वेकेशन के रूप में बदलेगा। पर्यटकों के लिए लगातार नए विकल्प तैयार किए जा रहे हैं, ताकि हमारा पर्यटन एक ही स्थान पर सिमट कर न रह जाए।

गंजबासौदा में एक परिवार के पास भाजपा के आधा दर्जन पद

भोपाल। प्रदेश भाजपा में 'एक परिवार को एक पद' फार्मूले पर अमल शुरू हो गया है। मंत्री, विधायक एवं सांसदों के बेटा, बेटी ने जिस तरह से पार्टी के दायित्वों से इस्तीफा दिया है। उससे भाजपा में कई पदों पर विराजमान परिवारों में हडकंप मच गया है। विदिशा जिले के गंजबासौदा में भी एक परिवार के बाद भाजपा में पांच पद होने का मामला सामने आया है।

यह परिवार भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष का बताया जा रहा है। वे खुद महिला मोर्चा की प्रदेश पदाधिकारी होने के साथ-साथ गंजबासौदा नगर पालिका की अध्यक्ष हैं। बताया गया कि उनके बेटा , देवर और देवर का बेटा भी पार्टी में पदाधिकारी और सांसद प्रतिनिधि हैं। भाजपा में ऐसे परिवारों से पद छिनने जा रहे हैं। प्रदेश इकाई ने सभी जिलाध्यक्षों को एक परिवार एक पद के फार्मूले पर कार्यकारिणी तैयार करने के निर्देश दे दिए हैं।

बीना विधायक निर्मला सप्रे की विधानसभा सदस्यता रद्द कराने नेता प्रतिपक्ष ने हाईकोर्ट में दायर की याचिका

भोपाल। कांग्रेस के टिकट पर 2023 में सागर जिले की बीना सीट से विधायक बनी निर्मला सप्रे की सदस्यता रद्द कराने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मप्र हाईकोर्ट जबलपुर में याचिका दायर की है। नेता प्रतिपक्ष की ओर से लगाई गई याचिका में मप्र सरकार, विधानसभा के प्रमुख सचिव, विधानसभा अध्यक्ष, नरेन्द्र सिंह तोमर और विधायक निर्मला सप्रे को पार्टी बनाया है।

पिछले हफ्ते इंदौर खंडपीठ ने खारिज की थी याचिका

नेता प्रतिपक्ष ने निर्मला सप्रे के बीजेपी की सदस्यता ग्रहण करने के मामले को लेकर उनकी सदस्यता रद्द कराने पिछले साल मप्र हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ में याचिका लगाई थी। लेकिन, पिछले हफ्ते इंदौर खंडपीठ ने यह कहते हुए याचिका खारिज कर दी थी कि ये उनके अधिकार क्षेत्र के बाहर का मामला है। इस मामले को लेकर जबलपुर हाईकोर्ट में याचिका दायर की जाए।

सोम डिस्टलरी के 5 ठिकानों पर सेंट्रल एक्साइज का छापा

लाइसेंस में हेराफेरी कर टैक्स चोरी का आरोप, कंपनी ने 14 करोड़ रुपए किए सरेंडर

भोपाल। भोपाल और रायसेन जिले में सोम डिस्टलरी के 5 ठिकानों पर सेंट्रल एक्साइज डिपार्टमेंट की टीम ने छापे की कार्रवाई की है। इसके बाद कंपनी के मालिकों ने 14 करोड़ रुपए सरेंडर कर दिए हैं। सर्वे में करीब 50 करोड़ की चोरी उजागर होने की संभावन जताई जा रही है। वहीं हेराफेरी से टैक्स चोरी का एसेसमेंट अभी जारी है। सेंट्रल एक्साइज डिपार्टमेंट की टीम बुधवार को छापे की कार्रवाई की थी, जो गुरवार को भी जारी है। सह कार्रवाई भोपाल में 3ग्रुप की 3 यूनिट और2 यूनिट सीएमएचए पर की गई।

लायसेंस में हेराफेरी कर टैक्स चोरी करने का आरोप

सोम डिस्टलरी की रायसेन जिले के सेहतगंज और गोचरा चक में संचालित यूनिट और भोपाल के एमपी नगर स्थित सोम डिस्टलरी के दफ्तर में छापे की कार्रवाई गई है। आरोप है कि सोम ग्रुपप के संचालकों ने लिकर की बॉटल्स के इम्पोर्ट के लाइसेंस में हेराफेरी कर टैक्स चोरी की है। यह एडवांस अथोराइजेशन में बॉटल्स मंगाते थे। जांच में पाया गया है कि इन्होंने इम्पोर्ट में बॉटल्स का स्टॉक कम दिखाया। साथ ही एक्सपोर्ट एप्लिकेशन भी कम्पलीट नहीं पाए गए हैं।

विभाग की कार्रवाई में शुरुआती टैक्स चोरी के खुलासे के बाद सोम ग्रुप के संचालकों ने 14 करोड़ रुपए जमा कर दिए हैं और अभी छापे में जुटी टीम का एसेसमेंट जारी है। सेंट्रल एक्साइज की टीम की यह कार्रवाई गुरुवार देर रात तक चलते रहने की संभावना है।

दीपक सक्सेना ने संभाला जनसंपर्क आयुक्त का पदभार

सरकार की छवि संवारने की जिम्मेदारी

भोपाल। मप्र सरकार ने 2010 बैच के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी दीपक कुमार सक्सेना को जनसंपर्क आयुक्त के पद पर नियुक्त किया है। मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद उन्होंने नई जिम्मेदारी संभाल ली है। सक्सेना ने गुरुवार को जनसंपर्क संचालनालय में अधिकारियों से बैठक में विभागीय गतिविधियों की जानकारी ली। सक्सेना इससे पहले जबलपुर के कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट के रूप में कार्यरत थे, जहां उनकी प्रशासनिक सख्ती और पारदर्शिता की नीति ने उन्हें एक सक्रिय अधिकारी के रूप में पहचान दिलाई।

दीपक सक्सेना का जन्म 29 दिसंबर 1967 को हुआ था। राज्य सेवा से आईएएस बनने के बाद उन्होंने अपने पूरे प्रशासनिक करियर में जवाबदेही, पारदर्शिता और जन समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता को प्राथमिकता दी है। जबलपुर में कार्यकाल के दौरान उन्होंने शिक्षा माफिया, राशन वितरण में गड़बडियों और अन्य अनियमितताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की, जिससे उनकी छवि एक निष्पक्ष और निडर अधिकारी की बनी। जनसंपर्क आयुक्त के रूप में उनकी प्राथमिकता विभाग की कार्यप्रणाली को मजबूत करना, सरकारी योजनाओं और सूचनाओं को आम नागरिकों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना और विभागीय अधिकारियों को लोकहित के लिए प्रेरित करना होगा। माना जा रहा है कि उनकी नियुक्ति से सरकार और जनता के बीच संवाद और अधिक पारदर्शी और प्रभावशाली होगा। राज्य सरकार की इस नियुक्ति को जन सूचना, मीडिया समन्वय और सरकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार को नई दिशा देने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। दीपक सक्सेना की सक्रियता और प्रशासनिक अनुभव से जनसंपर्क विभाग को नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

सीएम से मिले सक्सेना

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हालिया प्रशासनिक फेरबदल सूची में जबलपुर के कलेक्टर रहे 2010 बैच के आईएएस अधिकारी दीपक कुमार सक्सेना को अब आयुक्त जनसंपर्क, भोपाल की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस पद को सरकार और जनता के बीच संवाद का सेतु माना जाता है और इसे मुख्यमंत्री का भरोसेमंद दायित्व भी समझा जाता है। गुरुवार को नवागत आयुक्त दीपक सक्सेना ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में सौजन्य भेंट की। उन्होंने कार्यभार भी ग्रहण कर लिया।

भाजपा नेता जीत निशोदे ने की सुसाइड की कोशिश

अश्लील वीडियो वायरल होने के बाद उठाया खौफनाक कदम, अस्पताल में लड़ रहा जिंदगी की जंग

भोपाल । भाजपा नेता जीत निशोदे ने वीडियो वायरल होने के बाद खौफनाक कदम उठाया। जीत निशोदे ने फांसी लगाकर सुसाइड करने की कोशिश की। जिसे पुष्पांजलि हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। जहां वह जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहा है। वहीं शासन-प्रशासन से कोई सहायता नहीं मिल रही है।

दरअसल, भोपाल के अरेरा मंडल के भाजपा युवा मोर्चा महामंत्री जीत निशोदे का एक वीडियो वायरल हुआ था। जिसमें वे एक युवती के साथ अश्लील हरकते करते हुए नजर आए। वीडियो सामने आने के बाद पार्टी की जमकर किरकिरी हुई। वहीं आपत्तिजनक वीडियो वायरल होने के बाद संगठन ने एक्शन लेते हुए जीत निशोदे को तत्काल प्रभाव से पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और पद से हटाया दिया था। अरेरा मंडल के अध्यक्ष अभिषेक पुरोहित ने जीत निशोदे को प्राथमिक सदस्यता और पार्टी के सभी दायित्वों से मुक्त कर दिया था।

घर का दरवाजा तोड़ निजी वीडियो बनाने का आरोप

वहीं वीडियो में नजर आई युवती ने जीतू निशोदे को अपना होने वाला पति बताया और गंभीर आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई है। युवती का कहना है कि कांग्रेस ने जीत निशोदे को निशाना बनाने के लिए वीडियो बनाया। घर का दरवाजा तोड़ कर दरवाजे से निजी वीडियो बनाया। 'कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद के कुछ लोगों ने चोरी छिपे मेरे और मेरे होने वाले पति के निजी वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। क्यों कि मेरे पति भाजपा में है।'

युवती बोलीं- मरने के अलावा कोई रास्ता नहीं

उसने यह भी कहा कि 'वीडियो वायरल होने से मैं बहुत अपमानित हुई है। इसे लेकर जीतू पटवारी को फोन भी किया था, लेकिन उन्होंने आनाकानी कर के टाल दिया। मैं जीतू पटवारी से पूछना चाहती हूं कि अगर मेरी जगह उनकी बेटी होती तो क्या वो यही करते? कांग्रेस इस हद तक कैसे गिर सकती है? वहीं उसने कहा कि मेरे पास अब मरने के अलावा कोई रास्ता नहीं है।' युवती ने यह भी बताया कि 'इसे लेकर शाहपुरा थाने में एफआईआर करवाई है, लेकिन पुलिस भी अनाकानी कर रही है। क्यों कि आरिफ मसूद का प्रेशर पड़ रहा है तो वो लोग कार्रवाई नहीं कर रही है। मैं यही चाहती हूं कि अंकित दुबे, अज्जू, विशाल राव और दीपू ये चार नाम सामने आए है, इन पर जल्द से जल्द कार्रवाई होनी चाहिए।' फिलहाल शिकायत के आधार पर शाहपुरा पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भोपाल का 90 डिग्री ब्रिज में कोई तकनीकी समस्या नहीं

- ऐशबाग ब्रिज को लोक निर्माण मंत्री ने सही ठहराया

भोपाल। भोपाल के चर्चित 90 डिग्री वाले ऐशबाग ब्रिज को लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने सही ठहराया है। उन्होंने गुरुवार को जबलपुर में मीडिया से बात करते हुए कहा कि ब्रिज को लेकर कोई समस्या थी ही नहीं, लेकिन उसका प्रचार-प्रसार इस तरह किया गया कि वह सुर्खियों में आ गया। मंत्री ने कहा कि 90 डिग्री का कोई मुद्दा नहीं था। इस तरह के पुल और चौराहे देश और प्रदेश में बहुत सारे बने हुए हैं। महत्वपूर्ण यह है कि सेफ्टी मेजर्स का पालन हुआ है या नहीं और इस मामले में पालन किया गया है।

उन्होंने कहा कि जहां पुराने शहर और पुरानी बसाहट होती है, वहां जब पुल और सडकों का निर्माण करना होता है, तो जगह की कमी के कारण 90 डिग्री पर जाना ही पड़ता है। कई बार ऐसी परिस्थितियां बनती हैं।

वास्तव में 114 डिग्री का पुल

लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि भोपाल के जिस ब्रिज को 90 डिग्री का बताया जा रहा है, वह वास्तव में 114 डिग्री का है। उस पर किसी तरह की कठिनाई नहीं है। ब्रिज में कोई तकनीकी समस्या नहीं है। ठेकेदार और अन्य लोगों पर जो कार्रवाई की गई, वह बेहतर तालमेल न होने के कारण हुई है। विभाग द्वारा हाई कोर्ट को जवाब देना है, जिसे तैयार कर लिया गया है। आवश्यक कार्रवाई चल रही है।

नक्शे के अनुसार ही निर्माण

मैनिट की जांच रिपोर्ट में सामने आया है कि पीडब्ल्यूडी ने ठेकेदार पुनीत चड्ढा को जो जनरल अरेंजमेंट ड्राइंग दी थी, उसमें पुल का एंगल 119 डिग्री दर्शाया गया था। जांच में बने पुल का एंगल 118 डिग्री से थोड़ा ज्यादा पाया गया। दोनों ही माप लगभग समान बताए गए। रिपोर्ट के अनुसार, ठेकेदार ने विभाग द्वारा दिए गए नक्शे के अनुसार ही निर्माण कार्य किया है।

छिंदवाड़ा जिला सहकारी बैंक में आयकर सर्वे- पैन, एफडी पर ब्याज की गलत रिपोर्ट दे रहा था बैंक, भोपाल-जबलपुर टीम की कार्यवाही

भोपाल। आयकर विभाग की इंटेलिजेंस एवं क्रिमिनल इनवेस्टीगेशन भोपाल एवं जबलपुर की टीम ने गुरूवार को छिंदवाड़ा शहर के जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के प्रधान कार्यालय पर सर्वे की कार्यवाही शुरू की है। इस बैंक में एसएफटी की गलत डिटेल भरने की वजह से आयकर अधिनियम 133 के अंतर्गत स्पॉट वेरिफिकेशन की कार्यवाही चालू की गई है ।

गलत पैन, इंटरेस्ट, एफडी पर प्राप्त ब्याज की गलत जानकारी दिए जाने समेत अन्य गलत स्टेटमेंट दिए जाने के चलते सर्वे की यह कार्यवाही हुई है। जांच कर रही टीम के अनुसार को-ऑपरेटिव बैंक्स को भी वित्त वर्ष के दौरान चालू खाते में 50 लाख से अधिक एवं बचत खाते में 10 लाख रुपए से अधिक नकद जमा करने एवं 10 लाख से अधिक के फिक्स डिपाजिट करने वाले खातों की जानकारी आयकर विभाग को सही-सही देना है।

साथ ही जो जानकारी दी जाए वह आधी अधूरी नहीं होनी चाहिए। आयकर अधिनियम की धारा 285 क्क के अंतर्गत बैंकों के लिए बाध्य है लेकिन सहकारी बैंकों द्वारा इस मामले में लापरवाही की जाती है और गलत जानकारी दी जाती है।

किसान सम्मेलन आ सकते हैं पीएम मोदी

- सीहोर में सम्मेलन को लेकर तैयारी शुरू, प्रशासन अलर्ट

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने यानी अक्टूबर में मप्र आ सकते हैं। दरअसल, 12 से 15 अक्टूबर तक सीहोर में चार दिवसीय किसान सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान किसी एक दिन पीएम मोदी की उपस्थिति सुनिश्चित करने की कोशिशें जारी हैं। प्रधानमंत्री के आगमन की चर्चा से जिले में उत्साह और प्रशासन में सतर्कता दोनों ही देखने को मिल रही है। प्रदेश की मोहन यादव सरकार किसानों के लिए बड़े पैमाने पर सम्मेलन आयोजित कर रही है। सीहोर को इस आयोजन के लिए चिह्नित किया गया है। सम्मेलन में खेती की नई तकनीक, सरकारी योजनाओं की जानकारी और फसल उत्पादन बढ़ाने की रणनीतियां साझा की जाएंगी। किसानों को उम्मीद है कि प्रधानमंत्री की मौजूदगी से यह सम्मेलन और ऐतिहासिक बन जाएगा।

प्रधानमंत्री के संभावित दौरे की खबर मिलते ही जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया। सुरक्षा, यातायात और मंच व्यवस्था की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। एसडीएम तन्मय वर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री का दौरा संभावित है, लेकिन अभी कार्यक्रम की तिथि तय नहीं हुई है। पीएम मोदी के कार्यक्रम को देखते हुए तीन आईएएस अधिकारियों की टीम ने सीहोर का दौरा किया। उन्होंने तीन प्रमुख जगहों का निरीक्षण किया। इनमें शेरपुर मैदान, सोया चौपाल और आरएके कृषि कॉलेज शामिल हैं। सभी स्थलों की सुरक्षा और पहुंच सुविधा को ध्यान में रखकर आकलन किया गया।

2016 में आए थे पीएम

शेरपुर मैदान सबसे प्रमुख विकल्प माना जा रहा है। यह वही जगह है, जहां प्रधानमंत्री मोदी पहले भी किसानों के बीच आ चुके हैं। पिछली यात्रा की यादें आज भी किसानों के दिलों में ताजा हैं, जब 18 फरवरी 2016 को उन्होंने कृषि क्षेत्र को मजबूत करने की दिशा में कई घोषणाएं की थीं। विशाल मैदान होने के कारण यहां बड़े स्तर पर भीड़ संभालना भी आसान होगा। सोया चौपाल किसानों की भावनाओं से सीधे जुड़ा स्थान है। इंदौर-भोपाल हाईवे से जुड़े होने के कारण किसानों की आवाजाही भी सरल हो जाएगी। कई किसान चाहते हैं कि प्रधानमंत्री इसी चौपाल से उनके बीच सीधा संवाद करें, जिससे उनकी समस्याओं और उम्मीदों पर अधिक गहराई से चर्चा हो सके। आरएके कृषि कॉलेज का परिसर भी बड़ा और सुरक्षित स्थल है। यहां पर सम्मेलन आयोजित होने से कृषि अनुसंधान और किसानों का सीधा जुड़ाव दिखेगा। साथ ही सुरक्षा इंतजाम और पार्किंग जैसी व्यवस्थाएं भी आसानी से की जा सकती हैं। प्रधानमंत्री मोदी के संभावित आगमन से किसानों में उत्सुकता बढ़ गई है। उनका मानना है कि इस बार वे बीमा राशि, न्यूनतम समर्थन मूल्य और सिंचाई योजनाओं पर सीधे अपनी बात रख पाएंगे। किसानों को यह भी उम्मीद है कि प्रधानमंत्री सीहोर से कोई नई बड़ी योजना की घोषणा कर सकते हैं। किसान अभी भी पीएम मोदी की पिछली सीहोर यात्रा को याद करते हैं। उस समय उन्होंने किसानों के बीच जाकर आत्मनिर्भर भारत और आधुनिक खेती की दिशा में नई नीतियों का संदेश दिया था। किसानों का मानना है कि हर बार प्रधानमंत्री का दौरा उनकी समस्याओं और समाधान को लेकर नई उम्मीदें जगाता है। यदि किसी कारणवश सीहोर में पर्याप्त जगह या अन्य व्यवस्था नहीं हो पाती, तो यह आयोजन रायसेन या भोपाल में भी स्थानांतरित हो सकता है।

एशिया कप में भारत ने यूएई को 9 विकेट से हराया

दुबई । भारत-यूएई के बीच बुधवार को एशिया कप 2025 के दूसरे मैच में भारतीय टीम ने यूएई को 9 विकेट से हराया। यह मुकाबला दुबई के दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए यूएई की टीम मात्र 57 के स्कोर पर ढेर हो गई, इस लक्ष्य को भारत ने 5वें ओवर में ही हासिल कर लिया।

यूएई की टीम जब पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी तो उसका पहला विकेट 26 के स्कोर पर गिरा। लेकिन अगले 31 रन बनाने में यूएई ने 9 विकेट गंवाए. कुलदीप ने इस मैच में 4 तो शिवम दुबे ने एक विकेट झटका. 58 रनों के जवाब में उतरी भारतीय टीम ने अभिषेक शर्मा के 16 गेंद में 30 और गिल के नाबाद 9 गेंद में 20 रनों और कप्तान सूर्या के नाबाद 7 रनों के दम पर ये मैच 4.3 ओवर में ही चेज कर लिया. भारत का अगला मैच 14 सितंबर को पाकिस्तान से होना है।

यूएई की टीम जब पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी तो उसका पहला विकेट 26 के स्कोर पर गिरा। लेकिन अगले 31 रन बनाने में यूएई ने 9 विकेट गंवाए। कुलदीप ने इस मैच में 4 तो शिवम दुबे ने एक विकेट झटका। 58 रनों के जवाब में उतरी भारतीय टीम ने अभिषेक शर्मा के 16 गेंद में 30 और गिल के नाबाद 9 गेंद में 20 रनों और कप्तान सूर्या के नाबाद 7 रनों के दम पर ये मैच 4.3 ओवर में ही चेज कर लिया। भारत का अगला मैच 14 सितंबर को पाकिस्तान से होगा।

अभिषेक के कायल हुए अकरम

दुबई । एशिया कप के पहले ही मैच में अपनी आतिशी पारी से धूम मचाने वाले भारतीय टीम के बल्लेबाज अभिषक शर्मा की पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने जमकर प्रशंसा की है। अकरम ने कहा कि उन्होंने आज तक ऐसा तूफानी बल्लेबाज नहीं देखा है। एशिया कप के पहले ही मैच में अभिषेक ने यूएई के खिलाफ पहली ही गेंद पर छक्का लगाकर पारी शुरु की। अभिषेक पहली बार एशिया कप में खेल रहे हैं. इससे पहले उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों और आईपीएल में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी दिखायी थी। अभिषेक ने यूएई के खिलाफ अपने पहले मैच में 16 गेंदों पर 3 छक्के और 2 चौके लगाकर 30 रन बनाए। उन्होंने ही पहली गेंद पर छक्का जबकि दूसरी गेंद पर चौका लगाया। अभिषेक की इस तूफानी बल्लेबाजी को देखकर कमेंट्री कर रहे अकरम भी हैरान रह गये अन्होंने कहा, ' अभिषक जिस प्रकार खेलते हैं, वैसा उन्होंने आज तक नहीं देखा।' अभिषेक ने टी20 में पहली 15 पारियों में जमकर लगाये छक्कों से प्रशंसकों का भरपूरी मनोरंजन किया है। अभिषेक ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहली 15 पारियों में सैमसन के मुकाबले दस छक्के अधिक लगाए हैं। अब अभिषेक के टी20 की पहली 15 पारियों में 43 छक्के हो गए हैं। वहीं सैमसन पहली 15 पारियों में 33 छक्कों के साथ दूसरे नंबर पर हैं। इस सूची में केएल राहुल 31 छक्कों के साथ तीसरे जबकि यशस्वी जायसवाल 28 छक्कों के साथ चौथे नंबर पर हैं।

एशिया कप : सैमसन को शामिल कर गंभीर ने दिखाया उनके प्रति भरोसा

दुबई। एशिया कप की शुरुआत से पहले कहा जा रहा था कि विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को पहले मैच में जगह नहीं मिलेगी पर ये अंदाजा गलत निकला। सैमसन ने भले ही पारी की शुरुआत नहीं की पर उन्हें अंतिम ग्यारह में शामिल किया गया। इससे साफ है कि कोच गंभीर अपने खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं।

गंभीर की सबसे बड़ी खासियत है कि वो हमेशा अपने खिलाड़ियों में तब आत्मविश्वास जगाते है जब वह कठिन दौर से गुजरते हैं। साल 2024 में कोलकाता नाइटराइडर्स में कोच बने गौतम गंभीर ने ही तेज गेंदबाज हर्षित राणा के करियर को आगे बढ़ाया है। राणा ने 19 विकेट लेकर आईपीएल में तब केकेआर की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। राणा ने बताया, 'उन्होंने सत्र से पहले मुझसे कहा था। तुम सभी 14 मैच खेलोगे, चाहे तुम कितने भी रन दो। अगर तुम 70 या 80 रन पर दे दो तो भी अपना आत्मविश्वास बनाए रखना और आक्रामक बने रहना। इससे मेरा मनोबल बढ़ा और में बेहतर गेंदबाजी कर पाया। इसी कारण मैं बिना किसी डर के आगे सका।

आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के लिए न्यूजीलैंड टीम घोषित

- सोफी डिवाइन के हाथों में कमान

नई दिल्ली । आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के लिए न्यूजीलैंड ने अपनी 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कमान अनुभवी ऑलराउंडर सोफी डिवाइन को सौंपी गई है, जो अपना पांचवां वनडे विश्व कप खेलने उतरेंगी। उनके साथ सूजी बेट्स भी पांचवें वर्ल्ड कप में नजर आएंगी। तेज गेंदबाज ली ताहुहू को चौथे, जबकि मैडी ग्रीन और मेली केर को तीसरे विश्व कप में शामिल किया गया है। इस बार न्यूजीलैंड के दल में कई नए चेहरे देखने को मिलेंगे, जिन पर भविष्य की उम्मीदें टिकी हैं। न्यूजीलैंड ने अपने खेमे में छह ऐसी खिलाड़ियों को जगह दी है, जो पहली बार वनडे वर्ल्ड कप का हिस्सा बनेंगी। इनमें 22 वर्षीय ऑलराउंडर फ्लोरा डेवोनशायर का नाम खास है, जिन्हें घरेलू क्रिकेट में प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद मौका मिला है। इसके अलावा चार खिलाड़ी ऐसी होंगी, जो पहली बार किसी सीनियर आईसीसी टूर्नामेंट में उतरेंगी। टीम के चयन से यह साफ है कि न्यूजीलैंड एक नई और संतुलित टीम बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

न्यूजीलैंड महिला टीम अपने अभियान की शुरुआत 1 अक्टूबर को इंदौर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करेगी। इसके बाद उसका सामना 6 अक्टूबर को साउथ अफ्रीका से और 10 अक्टूबर को बांग्लादेश से होगा। 14 अक्टूबर को टीम श्रीलंका के खिलाफ उतरेगी, जबकि 18 अक्टूबर को पाकिस्तान से भिड़ेगी। 23 अक्टूबर को न्यूजीलैंड की टीम भारतीय टीम को चुनौती देगी और 26 अक्टूबर को उसका सामना इंग्लैंड से होगा। टूर्नामेंट का आगाज 30 सितंबर से हो रहा है और सभी टीमें खिताब जीतने के लिए पूरा जोर लगाएंगी।

कोच बेन सॉयर ने टीम चयन पर संतोष जताते हुए कहा कि न्यूजीलैंड का संयोजन पूरी तरह संतुलित है। उन्होंने कहा, 卐मुझे लगता है कि हमारे पास परिस्थितियों और विरोधियों के अनुसार सही मिश्रण है, जिससे हम किसी भी चुनौती का मुकाबला कर सकते हैं।

न्यूजीलैंड टीम- सोफी डिवाइन (कप्तान), सूजी बेट्स, ईडन कार्सन, फ्लोरा डेवोनशायर, इजी गेज, मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, ब्री इलिंग, पॉली इंग्लिस, बेला जेम्स, मेली केर, जेस केर, रोजमैरी मेयर, जॉर्जिया प्लिम्मर और ली ताहुहू।

एशेज से पहले फिटनेस साबित करने कड़ी मेहनत कर रहे पैट कमिंस

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ प्रतिष्ठित एशेज सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट कप्तान पैट कमिंस अपनी फिटनेस साबित करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। जुलाई में कैरेबियन दौरे के बाद से वह कमर दर्द से परेशान थे, और हालिया स्कैन रिपोर्ट में उनके लंबर बोन स्ट्रेस की पुष्टि हुई है। हालांकि उन्हें आराम की सलाह दी गई है, लेकिन फिलहाल वह बिना किसी समस्या के दौड़ पा रहे हैं। गेंदबाजी की ओर वापसी के लिए उन्होंने समयसीमा तय की है, ताकि सीरीज शुरू होने से पहले वह पूरी तरह तैयार रह सकें।

कमिंस ने हाल ही में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के एक स्पॉन्सरशिप प्रोग्राम में कहा कि उनकी कोशिश होगी कि वह एशेज से लगभग चार से छह हफ्ते पहले गेंदबाजी शुरू कर दें। उन्होंने यह भी कहा कि अभी उनके पास पर्याप्त समय है और वापसी का सही रोडमैप चैंपियंस ट्रॉफी नजदीक आने पर तय किया जाएगा। कप्तान ने माना कि फिलहाल अगले कुछ सप्ताह तक वह ज्यादा कठिन ट्रेनिंग नहीं करेंगे और गेंदबाजी से पूरी तरह दूर रहेंगे, ताकि चोट को और बढ़ने से रोका जा सके।

ऑस्ट्रेलियाई टीम प्रबंधन भी उनकी फिटनेस पर नजर बनाए हुए है, क्योंकि एशेज में कमिंस की भूमिका सिर्फ कप्तान के तौर पर ही नहीं बल्कि मुख्य तेज गेंदबाज के रूप में भी बेहद अहम है। यदि वह शुरुआती टेस्ट से बाहर रहते हैं तो उनकी जगह तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड को मौका मिल सकता है। वहीं टीम के अन्य अनुभवी गेंदबाज मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और नाथन लायन के खेलने की संभावना लगभग तय है।

एशेज सीरीज ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच क्रिकेट की सबसे बड़ी भिड़ंत मानी जाती है और इस बार इसका आगाज 21 नवंबर को पर्थ में होने वाले पहले टेस्ट से होगा। इसके बाद 4 से 8 दिसंबर के बीच ब्रिस्बेन में दूसरा मुकाबला खेला जाएगा। तीसरा टेस्ट 17 से 21 दिसंबर तक एडिलेड में होगा, जबकि चौथा मैच 26 से 30 दिसंबर तक मेलबर्न में आयोजित किया जाएगा। पांचवां और अंतिम टेस्ट अगले साल 4 से 8 जनवरी के बीच सिडनी में खेला जाएगा।

कमिंस ने साफ कहा कि उनकी प्राथमिकता पूरी तरह फिट होकर टीम के साथ मैदान पर लौटना है। कप्तान ने उम्मीद जताई कि वह एशेज से पहले अपनी फिटनेस साबित कर देंगे और गेंदबाजी की लय हासिल कर लेंगे। ऑस्ट्रेलियाई प्रशंसक और टीम प्रबंधन भी इसी उम्मीद में हैं कि जब इंग्लैंड के खिलाफ ऐतिहासिक सीरीज की शुरुआत होगी, तब कमिंस पूरी क्षमता के साथ गेंद हाथ में थामे नजर आएंगे।

महिला एकदिवसीय विश्व कप में केवल महिलाएं ही रहेंगी अंपायर और रेफरी - आईसीसी

विश्व कप क्रिकेट इतिहास में ऐसा पहली बार होगा

दुबई । अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि भारत और श्रीलंका में इसी माह के अंत में शुरु होने जा रहे महिला एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट में सभी अंपायर और रेफरी महिलाएं ही रहेंगी। विश्व कप 30 सितंबर से 2 नवंबर 2025 तक भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। इसमें केवल तीन भारतीय महिलाओं को ही मैच अधिकारी के तौर पर रखा गया है। महिला एकदिवसीय विश्व कप क्रिकेट इतिहास में यह पहली बार होगा जब टूर्नामेंट की सारी मैच अधिककारी और अंपायर महिलाएं होंगी।

इससे पहले साल 2022 में हुए राष्ट्रमण्डल खेलों और आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में भी मैच अधिकारी और अंपायर की भूमिका में महिलाएं रही हैं। आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने कहा, यह महिला क्रिकेट के सफर में एक निर्णायक अवसर है। मैच अधिकारियों के रूप में महिला पैनल का शामिल होना एक बड़ी उपलब्धि है, ये क्रिकेट में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के प्रति आईसीसी की अटूट प्रतिबद्धता को दिखाता है।

उन्होंने कहा, यह विकास प्रतीकात्मक मूल्य से कहीं आगे जाता है। यह ऐसे सार्थक रोल मॉडल के निर्माण के बारे में है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित कर सकें। वैश्विक मंच पर उत्कृष्टता को उजागर करके, हमारा उद्देश्य आकांक्षाओं को जगाना और इस बात को पुष्ट करना है कि क्रिकेट में नेतृत्व और प्रभाव लिंग-भेद से परे है। शाह ने कहा, महिलाओं के खेल के विकास में एक नए अध्याय को मान्यता देते हुए हमें गर्व हो रहा है। हमारा मानना ??है कि इस पहल का प्रभाव इस टूर्नामेंट से कहीं आगे तक जाएगा, जिससे दुनिया भर में अधिक से अधिक अधिकाधिक महिलाओं को अंपायरिंग करियर अपनाने के लिए प्रेरणा मिलेगी। आईसीसी रेफरियों के पैनल में तीन भारतीय महिलाएं जीएस लक्ष्मी रेफरी होंगी जबकि वृंदा राठी और गायत्री वेणुगोपालन अंपायर होंगी।

आईसीसी मैच अधिकारियों का पैनल-

मैच रेफरी - ट्रुडी एंडरसन, शैंड्रे फ्रिट्ज, जीएस लक्ष्मी, मिशेल परेरा।

अंपायर - लॉरेन एजेनबैग, कैंडेस ला बोर्डे, किम कॉटन, सारा दंबनेवाना, शथिरा जाकिर जेसी, केरिन क्लास्टे, जननी एन, निमाली परेरा, क्लेयर पोलोसाक, वृंदा राठी, सू रेडफर्न, एलोइस शेरिडन, गायत्री वेणुगोपालन, जैकलीन विलियम्स।

अकरम ने कुलदीप की जमकर प्रशंसा की

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने भारतीय टीम के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव की जमकर प्रशंसा की है। कुलदीप ने एशिया कप में भारत के पहले ही मैच में यूएई के खिलाफ 13 गेंदों में 7 रन देकर 4 विकेट लिए। उनके इस प्रदर्शन पर अकरम हैरान हैं। उन्होंने कुलदीप की तारीफ करते हुए कहा कि क्या प्रतिभा है। उनकी इस प्रारुप की समझ काफी अच्छी है।

कुलदीप ने नौवें ओवर में यूएई के तीन बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया। पहले राहुल चोपड़ा को, फिर कप्तान मुहम्मद वसीम और उसके बाद हर्षित कौशक को।

कुलदीप ने ओवर की जिन 3 गेंदों पर विकेट लिए वो तीनों ही अलग-अलग तरह की थीं। यह दिखाता है कि उनमें कितनी विविधता है।

इससे कॉमेंट्री कर रहे अकरम भी प्रभावित हुए बिना नहीं रहे। अविश्वसनीय गेंदबाजी की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा, 'क्या प्रतिभा है। यह खिलाड़ी इस प्रारुप को बहुत अच्छे ढंग से समझता है और उसी के अनुसार गेंदबाजी कर रहा है। कुलदीप अपनी गेंदबाजी में विविधता पैदा कर रहे हैं जिसे बल्लेबाज समझ नहीं पा रहे।'

ब्रोंको टेस्ट के खिलाफ उतरे सुनील गावस्कर...हर व्यक्ति का शरीर अलग होता

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की पुरुष टीम में खिलाड़ियों के चयन के लिए ब्रोंको टेस्ट शुरू करने की योजना ने सभी का ध्यान खींचा है। यह एक ऐसा टेस्ट है जो एथलीटों को अपनी हृदय संबंधी क्षमता बढ़ाने के लिए प्रेरित करता है। ब्रोंको टेस्ट क्रिकेट के लिए भले ही नया हो, लेकिन रग्बी में इसका इस्तेमाल लंबे समय से होता रहा है। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने इसके खिलाफ कहा कि इस तरह के टेस्ट के आधार पर खिलाड़ियों का चयन करना काफी अनुचित है। गावस्कर ने लिखा, हालांकि यह जानने के लिए कि किसी खिलाड़ी को अपने शरीर को कहां मजबूत करने की जरूरत है, ये टेस्ट करवाना ठीक है, लेकिन राष्ट्रीय टीम में चयन का फैसला इनसे करवाना थोड़ा ज़्यादा है। हर व्यक्ति का शरीर अलग होता है, इसलिए टीम में सभी के लिए एक ही मानक रखना करीब असंभव है। खिलाड़ी की विशेषता और उसके लिए दी जाने वाली छूट का ध्यान रखना जरूरी है। उदाहरण के लिए एक विकेटकीपर, जो पूरे दिन लगातार घूमता रहता है, उस दूसरे खिलाड़ियों कील तुलना में अलग फिटनेस स्तर की आवश्यकता होती है।

हार्दिक से तुलना पर भड़के शिवम

दुबई । युवा ऑलराउंडर शिवम दुबे एशिया कप के अपने पहले मैच में यूएई के खिलाफ शानदार गेंदबाजी से उत्साहित हैं। शिवम ने पहले ही मैच में 12 गेंदों पर 4 रन देकर तीन विकेट लिए। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और कसी हुई गेंदबाजी के कारण शिवम की तुलना हार्दिक पंड्या से होने लगी है। वहीं शिवम ने इसपर नाराजगी जतायी है। शिवम ने कहा कि पंड्या से उनकी बराबरी नहीं की जा सकती क्योंकि वह उनसे काफी कुछ सीखते हैं। उनके पास आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय मैचों का लंबा अनुभव है। यूएई के खिलाफ एशिया कप के पहले ही मैच में शिवम ने काफी कसी हुई गेंदबाजी की। ऐस में वह एक बेहतर ऑलराउंडर साबित हो रहे हैं। अभी तक भारतीय टीम के लिए ऑलराउंडर की जिम्मेदारी पंड्या ही निभाते रहे हैं। वहीं ये भी कहा जा रहा है कि शिवम और हार्दिक के बीच जगह को लेकर प्रतिस्पर्धा है। वहीं शिवम ने कहा, ' हार्दिक मेरे भाई जैसे हैं जिनसे मैं बहुत कुछ सीखता हूं क्योंकि आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके पास मुझसे कहीं ज्यादा अनुभव है। मैंने कभी तुलना के बारे में नहीं सोचा, क्योंकि मेरा एकमात्र प्रयास ये रहता है कि उनके अनुभव से जितना हो सके उतना सीखना है।'

शिवम दुबे ने कहा कि गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल के साथ काम करने से भी उन्हें लाभ हुआ है। उन्होंने मुझे ऑफ स्टंप से थोड़ा बाहर की लाइन पर गेंदबाजी करने को कहा है। उन्होंने मेरे रनअप में भी बदलाव किया है।

एशिया कप में आज होगा पाकिस्तान और ओमान का मुकाबला

दुबई । एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में शुक्रवार को पाकिस्तान टीम ग्रुप ए के अपने पहले मैच में ओमान पर बड़ी जीत दर्ज करना चाहेगी। पाक ने एशिया कप से पहले त्रिकोणीय सीरीज भी यहां खेली थी जिसके अनुभवों का लाभ टीम उठाना चाहेगी। उसने फाइनल में अफगानिस्तान को 75 रन से हराया था जिससे भी उसके खिलाड़ी अच्छी लय में हैं। उस मैच में स्पिनर मोहम्मद नवाज ने हैट्रिक बनाई थी और वह फिर से यहां की स्पिनरों की सहायक पिच पर बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे।

पाक कप्तान सलमान आगा ने कहा था, ''हम त्रिकोणीय सीरीज में इस तरह से तैयारी करना चाहते थे जिससे हमें एशिया कप के लिए सहायता मिले और हमने ऐसा किया। हम घरेलू मैदान पर बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के बाद से ही अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। अब हमारी टीम बहुत अच्छी स्थिति में हैं और मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार हैं।'' ग्रुप ए में भारत, पाकिस्तान, ओमान और यूएई शामिल की टीमें शामिल हैं। इस मैच के बाद पाक को रविवार को भारतीय टीम से खेलना है जिसको देखते हुए भी टीम ओमान के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी। इन दोनों टीमों का सुपर 4 और फाइनल में भी मुकाबला हो सकता है।

पाकिस्तान ने एशिया कप के लिए एक युवा टीम भेजी है जिससे उससे अच्छे परिणाम मिलने की उम्मीद है। युवा सैम अयूब, फखर जमां, मोहम्मद नवाज़, सूफियान मुकीम जैसे खिलाड़ियों से पाकिस्तान को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। वहीं जतिंदर सिंह की कप्तानी में ओमान की टीम इस मुकाबले में अपनी ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहेगी। ओमान के लिए यह बड़ा मुकाबला होगा जिसमें उसके खिलाड़ी इस मैच में अपनी क्षमताएं दिखाना चाहेंगे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

पाकिस्तान- फखर जमां, हसन नवाज, खुशदिल शाह, सईम अयूब, सलमान आगा, हुसैन तलत, फहीम अशरफ, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद हारिस, साहिबजादा फरहान, अबरार अहमद, हारिस रऊफ, हसन अली हसन अली, सलमान मिर्जा, शाहीन अफरीदी, सुफियान मुकीम, मोहम्मद वसीम जूनियर।

ओमान- जतिंदर सिंह (कप्तान), आशीष ओडेदरा, आमिर कलीम, करण सोनावले, हसनैन शाह, मोहम्मद नदीम, विनायक शुक्ला, हम्माद मिर्जा, सुफियान महमूद, आर्यन बिष्ट, शकील अहमद, समय श्रीवास्तव, मोहम्मद इमरान।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PUBLIC WORK DEPARTMENT (E./M.) DIVISION- JABALPUR (M.P.)

Web site:-www.mp.gov.in/pwdmp Email :- eepwdelecjbp@mp.nic in
Tel./Fax No. 0761-2620792

NIT No- 24/25-26/SAC/E/M Jabalpur, Date 04/09/2025

Online Tender for mentioned below are being invited. The Tender have been uploaded on the system of Public Works Department on the Portal http://mptenders.gov.in Tender details are as below:-

SNo.	Tender No.	Name of work	Cost of Project (PAC) (Rs. In lack)	(Original EMD	Cost of Tender form	Time Allowed	1-Contractor categari 2- Call No.
1	2	3	4	5	6		7
1	2025_PWDRB_ 449440_1	PROVIDING AND FIXING OF ELECTRIC GENERAL MAINTENANCE WORK AND AMC OF AIR CONDITIONER IN EOW OFFICE JABALPUR AT KATANGA SECTION JABALPUR.	Rs. 1.36 Lakh	Rs. 2728/-	Rs. 1000/-	1 YEAR	1- Centralised PWD Registration in Electrical & "A"Class electric licence From MP Licensing Board 2- 1st Call
2	2025_PWDRB_ 449441_1	SUPPLYING ,INSTALLING TESTING & COMMISIONING (SITC) OF 8 PASSENGER AUTOMATIC LIFT MAKE KONE ,T.K.E. & SCHINDLER (G+1) NEAR COURT ROOM NO. 12 OF M.P.HIGH COURT JABALPUR.	Rs. 17.03 Lakh	Rs. 34060/-	Rs. 2000/-	1 MONTH AFTER COMPLETION OF CIVIL WORKr	1- Centralised PWD Registration in Electrical & "A"Class electric licence From MP Licensing Board 2- 1st Call
3	2025_ PWDRB_ 449442_1	PROVIDING ELECTRICAL REPAIRING AND RENOVATION AT HIGH VOLTAGE BUILDING UNDER JEC SECTION SUB DIV. JABALPUR DISTT. JABALPUR.	Rs. 8.42 Lakh	Rs. 16840/-	Rs. 2000/-	2 MONTH	1- Centralised PWD Registration in Electrical & "A"Class electric licence From MP Licensing Board 2- 1st Call
4	2025_ PWDRB_ 449443_1	PROVIDING TENDER FOR ELECTRIFICATION OW / MOW / DEPOSIT WORK MAINTENANCE WORK UNDER E/M BAIHAR SECTION BALAGHAT DISTT. BALAGHAT.	Rs. 9.50 Lakh	Rs. 19000/-	Rs. 2000/-	Up to 31/03/2026	1- Centralised PWD Registration in Electrical & "B"Class electric licence From MP Licensing Board 2- 1 st Call
5	2025_ PWDRB_ 449444_1	PROVIDING TENDER FOR ELECTRIFICATION OW / MOW / DEPOSIT WORK MAINTENANCE WORK UNDER E/M WARASEONI SECTION BALAGHAT DISTT. BALAGHAT.	Rs. 8.00 Lakh	Rs. 16000/-	Rs. 2000/-	Up to 31/03/2026	1- Centralised PWD Registration in Electrical & "B"Class electric licence From MP Licensing Board 2- 1 st Call
6	2025_PWDRB_ 449446_1	BOLERO "NEO" MODEL OR EQUIVALENT VEHICLE FOR INSPECTION OF GOVT. WORK TO SUB DIVISIONAL OFFICER PWD B/R SUB DIVISION SIHORA.(For 2 Year)	Rs. 7.20 Lakh	Rs. 14400/-	Rs. 2000/-	2 Years	1- 1st Call
7	2025_PWDRB_ 449448_1	BOLERO "NEO" MODEL OR EQUIVALENT VEHICLE FOR INSPECTION OF GOVT. WORK TO SUB DIVISIONAL OFFICER PWD E/M SUB DIVISION JABALPUR.(For 2 Year)	Rs. 7.20 Lakh	Rs. 14400/-	Rs. 2000/-	2 Years	1- 1st Call
8	2025_PWDRB_ 449449_1	BOLERO "NEO" MODEL OR EQUIVALENT VEHICLE FOR INSPECTION OF GOVT. WORK TO SUB DIVISIONAL OFFICER PWD B/R SUB DIVISION GOTEGAON .(For 2 Year)	Rs. 7.20 Lakh	Rs. 14400/-	Rs. 2000/-	2 Years	1- 1st Call
9	2025_ PWDRB_449450_1	SCORPIO "N" MODEL OR EQUIVALENT VEHICLE FOR INSPECTION OF GOVT. WORK TO EXECUTIVE ENGINEER PWD BRIDGE DIVISION JABALPUR.. (For 2 Year)	Rs. 8.40 Lakh	Rs. 16,800/-	Rs. 2000/-	2 Years	1- 1st Call

The document can only be purchased online from the above website after making online payment. The last date & time for purchase of Document on line is Dated 20/09/2025 up to (17:30.) Detailed NIT and other details can be viewed on the above mentioned portal. Amendments to NIT, if any, would be published on website only, and not in newspaper.

Executive Engineer
P.W.D. E/M DIVISION
JABALPUR

जी-18508/25

स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता

नुक्कड नाटक के माध्यम से वन्य प्राणी से आत्मसुरक्षा एवं वन्य प्राणी सरंक्षण के लिए ग्रामीणों को किया जा रहा जागरूक

लामता(पद्मेश न्यूज)। जिले मे वन्य प्राणियों के सुरक्षा के लिए वन विभाग के वन संरक्षक बालाघाट, वनमण्डलाधिकारी उत्तर सामान्य वन मंडल बालाघाट के निर्देशन पर उत्तर सामान्य वन परिक्षेत्र लामता के अंतर्गत नगरवाड़ा सर्किल के मोहगांव मे कार्यक्रम आयोजित किया गया, परिक्षेत्र अधिकारी अधिकारी देवेंद्र रंगारे द्वारा घने जंगलो के बीच बसे मोहगांव मे नुक्कड नाटक, चौपाल एवं बैनर पोस्टर के माध्यम से प्रचार प्रसार कर ग्रामीणों को हिंसक प्राणी से आत्मरक्षा करने एवं वन्यप्राणियों के संरक्षण के विषय पर नाटकीय मंच के द्वारा जागरूक करने की पहल किया गया हैँ, आज नगरवाड़ा सर्किल के मोहगांव पंचायत मे कार्यक्रम के शुरुआत मे स्कूली बच्चे, ग्रामीणजन, वन विभाग के कर्मचारी एवं सुरक्षा श्रमिकों द्वारा रैली निकालकर ग्रामीणों को जागरूक करने की पहल की। नुक्कड नाटक, गीत एवं मंच के माध्यम से ग्रामीणों को वन्य प्राणी से बचाव, एवं वन्य प्राणियों की सुरक्षा की जानकारी वन विभाग के अधिकारियो द्वारा विस्तार से समझाया गया एवं वन्य प्राणियों के शिकार को रोकने हेतु वन सुरक्षा समितियो एवं ग्राम सरपंच द्वारा बाघ मित्र मनोनीत कर 5-5 बाघ मित्र बनाकर उन्हें टी शर्ट एवं जूते प्रदाय किये गए।

वन परिक्षेत्र अधिकारी उत्तर सामान्य देवेंद्र रंगारे द्वारा बाघ मित्र को उनके दायित्त्व एवं कार्य बताये गये एवं स्कूली छात्र छात्रों को हिंसक वन्य प्राणी से अपनी आत्म रक्षा एवं वन्य प्राणियों की सुरक्षा के उपाय बताये गये,उनके द्वारा यह भी बताया गया कि किसी भी व्यक्ति को सर्प काटता हैँ तो पंडा पुजारी एवं झाड फूक ना कराकर , उन्हें तत्काल शासकीय स्वास्थ्य केंद्र ले जाकर उपचार करावे, जिससे उसकी जिंदगी बचाई जा सके। वनविभाग द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर ग्रामीणों को बेहतर इलाज की सुविधा प्रदान की गई। एवं दवाइयां वितरित की गई। इसमें स्वास्थ्य विभाग का सहयोग सराहनीय रहा। कार्यक्रम के दौरान वनविभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सभी ग्रामीण जनो से अपील किया की किसी भी व्यक्ति द्वारा वन्य प्राणी के शिकार के लिए फंदा, बिजली तार का उपयोग करते देखा जाये तो वन विभाग के अधिकारियो एवं कर्मचारियों को सूचना देवे, शिकायत सही पाये जाने पर शिकार करने की सामग्री जप्त की जाती हैँ तो सूचना देने वाले व्यक्ति को 5000 हजार रुपये की इनाम कि राशि नगद दी जावेगी। वन विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम मे ग्राम पंचायत मोहगांव के सरपंच सरदार सिंह परते, उपसरपंच सुनील गेवरीकर वन परिक्षेत्र अधिकारी देवेंद्र रंगारे उत्तर सामान्य लामता,सहायक परिक्षेत्र अधिकारी विजय श्रीवास्तव,नीतू गिरी गोस्वामी सहायक परिक्षेत्र लामता, कपिल तिवारी सहायक परिक्षेत्र अधिकारी कुमनगाव, अबरार हुसैन व.र., कृष्ण कुमार हरिनखेड़े व.र., काशीराम पंचेश्वर व.र.,बेनीराम उइके,खिलेश भलावी, विजय गौतम,आनद तिवारी,सुरक्षा समिति मोहगांव अध्यक्ष, समिति के सदस्य, वन सुरक्षा श्रमिक,स्कूली छात्र छात्राओं एवं ग्रामीणों के उपस्तिथि मे कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

राजस्व कार्य की समीक्षा करने जनमखार पहुँचे अनुविभागीय अधिकारी

लामता(पद्मेश न्यूज)। जिले के लामता तहसील के अंतर्गत ग्राम पंचायत भोंड़वा के जन्मखार मे बी -वाचन कार्यक्रम के निरीक्षण के लिए अनुविभागीय अधिकारी गोपाल सोनी पहुंचे। बी वाचन कार्यक्रम के दौरान चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्या से रु ब रु हुये, जन्मखार के ग्रामीणों द्वारा वर्षो से चल रही सड़क की समस्या को अवगत कराते हुये मिनी आंगनवाड़ी खोलने की मांग किये. ग्रामीणों ने अनुविभागीय अधिकारी गोपाल सोनी को सड़क एवं मिनी आंगनवाड़ी केंद्र खोलने के लिए लिखित आवेदन भी दिये. बी वाचन के कार्यक्रम मे हल्का पटवारी चंद्रसेन भारतीय, राजस्व निरीक्षक किशोर उइके, प्रभारी सचिव व सहायक सचिव विमल बोरिकर, ग्राम रक्षक रमेश राऊत, दिनेश राऊत, लेखचंद शेंडे,एवं जन्मखार के ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

खतरनाक साजिश का पर्दाफाश 5 आतंकी गिरफ्तार, केमिकल हथियारों का मिला जखीरा

नई दिल्ली। आए दिन संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त लोगों पर पुलिस कार्रवाई कर रही है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने दिल्ली, रांची और मध्य प्रदेश सहित आईएसआईएस के अब तक पांच संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार कर एक बड़े मॉड्यूल का खुलासा किया है। इसमें से दो संदिग्ध आतंकी दिल्ली से दबोचे गए हैं, जबकि दो झारखंड से और एक मध्य प्रदेश से पकड़ा गया है। हालांकि कई लोगों को पुलिस ने अभी हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ कर रही है। ऐसे में यह संभावना जताई जा रही है कि इन संदिग्धों के खिलाफ पुलिस को कोई सबूत मिलता है तो गिरफ्तारी की संख्या में और भी इजाफा हो सकता है।

चांदाडोह में बाघ की चहलकदमी

बाघ ने पालतू मवेशी बछिया का किया शिकार, आधा दर्जन गांवों में डर का माहौल

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। वन परिक्षेत्र कटंगी के पठार अंचल के ग्रामीण इलाकों से आए दिन हिंसक वन्य प्राणी बाघ को देखे जाने और बाघ के द्वारा पालतू मवेशियों के शिकार की घटनाएं सामने आ रही है. बीते दिनों 4 सितंबर को हिंसक वन्य प्राणी बाघ के हमले से एक बुजुर्ग किसान सेवक राम गोपाले की मौत हो गई. इस घटना के पहले भी बाघ ने इंसानों पर हमला किया. इस तरह की घटनाओं के बाद लोगों में आक्रोश पनप रहा है. अब तिरोड़ी तहसील के ग्राम चांदाडोह में वन विकास निगम के एरिया में वन्य प्राणी बाघ की चहल-कदमी दिखाई दे रही है. पालतू मवेशी बछिया पर हमले की घटना से बाघ की मौजूदगी का पता चला है. इस घटना के बाद आसपास के करीब आधा दर्जन गांवों में डर का माहौल बना हुआ है. मिली जानकारी अनुसार बाघ ने चांदाडोह निवासी सुखमन बाई उईके के खेत के पास ही पालतू मवेशी बछिया पर हमला किया. घटना बुधवार की दोपहर करीब 12 बजे के आसपास की बताई जा रही है. सुखमन बाई के मुताबिक जब वह मवेशी चरा रही थी तभी बाघ ने दबे पांव आकर अचानक से पालतू मवेशी पर हमला कर दिया. पशु मालिक ने वन विभाग के अधिकारियों को घटना की सूचना दी है. वन विभाग ने गांव में मुनादी कराते हुए ग्रामीणों को सतर्क और सावधान रहने की अपील की है।

किसान 15 सितम्बर से 10 अक्टूबर तक करा सकेंगे पंजीयन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा के उपार्जन के लिए जिले में किसानों का पंजीयन 15 सितम्बर से प्रारंभ होगा। समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार और बाजरा का विक्रय करने के लिये किसान अपना पंजीयन 10 अक्टूबर तक करा सकेंगे। 11 सितम्बर को कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में जिला उपार्जन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में किसानों के पंजीयन संबंधी तैयारियों की समीक्षा की गई और आवश्यक दिशा निर्देश दिये गए। कलेक्टर श्री मीना ने बैठक में निर्देशित किया कि गत वर्ष किसानों के पंजीयन के लिए बनाए गए केंद्रो को इस वर्ष भी पंजीयन के लिए यथावत रखा जाए। किसानों के पंजीयन के लिए फसल गिरदावरी का कार्य 15 सितम्बर तक पूर्ण करने के निर्देश दिये गए। राजस्व एवं कृषि विभाग के अधिकारियों को आपस में समन्वय कर 15 सितम्बर तक धान, कोदो-कुटकी एवं रागी फसल के रकबे का सत्यापन कर गिरदावरी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये गए। फसलों के बोए गए रकबे में राजस्व एवं कृषि विभाग के आकड़ों में अंतर नही आना चाहिए। इस दौरान बताया गया कि

जिले में फसल गिरदावरी का कार्य 74 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। बैठक में बताया गया कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी के लिए किसानो का पंजीयन आगामी 15 सितम्बर से प्रारंभ किया जाएगा। पंजीयन का कार्य 10 अक्टूबर 2025 तक किया जाएगा। किसान ग्राम पंचायत, जनपंद पंचायत एवं तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केंद्र तथा सहकारी समितियों द्वारा संचालित पंजीयन केंद्र पर निःशुल्क पंजीयन करा सकते है। किसान एमपी ऑनलाईन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेंटर कियोस्क, लोक सेवा केंद्र एवं निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साईबर कैफे पर भी निर्धारित शुल्क जमा कर अपना पंजीयन करा सकते है। इनमें भी प्रति पंजीयन 50 रुपये से अधिक का शुल्क नही लिया जाएगा।

सांदीपनी स्कूल के कलाकारों का संभाग के लिए हुआ चयन

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। जिले के विकासखंड कटंगी का शासकीय सांदीपनी स्कूल के नृत्य कलाकारों का जिला स्तरीय सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता में संभाग के लिए चयन हुआ है. चयनित प्रतिभागी संभाग स्तरीय कला उत्सव में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे. बुधवार को जिला मुख्यालय बालाघाट के शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में पूरा दिन अलग-अलग प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ. सांदीपनी स्कूल कटंगी के प्राचार्य शैलेंद्र गुप्ता, उपप्राचार्य यतीन्द्र अग्रवाल के निर्देशन और नृत्य शिक्षक अविल भारद्वाज, गायन शिक्षक सीमा चौहान के नेतृत्व में वैशाली सहारे, प्रिंसी भगत, रिया पटेल, प्रीति भालाधरे, अनहद सोनी, उर्वशी भगत धरा भूरे, अर्चना पवार, लालिमा पटले, जानवी बिसेन, मानसी पतले, नितेंद्र पारधी सांदीपनी स्कूल की ओर से जिला स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लिया. इसमें नृत्य समूह ने शानदार प्रस्तुति देते हुए जिला स्तर पर प्रथम स्थान हासिल कर संभाग में अपनी जगह बनाई. इन सभी चयनित कलाकारों को प्राचार्य और स्टाफ ने बधाई दी. स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार ने 2015 में कला उत्सव की शुरुआत की. इस पहल का उद्देश्य देश के स्कूली छात्रों की कलात्मक प्रतिभा को पोषित और प्रदर्शित करके शिक्षा में कला को बढ़ावा देना है. प्राचार्य ने कहा कि इन कलाकारों ने सिर्फ स्कूल का ही नहीं बल्कि नगर का नाम भी जिले में रोशन किया है उन्हें उम्मीद है कि यह संभाग से लेकर राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर नगर का नाम रोशन करेंगे।

लाड़ली बहनों की होगी जांच...अपात्रों को करेंगे बाहर

राशि बढ़ाने से पहले मोहन सरकार करवा सकती है सत्यापन, अभी बड़ी संख्या में अपात्र महिलाओं को भी मिल रहा है लाभ

भोपाल। पिछला विधानसभा चुनाव जीतने के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने लाड़ली बहना योजना शुरू की और बिना सत्यापन के ही जितने भी आवेदन प्राप्त हुए उन सभी को मंजूर करने के शासन ने आदेश सभी जिलों को दे डाले, जिसके चलते जून-2023 में जब योजना शुरू हुई तब 1.31 करोड़ महिलाओं को इसका लाभ देना शुरू किया गया। अब हालांकि 4 लाख लाड़ली बहनाएं कम हो गई हैं, क्योंकि इसके लिए जो निर्धारित मापदण्ड हैं उसके मुताबिक अधिकतम आयु 60 वर्ष पूरी होने के चलते सूची से बाहर हो गई। मगर अब शासन लाडली बहनों को 1500 रुपए प्रतिमाह देने की घोषणा पर अमल करेगा, जिसके चलते सूत्रों के मुताबिक सत्यापन कराया जाएगा।

चुनाव में वोट हासिल करने के लिए ताबड़तोड़ इस तरह की योजनाएं राजनीतिक दलों द्वारा घोषित करा दी जाती है और जब वित्तीय भार पड़ता है तो फिर पात्र-अपात्रों की जांच होती है। पूर्व में कई योजनाओं में भी ऐसा हुआ और अब लाड़ली बहनाओं का सत्यापन करवाकर अपात्रों को बाहर किया जाएगा, जिसमें आयकर जमा करने, ढाई लाख रुपए से अधिक की सालाना आय होने या 21 वर्ष से कम और 60 वर्ष से अधिक उम्र होने, मध्यप्रदेश की ही निवासी होने या वृद्धावस्था, स्वास्थ्य योजना या अन्य पेंशन का लाभ लेने वाली महिलाओं को भी अपात्र किया जाएगा। सरकारी नौकरी में कार्यरत महिलाएं भी अपात्र कहलाएंगी या परिवार का कोई सदस्य अगर किसी सरकारी पद का लाभ ले रहा है तो उसे भी अपात्र किया जाएगा। हालांकि अधिकृत रूप से शासन ने यह सत्यापन कब से शुरू होगा इसकी जानकारी नहीं दी है। मगर सूत्रों का कहना है कि अभी अगले माह अक्टूबर से 1500 रुपए प्रतिमाह देने की घोषणा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कर चुके हैं और 2028 के विधानसभा चुनाव तक यह राशि बढ़ाकर 3 हजार रुपए की जाएगी। वर्तमान में 1250 रुपए प्रतिमाह दिए जा रहे हैं। नतीजतन सरकारी खजाने से हर माह 1500 करोड़ रुपए से भी अधिक की राशि इस योजना पर खर्च करना पड़ती है। अब 250 रुपए की बढ़ोतरी के चलते हर माह 317 करोड़ रुपए का अतिरिक्त वित्तीय भार आएगा और 1500 रुपए की राशि हर माह देने से मध्यप्रदेश के खजाने पर सालाना 22425 करोड़ रुपए का भार आएगा। वर्तमान में 1 करोड़ 27 लाख लाड़ली बहनाओं को यह राशि मिल रही है। हालांकि 20 अगस्त 2023 से नए पंजीयन भी बंद कर दिए हैं। एक तरफ सत्यापन का कार्य शासन करवाएगा, तो दूसरी तरफ नए पंजीयन भी इस नई योजना के तहत करना पड़ेंगे, ताकि छूट गई या उम्र के हिसाब से पात्र हुई नई लाड़ली बहनाओं को भी इस योजना का लाभ मिल सके। फिलहाल 1250 रुपए की जो राशि लाड़ली बहनों के खातों में हर महीने शासन द्वारा जमा कराई जा रही है उस पर 1551 करोड़ रुपए खर्च होते हैं और बीते डेढ़ साल में ही 30 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि शासन इस योजना पर खर्च कर चुका है और यही कारण है कि हर बार शासन को वित्तीय कर्जा भी लेना पड़ रहा है। अब अक्टूबर माह से दीपावली तोहफे के रूप में 1500 रुपए की राशि देने की घोषणा की गई है और अभी लाड़ली बहनों को भी लाड़ली बहनों को 250 रुपए की राशि अलग से दी गई थी। अभी सालाना 18612 करोड़ रुपए लाड़ली बहनों के खातों में सालाना शासन द्वारा जमा कराए जा रहे हैं और अब 250 रुपए की बढ़ोतरी होने से सालाना राशि 19 हजार करोड़ रुपए तक पहुंच जाएगी और मुख्यमंत्री यह भी घोषणा कर चुके हैं कि 2028 तक 3 हजार रुपए की राशि लाड़ली बहनों को देंगे, जो कि इस योजना को घोषित करते वक्त तत्कालीन मुख्यमंत्री ने की थी, लेकिन उसके पहले पात्र-अपात्रों की जांच होगी। जिस तरह अभी मुफ्त के राशि, गैस सिलेंडर सहित अन्य योजनाओं में भी सरकारों द्वारा पात्र-अपात्रों का चयन किया जा रहा है और अब पहली बार लाड़ली बहना की सूची का भी सत्यापन शासन द्वारा कराए जाने की चर्चा चल रही है।

कर्ज सीमा को बढ़ाएगी मप्र पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी

भोपाल। मप्र में बिजली वितरण व्यवस्था को दुरूस्त कर लाइन लॉस को कम करने की कवायद वर्षों से चल रही है। मप्र पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी को इससे कुछ हद तक फायदा भी पहुंचा है। इसको देखते हुए अब मप्र पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी अपने इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने में जुटी है। इसके तहत अंडरग्राउंड केबल बिछाई जा रही है। लाइन लॉस कम करने बिजली वितरण व्यवस्था में कई स्तर पर सुधार किया जा रहा है। मेंटेनेंस में ड्रोन और एआई तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। इस व्यवस्था को मजबूत करने कंपनी अपनी कर्ज सीमा भी बढ़ाएगी।

जानकारी के अनुसार बिजली वितरण व्यवस्था को दुरूस्त करने और लाइन लॉस को कम करने के लिए मप्र पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड ने अपनी कर्ज सीमा को बढ़ाने का फैसला किया है। कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट 2023-24 में दिए प्रस्ताव के अनुसार अब कंपनी 13500 करोड़ रुपए की जगह 17500 करोड़ रुपये तक का कर्ज ले सकेगी। यह निर्णय कंपनी के निदेशक मंडल की 129वीं बैठक में लिया गया। कंपनी के अनुसार 30 जून 2024 तक उस पर 13311.70 करोड़ रुपए का ऋण है, जिसमें लिए गए ऋण, बकाया ब्याज और अप्रयुक्त स्वीकृत ऋण शामिल हैं। आने वाले पांच साल (वित्तीय वर्ष 2024-25 से 2028-29) में कंपनी को लगभग 4100 करोड़ के अतिरिक्त ऋण की जरूरत होगी, जिसमें नए प्रोजेक्ट्स और भविष्य की कार्ययोजनाएं शामिल हैं। इस कारण मौजूदा कर्ज सीमा अपर्याप्त हो गई है। इसलिए अब इसे बढ़ाया जा रहा है।

अतिरिक्त 4,100 करोड़ के कर्ज की जरूरत

कंपनी ने स्पष्ट किया है कि यदि अतिरिक्त 4,100 करोड़ रुपये का कर्ज लिया जाता है, तो कुल उधारी 17411.70 करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगी। इस स्थिति में मौजूदा सीमा 13,500 करोड़ रुपए से लगभग 4,000 करोड़ रुपये अधिक कर्ज की अनुमति चाहिए। इसी के चलते कंपनी ने विशेष प्रस्ताव लाकर शेयरधारकों की सहमति लेने का निर्णय किया है। सिर्फ कर्ज लेने की ही नहीं, बल्कि उसके लिए सुरक्षा बनाने की भी आवश्यकता होगी। कंपनी ने प्रस्ताव रखा है कि 17,500 करोड़ रुपये तक की राशि के लिए कंपनी अपनी परिसंपत्तियों को सुरक्षा के तौर पर गिरवी रख सकेगी। प्रदेश की बिजली सप्लाई को सुधारने, अघोषित बिजली कटौती कम करने और मेंटेनेंस के लिए बिजली कंपनी नई तकनीक का उपयोग कर रही है। हाई वोल्टेज लाइनों की पेट्रोलिंग तक ड्रोन तकनीक से की जा रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल करने से ट्रिपिंग और ब्रेकडाउन में भी कमी आई है। प्रदेश की ट्रांसमिशन कंपनी 10 हजार टावरों की पेट्रोलिंग ड्रोन तकनीक से कर चुकी है। इस तकनीक के उपयोग से ट्रिपिंग और ब्रेकडाउन में 35 फीसदी तक की कमी आई है।

90 नहीं 119 डिग्री का निकला ब्रिज

भोपाल । हाईकोर्ट में भोपाल के ऐशबाग क्षेत्र स्थित फ्लाईओवर ब्रिज को लेकर महत्वपूर्ण रिपोर्ट पेश की गई। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ के समक्ष मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के प्रोफेसर ने जांच रिपोर्ट दाखिल की। रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि ब्रिज का मोड़ 90 डिग्री नहीं, बल्कि 118 से 119 डिग्री के बीच है।

याचिकाकर्ता मेसर्स पुनीत चड्ढा की ओर से दायर याचिका में आरोप लगाया गया था कि उनकी कंपनी को बिना सुनवाई का अवसर दिए सरकार ने ब्लैकलिस्ट कर दिया। याचिका में कहा गया कि फ्लाईओवर निर्माण का ठेका 2021-22 में कंपनी को मिला था और कार्य सरकारी एजेंसी द्वारा जारी जीएडी (जनरल अरेंजमेंट ड्राइंग) के आधार पर किया गया। बाद में 2023 और 2024 में जीएडी में संशोधन भी किया गया। गौरतलब है कि ब्रिज में 90 डिग्री का मोड़ होने की खबरें सामने आने के बाद सरकार ने पांच सदस्यीय जांच समिति गठित की थी। समिति ने पाया कि मोड़ वाले हिस्से के नीचे से रेलवे ट्रैक गुजरता है और राज्य सरकार तथा रेलवे विभाग के बीच समन्वय की कमी रही। साथ ही, ब्रिज के खंभे भी निर्धारित दूरी पर नहीं लगाए गए थे।

अब 17 को होगी सुनवाई

हाईकोर्ट ने प्रोफेसर को ब्रिज की तकनीकी जांच का जिम्मा सौंपा था और इसके लिए याचिकाकर्ता को एक लाख रुपये फीस देने के निर्देश दिए थे। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि याचिकाकर्ता का दावा सही पाया जाता है तो वह फीस की राशि वसूलने का हकदार होगा। साथ ही, फिलहाल कंपनी के खिलाफ कोई कठोर कार्रवाई नहीं की जाएगी। सुनवाई के दौरान सरकार ने रिपोर्ट के आधार पर कंपनी के खिलाफ की गई कार्रवाई को निरस्त करने के लिए समय मांगा।

गर्रा ओवरब्रिज निर्माण में बाधक बन रहा अतिक्रमण

एसडीएम और सेतु विभाग ने किया निरीक्षण , अतिक्रमण हटाने के लिए संबंधित विभाग को दिये गये निर्देश

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। गर्रा रेलवे क्रॉसिंग पर बन रहे ओवरब्रिज में इन दिनों अतिक्रमण बाधक बन रहा है , जिसको लेकर 11 सितंबर को एसडीएम बालाघाट और सेतु विभाग के एसडीओ अर्जुनसिंह द्वारा बन रहे ओवरब्रिज के कार्य का निरीक्षण किया गया और बाधक बन रहे अतिक्रमण को हटाए जाने की रूपरेखा तैयार की गई । इसके बाद अधिकारियों का मानना है कि बन रहे ओवरब्रिज के कार्य को और गति मिलेगी। आपको बता दे कि नगर में रेलवे ओवरब्रिज का काम शुरू है, शहर में रेल ओवरब्रिज बनाए जाने है, जिसका काम चल रहा है। बीते दिनों सरेखा रेलवे ओवरब्रिज के अनौपचारिक रूप से आवागमन के लिए खोले जाने के बाद अब लगभग आधे से ज्यादा पूर्ण हो चुके गर्रा रेलवे ओवरब्रिज का काम को सेतु विभाग, गति देने में जुटा है। गर्रा आरओबी में बाधक बन रहे अतिक्रमण को हटाने गुरूवार को एसडीएम गोपाल सोनी, सेतु संभाग एसडीओ अर्जुन सनोडिया, ठेकेदार ने निर्माणाधीण काम का निरीक्षण किया। इस दौरान नर्सरी के सामने के अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही जल्द ही किए जाने के निर्देश, एसडीएम ने दिए।

तकरीबन 700 मीटर लंबे और 7.5 मीटर चौड़े, गर्रा आरओबी में रेलवे विभाग की ओर से तीन और सेतु संभाग की ओर से पांच स्पॉन का काम शेष रह गया है। बालाघाट से गर्रा मार्ग पर बन रहे इस ओवरब्रिज में बालाघाट की ओर से वॉल का काम पूरा हो गया है। इस मार्ग के जल्द निर्माण को लेकर प्रशासनिक तौर से अधिकारी नजर बनाए हुए है। सेतु संभाग एसडीओ अर्जुन सनोडिया ने बताया कि गर्रा ओवरब्रिज निर्माणाधीन कार्य को गति देने, आ रही अतिक्रमण, पेड़ और यातायात की दिक्कत को लेकर एसडीएम साहब ने निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि निर्माण कार्य को गति देने के लिए, ठेकेदार को निर्देशित किया गया है। एसडीएम साहब ने भी भरोसा दिलाया है कि निर्माण में बाधक बन रही समस्याओं को जल्द निराकरण कर दिया जाएगा। ताकि गर्रा मार्ग के आरओबी का निर्माण तेजगति से पूर्ण हो सके । श्री सोनी ने यह भी बताया कि आने वाले दिनों में दुर्गा उत्सव का समय आ रहा है और यही से पूरा यातायात जाएगा, उस दृष्टि से यहां की दुकान और एक मंदिर को विधिवत नियम अनुसार हटाना आवश्यक हो गया है , तभी ओवरब्रिज निर्माण के कार्य को गति मिलेगी, इसके लिए जल्द ही अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

और 11 उप निरीक्षक गृह जिला बालाघाट स्थानांतरित

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पुलिस मुख्यालय भोपाल के आदेश अनुसार उप निरीक्षक के स्थानांतरण आदेश जारी किए गए हैं। जिनमे प्रदेश के पुलिस थानों में पदस्थ 102 उप निरीक्षकों का स्थानांतरण आदेश जारी किया गया है। हाल ही में जारी किए गए स्थानांतरण आदेश के तहत 11 उप निरीक्षक बालाघाट स्थानांतरित किए गए हैं। अब ये उप निरीक्षक अपने गृह जिला बालाघाट में सेवाएं देंगे। जिनमे उप निरीक्षक सत्येंद्र सिंह भदोरिया सागर से बालाघाट, उप निरीक्षक आशीष वरकड़े जिला छिंदवाड़ा से बालाघाट, उप निरीक्षक कप्तान सिंह उइके जबलपुर से बालाघाट, उप निरीक्षक गुलाम शब्बीर खान जबलपुर से बालाघाट, उप निरीक्षक राम प्रसाद मेश्राम जबलपुर से बालाघाट, उप निरीक्षक श्रीचंद मरावी सिवनी से बालाघाट,, उप निरीक्षक गौरव धुर्वे सिवनी से बालाघाट, उप निरीक्षक रविंद्र कुमार चौके छिंदवाड़ा से बालाघाट, उप निरीक्षक चमहारु लाल सिंगमारे सिवनी से बालाघाट, उप निरीक्षक श्याम लाल धुर्वे सिवनी से बालाघाट, उप निरीक्षक मनोज कुरील जबलपुर से बालाघाट स्थानांतरित किए गए हैं।

मोटरसाइकिल आनियंत्रित होने से दो युवक घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नगर समीप भटेरा रोड सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार दो युवक घायल हो गए घायल दोनों युवक फलक पिता दिलीप सोनवाने 22 वर्ष ग्राम परसा टोला कंजई थाना लालबर्रा और उसके दोस्त अभिलाष पटले 22 वर्ष कटंगी निवासी है। जिनका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार फलक सोनवाने सरदार पटेल कॉलेज बालाघाट में बीटेक की पढ़ाई कर रहा है। 10 सितंबर की रात 12 बजे फलक सोनवाने अपने दोस्त अभिलाष पटले के साथ मोटरसाइकिल में नवेगांव से बाईपास होते हुए बालाघाट आ रहे थे। मोटरसाइकिल अभिलाष पटले चला रहा था। भटेरा रोड से वापस होते हुए शीतल पैलेस के पास पहुंचे ही थे। कि सामने से आ रहे वाहन का लाइट आंख में पड़ने से मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई और दोनों मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गए। दोनों घायल को किसी फोर व्हीलर वाले ने जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये।

कटंगी के जंगल स्थित छोटी बाघ नदी से मानव कंकाल बरामद

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। थाना बहेला अंतर्गत ग्राम कटंगी के जंगल स्थित छोटी बाघ नदी में एक मानव कंकाल बरामद किया है।प्रथम दृष्टि में यह कंकाल किसी महिला का बताया जा रहा है किंतु इस महिला की बाढ़ में बहने से मौत हुई या अन्य वजह से यह भी स्पष्ट नहीं हो पाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 11 सितंबर को बहेला थाना क्षेत्र में आने वाले

ग्राम कटंगी के जंगल स्थित छोटी बाघ नदी में एक मानव कंकाल देखा गया। जिसकी सूचना ग्रामीणों के द्वारा बहेला पुलिस थाना में दी गई थी। सूचना मिलने पर बहेला थाना प्रभारी हेमंत शर्मा अपने स्टाफ के साथ छोटी बाघ नदी पहुंचे। और कंकाल को बाहर निकलवाए। संभावना है की पिछले दिनों लगातार बारिश होने के कारण नदी में बाढ़ होने से यह मानव बाढ़ में बह गया और बहते हुए इस क्षेत्र में आ गया नदी में पानी कम होने यह कंकाल दिखाई दिया या फिर अंतिम संस्कार के दौरान नदी में दफन किया गया शव जो बाढ़ के कारण रेत हटने से ऊपर भी आने की संभावना की गई है। प्रथम दृष्टि में यह मानव कंकाल महिला का बताया जा रहा है। उप निरीक्षक हेमंत शर्मा ने शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात शव का पोस्टमार्टम करवा लिए है। इस महिला की बाढ़ में बहने या अन्य वजह से मौत हुई उसकी जांच हेतु फीमर बोर्न फ्रिजब कर लिया गया है जिसे जांच हेतु एफ एस एल भेजी जाएगी। बहेला पुलिस द्वारा धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

अपनी विभिन्न मांगो को लेकर सहकारी समिति के कर्मचारी कर रहे अनिश्चितकालीन हड़ताल

जनपद पंचायत के सामने दे रहे धरना, 15 को करेंगे, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के कार्यालय का घेराव और तालाबंदी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर मध्य प्रदेश सहकारिता समिति के कर्मचारी 8 सितंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं एवं जब तक मांग पूरी नहीं होती तब तक कलमबंद हड़ताल जारी रखने की बात कही जा रही है । इसी क्रम में 11 सितंबर को जिला स्तर पर समिति के कर्मचारियों ने पंडाल लगाकर, जनपद पंचायत के सामने धरना दिया और शासन से अपनी विभिन्न मांगों को पूरे किए जाने की बात कही। आपको बता दे कि जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अंतर्गत संचालित होने वाली जिले की सभी 126 सोसायटियो में ताला लगाकर, सोसायटी कर्मचारी काम बंद, अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए है। जिससे सोसायटियो के माध्यम से किसानों को फर्टिलाईजर्स, ऋण और गरीबों को होने वाले पीडीएस वितरण पर ब्रेक लग गया है। सहकारी सोसायटी कर्मचारी महासंघ के बैनर तले सोसायटी कर्मचारियों ने मोर्चा खोल दिया है । सोसायटी कर्मचारी 60 प्रतिशत संस्था कर्मचारियों को प्रबंधक के पद पर प्रमोट करने के आदेश के बाद चयन प्रक्रिया का पालन नहीं होने, विक्रेताओं को तीन हजार रूपए मानदेय और प्रतिवर्ष सोसायटियो को मिलने वाली प्रबंधकीय अनुदान 3 लाख रूपए की डिमांड कर रहे है, इन प्रांतीय डिमांड के अलावा कर्मचारी महासंघ जिलाध्यक्ष पी.सी. चौहान ने बताया कि जिले में बीते वर्ष समर्थन मूल्य में किसानों से खरीदी गई धान में 16 सौ से ज्यादा किसानों को भुगतान नहीं कर पाने से किसानो की ओर से की गई शिकायत के बाद, सोसायटियो के अनुदान से 6 करोड़ से ज्यादा की राशि जमा कराई गई, लेकिन उसे अब तक नहीं लौटाया गया है। जिससे समितियों की बचत खाली हो गई हैं। इसके अलावा समर्थन मूल्य पर खरीदी गई धान में प्रासंगिक व्यय, कमीशन और कम्प्युटर ऑपरेटर की राशि भी अब तक नहीं दी गई है। जिसको लेकर कई पत्राचार करने के बावजूद, कोई जवाब नहीं दिया जा रहा है।

जिससे सोसायटी कर्मचारियों ने मजबूरीवश यह आंदोलन का रास्ता अख्तियार किया है। और अब वह जनपद पंचायत के सामने पंडाल लगाकर निरंतर धरना दे रहे हैं , 15 सितंबर को स्थानीय जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के कार्यालय का घेराव कर तालाबंदी करने का कार्य करेंगे उन्होंने शासन से जल्द से जल्द अपनी प्रमुख मांगे पूर्ण किए जाने की मांग की है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

आवश्यकता है
डाटा एण्ट्री ऑपरेटर की आवश्यकता है
संपर्क करें-पद्मेश सिटी केबल काली पुतली चौक, बालाघाट

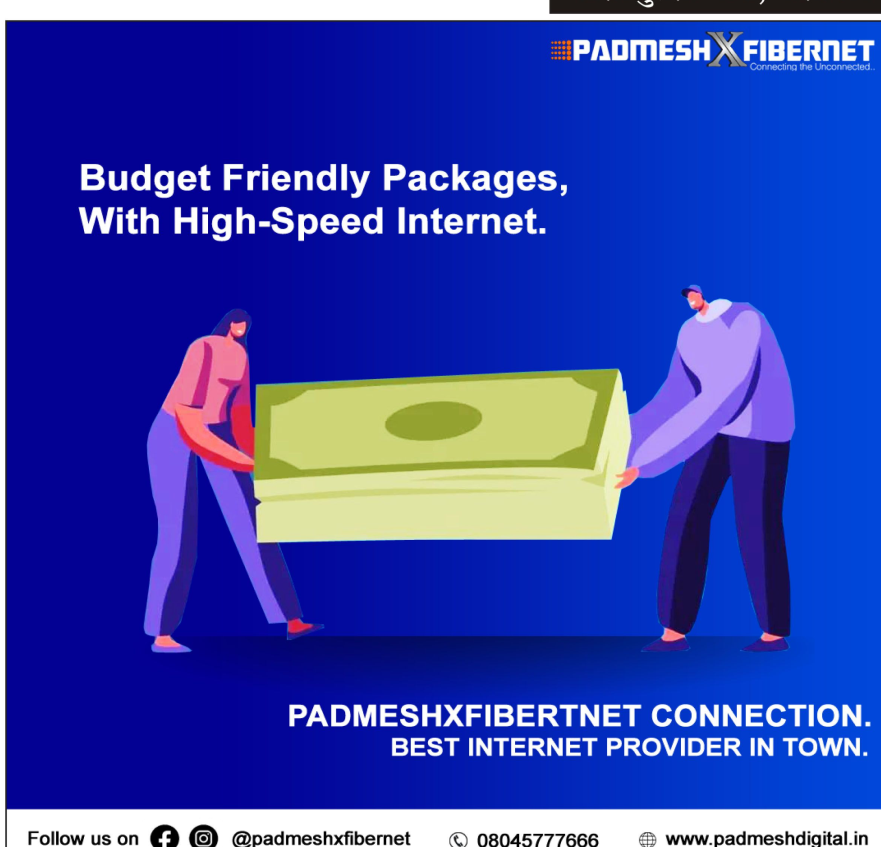

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.१, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट